नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009
वर्ष : 16
अंक : 21
सोमवार, 06 से 12 जुलाई 2026
मूल्य : 5 रूपए
रू 250 वार्षिक

केजरीवाल का सुन्दरकांड आयोजन राजनीतिक दिखावा : हर्ष मल्होत्रा 03
भारत में लॉन्च हुई दुनिया की पहली बेसल इंसुलिन 08
विश्व कप में लगातार गोल का मेस्सी का सिलसिला टूटा 10
दूध पीने में करता है बच्चा आनाकानी तो क्या करें? 11

NCR समाचार

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in
BY C.R.O. TEAM
twitter-@ncrsamacharlive
भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी जैसी नहीं होगी 'हैवान' 12

भारतीय नौसेना की बढ़ी समुद्री ताकत

स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरि ने दी दस्तक, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ेगा दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना के समुद्री बेड़े में एक और एडवांस्ड स्टील्थ फ्रिगेट महेन्द्रगिरी को आज शामिल कर लिया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम में महेन्द्रगिरी को ऐसे समय में शामिल किया है, जब भारत के पूर्वी समुद्री तट का रणनीतिक और समुद्री महत्व लगातार बढ़ रहा है। महेन्द्रगिरी के नौसेना में शामिल होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमता और ऑपरेशनल पहुंच में काफी बढ़ोतरी होगी। इस फ्रिगेट को नौसेना के पूर्वी बेड़े में रखा जाएगा।

प्रोजेक्ट 17ए वर्ग का छठा स्टेल्थ फ्रिगेट 'महेन्द्रगिरी' केवल एक जहाज नहीं है, बल्कि यह 'मेक इन इंडिया' की भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की इंजीनियरिंग क्षमताओं का 6,670 टन का अवतार है। भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो में इन-हाउस डिजाइन और मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में निर्मित यह फ्रिगेट पहले के डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ी की छलांग है। 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ यह जहाज घरेलू औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र की परिपक्वता को उजागर करता है, जो अब 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों में फैला हुआ है। संयुक्त डीजल या गैस प्रणोदन संयंत्र से संचालित महेन्द्रगिरी को 'उच्च गति-उच्च धीरज' बहुमुखी प्रतिभा और बहुआयामी समुद्री संचालन के लिए डिजाइन किया गया है।

जहाज का हथियार सूट विश्वस्तरीय है, जिसमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्धक सूट है। इन प्रणालियों को अत्याधुनिक कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से मूल रूप से एकीकृत किया गया है, जिससे चालक दल सटीकता के साथ खतरों का जवाब दे सकता है। स्टेल्थ फ्रिगेट का लचीला मिशन प्रोफाइल इसे उच्च-तीव्रता वाले मुकाबले से लेकर मानवीय सहायता और आपदा राहत तक के लिए आदर्श बनाता है। भारतीय नौसेना युद्ध के लिए तैयार, एकजुट, विश्वसनीय आत्मनिर्भर बल के तौर पर लगातार बढ़ रही है। महेन्द्रगिरी उभरते हुए समुद्री पावर और देश की नीली सीमाओं के मजबूत संरक्षक के रूप में अच्छे भविष्य के लिए तैयार है।

नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने कहा कि हमारी नौसेना चाहे फारस की खाड़ी हो या मलक्का स्ट्रेट, हिंद महासागर में लगातार अपनी मौजूदगी बनाए रखती है। जब भी कोई संकट आता है, चाहे वह निकासी ऑपरेशन हो या मानवीय सहायता देना हो, हमारी नेवी हमेशा सबसे आगे रहती है। हमारी नौसेना भारत के मूल्यों और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आईएनएस महेन्द्रगिरी की कमीशनिंग से हमारी नौसेना की ताकत, मूल्यों और प्रतिबद्धता को और मजबूती मिलेगी। हमें सिर्फ अपने किनारों को सुरक्षित करने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जरूरी समुद्री रास्तों, चोक पॉइंट्स और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा भी पक्की करनी चाहिए।

भारतीय नौसेना ने पिछले साल से अब तक 12 जहाज, एक सबमरीन और एक एयरक्राफ्ट स्क्वाड्रन को कमीशन किया है। अपनी मजबूत लड़ाई की क्षमताओं के साथ 'महेन्द्रगिरी' भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इस जहाज में 75 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री है। इस प्लेटफॉर्म का निर्माण अपनी तरह के दूसरे जहाजों की तुलना में लगभग 15 फीसदी कम समय में पूरा हुआ है। पूर्वी घाट में राजसी महेंद्रगिरि पर्वत श्रृंखला के नाम पर भारतीय नौसेना का यह युद्धपोत महेंद्रगिरी सचमुच अद्वितीय है। अब यह एक विशिष्ट विरासत बनाने और भारत के समुद्री इतिहास में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ने के लिए तैयार है।

रणनीतिक महत्व और तकनीकी उत्कृष्टता

पूर्वी घाट की महेंद्रगिरि पर्वतमाला के नाम पर रखा गया यह युद्धपोत अपनी शक्ति और दृढ़ता के लिए जाना जाएगा। इसके निर्माण में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री और तकनीक का उपयोग किया गया है, जिसमें विभिन्न एमएसएमई (एमएसएमई) सेक्टर का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह स्टेल्थ फ्रिगेट न केवल भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की परिचालन क्षमता और स्थिरता बनाए रखने की प्रतिबद्धता को भी और अधिक सशक्त बनाता है।

प्रोजेक्ट-17ए की ऐतिहासिक उपलब्धि

आईएनएस महेंद्रगिरि का शामिल होना प्रोजेक्ट-17ए के लिए एक मील का पत्थर है। रक्षा मंत्री ने बताया कि इस श्रेणी के अन्य युद्धपोत—आईएनएस नीलगिरि, उदयगिरि, हिमगिरि, तारागिरि और दुनागिरि—पहले ही भारतीय नौसेना का हिस्सा बनकर देश की सुरक्षा को अभेद्य बना चुके हैं। इस नए युद्धपोत के आने से न केवल भारतीय नौसेना की समुद्री सुरक्षा और युद्ध क्षमता बढ़ेगी, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर भारत के उभरते रक्षा उद्योग की एक नई और मजबूत पहचान को भी पूरी दुनिया के सामने प्रदर्शित करेगा।

एक नजर

कांग्रेस ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के दोषियों को बचाने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में दोषियों पर कार्रवाई न होना इस बात का संकेत है सरकार उन्हें बचा रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा कि धर्म को कलंकित करने वाले इस मामले पर प्रधानमंत्री की चुप्पी सवालों के घेरे में है। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से धोखा हुआ है और इस महापाप के लिए जिम्मेदार बड़े लोग अब तक खुलेआम घूम रहे हैं। उन पर कार्रवाई न होना इस बात का संकेत है कि उन्हें संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इस मुद्दे पर शनिवार को देशभर में 26 स्थानों पर पत्रकार वाताएं आयोजित कर प्रधानमंत्री से जवाब मांगा। शुक्रवार को 9 पत्रकार वाताएं आयोजित हुई थीं और रविवार को 13 पत्रकार वाताएं प्रस्तावित हैं।

टीवी अभिनेता रोहित चंदेल गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। टीवी धारावाहिक 'पांड्या स्टोर' से लोकप्रिय हुए अभिनेता रोहित चंदेल को मुंबई पुलिस ने 16 वर्षीय नाबालिग लड़की से कथित छेड़छाड़, पीछा करने और मारपीट के आरोप में गिरफ्तार किया है। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपित को 10 जुलाई को दहिसर स्थित उसके आवास से गिरफ्तार कर विशेष अदालत में पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि रोहित चंदेल पिछले कुछ समय से नाबालिग को उसके निजी और अन्य मोबाइल नंबरों पर बार-बार फोन कर परेशान कर रहे थे। आरोप है कि 5 जुलाई को अभिनेता पीड़िता के घर के पास पहुंचे, जहां उन्होंने उसका पीछा किया, गाली-गलौज की और मारपीट भी की। पुलिस ने इस मामले में बीएनएस की धारा 78 (पीछा करना) और धारा 115(2) (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) के साथ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

नीट पेपर लीक मामले में 13 आरोपितों की न्यायिक हिरासत 24 जुलाई तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में 13 आरोपितों की न्यायिक हिरासत 24 जुलाई तक बढ़ा दी है। विशेष न्यायाधीश सतीश कुमार ने यह आदेश दिया। आज इन आरोपितों की न्यायिक हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। इस मामले में 12 मई को एक सरकारी अधिकारी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई थी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय न्याय संहिता और भ्रष्टाचार निरोधक कानून के विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की थी। तीन मई को हुई नीट की परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के आरोपों के बाद इस परीक्षा को निरस्त कर दिया गया था और 21 जून को दोबारा परीक्षा आयोजित की गई थी। सरकार ने इस मामले की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। पेपर लीक मामले में अब तक 13 आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं। आरोप है कि मनीषा वाघमारे ने धनंजय लोखंडे को नीट के प्रश्न पत्र दिए। बाद में धनंजय लोखंडे ने शुभम खैरवार को प्रश्नपत्र दिए। कोर्ट ने 14 मई को पांच आरोपितों को सात दिनों की सीबीआई हिरासत में भेजा था। 14 मई को कोर्ट ने जिन पांच आरोपितों को सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया था, उनमें नासिक के शुभम खैरनार, जयपुर के मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल, दिनेश बिवाल और गुरुग्राम से यश यादव शामिल हैं।

भारत-न्यूजीलैंड के संबंधों को नई दिशा देने में डेविड लैंग की रही थी महत्वपूर्ण भूमिका: जयराम रमेश

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के न्यूजीलैंड दौरे के बीच कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने न्यूजीलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड लैंग को याद करते हुए कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के संबंधों को नई दिशा देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। उन्होंने कहा कि 1980 के दशक में डेविड लैंग के नेतृत्व में दोनों देशों के रिश्तों में नई ऊर्जा आई और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूती मिली।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि डेविड लैंग जुलाई 1984 से 1989 तक न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री रहे और अक्टूबर 1984 में उनका पहला विदेश दौरा भारत का था। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए और बाद में राजीव गांधी के साथ भी उनका व्यक्तिगत रिश्ता काफी मजबूत रहा। उन्होंने कहा कि डेविड लैंग के पुत्र रॉय लैंग का भारत से विशेष जुड़ाव रहा। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की और बाद में भारतीय मूल की मीता भौमिक से विवाह किया, जो वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में एक जानी-मानी फिल्म निमार्ता हैं। रमेश ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच 1950 के दशक में मजबूत सहयोग रहा था। उस दौर में न्यूजीलैंड ने भारत के डेयरी क्षेत्र के विकास में सहायता की थी और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना में भी सहयोग दिया था। भारत की श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीज कुरियन को 1952-53 में भारत सरकार ने फेलोशिप पर न्यूजीलैंड भेजा था, जहां के अनुभवों ने उनके कार्यों को गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि 1960 और 1970 के दशक में दोनों देशों के संबंध अपेक्षाकृत धीमे पड़ गए थे, लेकिन डेविड लैंग के प्रधानमंत्री बनने के बाद रिश्तों में नई गर्माहट आई। इसी क्रम में उन्होंने पर्वतारोही सर एडमंड हिलेरी को भारत में न्यूजीलैंड का उच्चायुक्त नियुक्त किया। नई दिल्ली के कूटनीतिक क्षेत्र में एक सड़क का नाम एडमंड हिलेरी के नाम पर है, जबकि दूसरी सड़क का नाम तेनजिंग नोर्गे के सम्मान में रखा गया है। दोनों ने 29 मई 1953 को पहली बार माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचकर इतिहास रचा था। रमेश ने कहा कि डेविड लैंग का कार्यकाल भारत-न्यूजीलैंड संबंधों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में याद किया जाता है।

लोकतंत्र में विचारों का मतभेद स्वाभाविक, लेकिन संविधान के प्रति प्रतिबद्धता सर्वोपरि होनी चाहिए: उपराष्ट्रपति

गयाजी, एजेंसी। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि लोकतंत्र में विचारों का मतभेद स्वाभाविक है, लेकिन संविधान और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बिहार का समग्र विकास अत्यंत आवश्यक है और विकसित बिहार के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है।

गयाजी स्थित बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) में 18वीं बिहार विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने विधायकों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक दलों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन जनता की सेवा और विकास के मुद्दों पर सभी जनप्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बिहार का देश के इतिहास में गौरवशाली योगदान रहा है। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आपातकाल के विरोध में चले दूसरे आजादी के आंदोलन तक बिहार ने राष्ट्रीय राजनीति को नई दिशा दी। उपराष्ट्रपति ने बताया कि आपातकाल के दौरान वे एक कॉलेज छात्र के रूप में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व वाले आंदोलन से जुड़े थे और उस दौर के अनुभवों ने उनके सार्वजनिक जीवन और राजनीतिक सोच को गहराई से प्रभावित किया।

राधाकृष्णन ने कहा कि बिहार ने देश को अनेक महान व्यक्तित्व दिए हैं। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद, लोकनायक जयप्रकाश नारायण और जननायक कपूरी ठाकुर जैसे नेताओं ने अपना पूरा जीवन समाज के वंचित और गरीब वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे महान नेताओं के आदर्श आज भी जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं।

उन्होंने कहा कि चुनाव राजनीतिक दलों के आधार पर लड़े जाते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों की पहली जिम्मेदारी जनता के हितों की रक्षा और राज्य के विकास के लिए मिलकर काम करना है। सदन में विचार अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन संविधान सभी का साझा मार्गदर्शक है और उसी की भावना के अनुरूप विधाई कार्य होना चाहिए।

भारत-न्यूजीलैंड ने दस समझौतों और आठ नई पहलों की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड ने द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए समुद्री सहयोग, जल सर्वेक्षण, रसद सहायता, आतंकवाद रोधी सहयोग, आपदा प्रबंधन, पशुपालन एवं डेयरी, पर्यटन और खेल जैसे अनेक क्षेत्रों में दस समझौतों और आठ नई पहलों की घोषणा की है।

दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाते हुए 2030 के लिए एक रोडमैप जारी किया, जिसके तहत प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर के बीच शुक्रवार देर रात ऑकलैंड में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान यह निर्णय लिए गए। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि दोनों देशों ने मुक्त व्यापार समझौते के संदर्भ में 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को

बढ़ाकर 35,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य तय किया और सहयोग, समन्वय तथा सूचना आदान-प्रदान को मजबूत करने के लिए समुद्री सुरक्षा संवाद स्थापित करने पर सहमति जताई।

दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित समझौतों में समुद्री सहयोग, जल सर्वेक्षण, रसद सहायता, आतंकवाद रोधी सहयोग, आपदा प्रबंधन, पशुपालन एवं डेयरी, पर्यटन, खेल, समुद्री विरासत और सांस्कृतिक सहयोग जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

राम मंदिर की 200 चांदी की ईंटों पर नया मोड़!

ट्रस्ट के जवाब के बाद सिंधी समाज ने सौंपी 17 देशों की लिस्ट

अयोध्या, एजेंसी। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को दान की गई 200 चांदी की ईंटों को लेकर चल रहे विवाद पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने जवाब दिया। चांदी की ईंटों पर उठे विवाद के बीच, विश्व सिंधी सेवा संगम ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के स्पष्टीकरण पर संतोष जताया है। सिंधी संगठन ने ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि को एक पत्र लिखा है।

इस पत्र में कहा है कि ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी और स्पष्टीकरण से दानदाता पूरी तरह संतुष्ट हैं। साथ ही इस मामले में अतिरिक्त जानकारी की आवश्यकता नहीं है। यह पत्र 1 जुलाई, 2026 को भेजे गए जवाब के संदर्भ में ट्रस्ट की ओर से लिखा गया है। 'विश्व सिंधी सेवा संगम' संगठन के इंटरनेशनल प्रेसिडेंट, लायन डॉ. राजू मनवानी ने अपने पत्र के साथ सिंधी समुदाय के सभी 200 दानदाताओं के नाम सौंपे।

ट्रस्ट के जवाब से संतुष्ट सिंधी समाज

पत्र में इस बात को माना गया कि ट्रस्ट ने सिंधी समुदाय के सदस्यों द्वारा दान की गई 200 चांदी की ईंटों के बारे में विस्तृत जानकारी दी थी। इस काम के लिए पूरा समुदाय आभार व्यक्त करता है। पत्र में यह स्पष्ट किया गया कि सभी 200 दानदाताओं ने चांदी की ईंटों के लिए पेमेंट सीधे ज्वैलर को किया था और ज्वैलर ने हर दानदाता को पेमेंट की रसीद जारी की थी। संगठन ने कहा कि ट्रस्ट की स्पष्टीकरण के बाद, इस मामले को लेकर कोई भ्रम या संदेह नहीं बचा है।

ट्रस्ट के अनुरोध के अनुसार, 'विश्व सिंधी सेवा संगम' ने सभी 200 दानदाताओं की सूची उनके कॉन्टैक्ट नंबरों के साथ उपलब्ध कराई है। इसके अलावा, उन 35 भारतीय शहरों और 17 देशों की जानकारी भी साथ में दी गई है, जहां से ये दानदाता हैं।

'विश्व सिंधी सेवा संगम' संगठन ने की ये मांग

संगठन ने ट्रस्ट से अनुरोध किया है कि वे सितंबर या अक्टूबर 2026 में किसी उपयुक्त तारीख पर श्री राम मंदिर के सामूहिक दौरे की अनुमति दें। पत्र में कहा गया है कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद, समुदाय के ज्यादातर सदस्यों को अभी तक मंदिर जाने का मौका नहीं मिला है। इसलिए, दानदाता भगवान श्री राम का आशीर्वाद लेने के लिए एक साथ अयोध्या जाना चाहते हैं। डॉ. राजू मनवानी ने पत्र में ट्रस्ट के सहयोग और उनके विस्तृत जवाब के लिए आभार व्यक्त किया।

गौरतलब है कि हाल ही में कुछ दानदाताओं ने राम मंदिर को दान की गई 200 चांदी की ईंटों को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे। इन आरोपों के बाद यह मामला चर्चा में आ गया था। हालांकि, विश्व सिंधी सेवा संगम ने अब ट्रस्ट के जवाब पर आधिकारिक तौर पर संतोष व्यक्त किया है, जिससे संकेत मिलता है कि मामला सुलझ गया है, और उन्होंने अपना ध्यान राम मंदिर के आगामी सामूहिक दौरे की तैयारियों पर केंद्रित कर लिया है।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।
कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62
फोन :
9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में
आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ड्ड नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

डेढ़ साल के मासूम के हत्यारे को मिली फांसी

एकतरफा प्यार में की थी निर्मम हत्या

शुभी शिखा नयाल

उत्तर प्रदेश: फिरोजाबाद जिले में डेढ़ साल के मासूम बच्चे की निर्मम हत्या के मामले में अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए दोषी को फांसी की सजा सुनाई है। एकतरफा प्रेम और शादी से इनकार की वजह से आरोपी ने मासूम की बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस जघन्य वारदात ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया था। शुक्रवार को अदालत ने दोपहर करीब 2:45 बजे अपना फैसला सुनाते हुए आरोपी को दोषी करार दिया और उसे फांसी की सजा सुनाई। यह मामला 30 मई का है, जब शिकोहाबाद क्षेत्र में आरोपी ने डेढ़ साल के मासूम बच्चे को निशाना बनाया। पुलिस जांच के अनुसार आरोपी बच्चे की मां से शादी करना चाहता था, लेकिन महिला ने उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया। इसी बात से नाराज होकर उसने बदला लेने की नीयत से इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया।

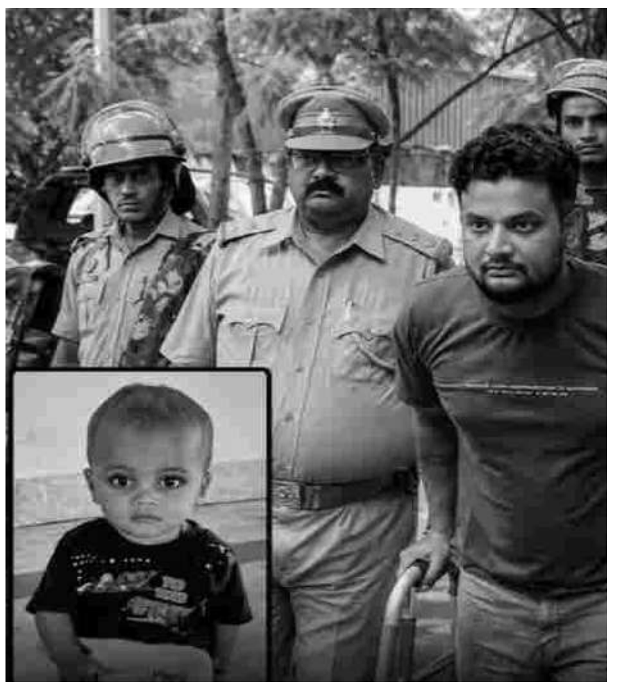

घटना के दौरान आरोपी ने मासूम को उठाकर कई बार जमीन पर पटक दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। वीडियो सामने आने के बाद लोगों में भारी आक्रोश फैल गया और आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग उठने लगी। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश में अभियान चलाया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी ने पुलिस पर हमला करने की कोशिश की, जिसके जवाब में पुलिस की गोली उसके दोनों पैरों में लगी। घायल अवस्था में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद पुलिस ने साक्ष्य जुटाकर अदालत में मजबूत चार्जशीट दाखिल की।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ मजबूत पैरवी की। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों को पर्याप्त मानते हुए इसे दुर्लभतम मामलों (फ्ंश्री२३ ङ्का फ्ंश्री) की श्रेणी में माना और दोषी को फांसी की सजा सुनाई। अदालत के फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने न्याय मिलने पर संतोष व्यक्त किया। वहीं स्थानीय लोगों ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे जघन्य अपराधों में कड़ी सजा समाज में कानून के प्रति विश्वास मजबूत करती है और अपराधियों के लिए सख्त संदेश साबित होती है। इस मामले ने एक बार फिर एकतरफा प्रेम, महिलाओं पर दबाव और हिंसक मानसिकता से जुड़े अपराधों पर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि ऐसे मामलों में कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

गंगा स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर मंथन, सीडीओ ने दिए सख्त निर्देश

ख्वाजा हुसैन

मध्य प्रदेश: कुकड़ेश्वर नगर में नगर परिषद की लापरवाही के कारण आमजन परेशान हैं। वार्ड नंबर ९ के पार्षद के कार्यकाल में नल जल सप्लाई की समस्या है, और उनके नाक के नीचे ही नल जल सप्लाई काटकर जल खल विभाग के चहेते को दिया जा रहा है। इसके अलावा, विगत वर्षों से रोड को खोदकर रखा है, जिससे रोज दुर्घटनाएं हो रही हैं। नगर परिषद ने पेयजल पाइप लाइन के नाम पर पूरे नगर के गली मोहल्लों को जेसीबी से खोदकर छोड़ दिया है, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। आमजन बुरी तरह से परेशान हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। मध्य प्रदेश कांग्रेस भोपाल बीआरपी प्रदेश उपाध्यक्ष नगर के युवा जागरुक राजेंद्र राजू पटेल ने मांग की है कि जल्द से जल्द नगर वासियों की समस्याओं का समाधान किया जाए ॰ ६ ¬। खबर का असर हुआ और आज नगर परिषद ने काम चालू किया नए सीएमओ श्री धर्मराज यादव ने कार्य चालू करवाया

क्या आप जानना चाहते हैं कि नगर परिषद के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा सकती है? या क्या आप चाहते हैं कि हम नगर परिषद के अधिकारियों से संपर्क करने का तरीका बताएं? पटेल ने सभी नगर वासियों की ओर से मनासा एसडीम सुश्री किरण आंजना जी से मांग की है कि नगर वासियों की

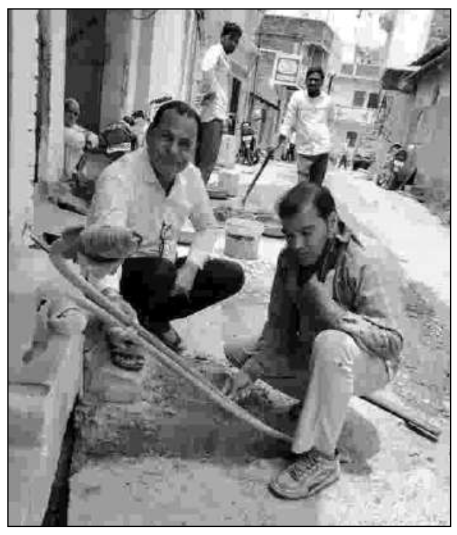

समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करवाने में आप सहयोग प्रदान करें इस मामले को लेकर नगर परिषद के सीएमओ धर्मराज यादव जी से बात की गई तो उनके द्वारा कहा गया है कि मैं अभी कर्मचारियों को भेजता हूं आगे पटेल ने कहा नगर वासियों को रोज नल नहीं मिल रहे हैं नलकर का पैसा बराबर पेनल्टी सहित वसूला जा रहा है।

एएसपी का महुली थाने का औचक निरीक्षण, पुलिस व्यवस्था और कानून-व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेश: संतकबीरनगर जनपद के अपर पुलिस अधीक्षक ने शनिवार को थाना महुली का औचक निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्था और अभिलेखों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, कार्यालय, मालखाना, शस्त्रागार, हवालात, महिला हेल्प डेस्क, आगंतुक कक्ष तथा अभिलेखों का बारीकी से निरीक्षण किया। अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी एवं पुलिसकर्मियों को अभिलेखों का नियमित रखरखाव, लंबित मामलों के समयबद्ध निस्तारण, फरियादियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने अपराध नियंत्रण, वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी, नियमित गश्त,

संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क निगरानी तथा जनसुनवाई को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया। साथ ही महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी, संवेदनशील और जवाबदेह पुलिसिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को त्वरित न्याय और बेहतर पुलिस सेवा मिल सके।

नारी शक्ति वंदन सम्मान के तहत नई नियुक्तियां, महिला सशक्तिकरण को मिलेगा बढ़ावा

योगिता मीरवाल

राजस्थान: श्री मति सुनीता वर्मा ,राष्ट्रीय अध्यक्ष, (नारी शक्ति वंदन सम्मान) मनीषा गोठवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष (महिला अधिकार ,सुरक्षा, संरक्षण, आंदोलन धरना, विंग) डॉ.श्वेता सारण, राष्ट्रीय संयोजिका (युवा महिला शक्ति विंग) एवं श्री मति दुर्गा गहलोत, (जयपुर पश्चिमी)जिला अध्यक्ष ,(नारी शक्ति वंदन सम्मान) डॉ . फरजाना छीपा,जिला अध्यक्ष, राजसमंद (महिला स्वावलंबन) श्री मति माया बोहरा, ब्लॉक अध्यक्ष (दूदू, जयपुर), श्री मति शालिनी खारोल ब्लॉक महासचिव (दूदू जयपुर) राजस्थान को (नारी शक्ति वंदन सम्मान) के पद पर नियुक्त किया।

जयपुर। (महिला एवं बाल विकास को समर्पित) सामाजिक कार्यों एवं महिला सशक्तिकरण मे

अग्रणी संस्था ने अपने अलग अलग विभागों नारी शक्ति वंदन सम्मान में सत्र 2026 के अवसर पर की, नियुक्तियां महिला जनजागृति सशक्तिकरण, शिक्षा, संरक्षण, न्याय,समाज सेवा को बढ़ावा देते हुए, मानव जीवन की उत्कृष्टता के हितों में नियुक्तियों में विस्तार किया गया है, राजस्थान में (नारी शक्ति वंदन सम्मान, विंग), के पद पर नियुक्त किया गया है, संस्थापक अध्यक्ष सुश्री राजकन्या,मुख्य राष्ट्रीय अध्यक्ष राजरानी, महासचिव, डॉ. राकेश वशिष्ठ, सचिव उमा सोनी के निदेर्शानुसार, राष्ट्रीय संयोजक सन्तोष कुमार, की अनुशंसा से नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं " वूमेन पॉवर सोशलिटी फाऊंडेशन इंडिया " सभी नव नियुक्त पदाधिकारीयों के उज्जवल भविष्य एवं देश प्रेम, प्रतिष्ठा की कामना करते हुए, संगठन को आगे बढ़ाने, मजबूत करने, महिला युवा शक्ति को आगे बढ़ाने, महिला स्वावलंबन, को मजबूती प्रदान कर, समाज हित में सरल न्याय प्रणाली , मानव जीवन की उत्कृष्टता, कन्या शिक्षा, स्पेशल शिक्षा, पर्यावरण, खेल कूद, संरक्षण, मानवता सरोकार की भावना को आमजन में जनजागृति की अग्रिम प्रेरणा के हितों की कामना करती है।

एक नजर

फेनसिडिल तस्करी से नकली लॉटरी तक, सामशेरगंज पुलिस ने 24 घंटे में किए कई खुलासे

सुभाष शर्मा/पश्चिम बंगाल: जांगीपुर पुलिस ज़िले के तहत सामशेरगंज पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर-इन-चार्ज सुब्रत घोष के नेतृत्व में चलाए गए कई ऑपरेशन में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली। पिछले २४ घंटों में अलग-अलग छापों के दौरान भारी मात्रा में फेनसिडिल, नकली लॉटरी टिकट, एक हथियार और एक राउंड कारतूस जब्त किए गए। इसी दौरान, सामशेरगंज पुलिस ने अवैध शराब जब्त की और कई आरोपियों को गिरफ़्तार किया। इन ऑपरेशन्स से इलाके में आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ पुलिस का सख़्त रुख जाहिर होता है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आई सी सुब्रत घोष की योजना और देखरेख में नेशनल हाईवे १२ पर पिल्की मोड़ इलाके में पहली रेड की गई, जिसमें बांग्लादेश में तस्करी के लिए ले जाई जा रही फेन्सिडिल की लगभग २००० बोतलें जब्त की गईं। इस घटना के सिलसिले में अबू जार शेख नाम के एक युवक को गिरफ़्तार किया गया है। इसके बाद, धूलियान के कृष्णपुर इलाके में छापेमारी की गई, जिसमें अमीन अली के घर से लगभग ६५००० नकली लॉटरी टिकट जब्त किए गए। इस मामले में कुल चार लोगों को गिरफ़्तार किया गया है, जिनमें झारखंड के रहने वाले दो लोग भी शामिल हैं। जांच से पता चला कि नकली लॉटरी टिकट झारखंड की एक फैक्ट्री में गैर-कानूनी तरीके से बनाए जा रहे थे और लंबे समय से सामशेरगंज समेत कई इलाकों में सप्लाई किए जा रहे थे। पुलिस ने कहा कि जल्द ही उस फैक्ट्री पर भी छापेमारी की जाएगी।

गुम मोबाइल बरामदगी अभियान में पुलिस का बड़ा रिकॉर्ड, 161 खोए मोबाइल किए बरामद

इरशाद अहमद/उत्तर प्रदेश: संतकबीरनगर पुलिस ने गुमशुदा मोबाइल फोन बरामदगी अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 161 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के तहत उएक्क़ पोर्टल, सर्विलांस टीम, क्टएक ट्रैकिंग और तकनीकी विश्लेषण की मदद से यह सफलता मिली। पुलिस के अनुसार, बरामद मोबाइल दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, गुजरात, बिहार, राजस्थान समेत कई राज्यों से खोजे गए हैं। संबंधित राज्यों के माध्यम से इन मोबाइलों को उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किया जाएगा। लंबे समय बाद अपने मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने संतकबीरनगर पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

अभियान के दौरान महुली थाना ने सर्वाधिक 41 मोबाइल बरामद किए, जबकि बेलहरकला थाना ने 36 और दुधारा थाना ने 20 मोबाइल बरामद किए। इसके अलावा जिले के अन्य थानों तथा सर्विलांस टीम के संयुक्त प्रयास से यह उल्लेखनीय सफलता हासिल हुई। उत्कृष्ट कार्य के लिए पुलिस टीम को 25 हजार रुपये के नगद पुरस्कार की घोषणा भी की गई है। संतकबीरनगर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि उनका मोबाइल फोन गुम हो जाए तो तत्काल उएक्क़ पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे तकनीकी सहायता के माध्यम से मोबाइल की शीघ्र बरामदगी सुनिश्चित की जा सके।

ई-रिक्शा से बिहार ले जाई जा रही 10 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद, तस्कर गिरफ्तार

देवरिया, एजेंसी। जनपद में अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना श्रीरामपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ई-रिक्शा से 10 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब शुक्रवार को बरामद की है। पुलिस ने मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सुनील कुमार सिंह ने बताया कि थाना श्रीरामपुर पुलिस शुक्रवार को संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने बंकुल पुल के पास टोला अहिबरन राय के निकट एक ई-रिक्शा (बीआर 29 ईआर 5983) को रोक कर तलाशी ली।

ई-रिक्शा प्रतिबंध के फैसले का विरोध, चालक संघ ने प्रशासन से आदेश पर पुनर्विचार की मांग की

संजयसिंह चौहान

मध्य प्रदेश: असंगठित ई-रिक्शा चालक परिचालक संघ ने सड़क सुरक्षा समिति द्वारा शहर के कुछ मार्गों पर ई-रिक्शा और ऑटो रिक्शा के संचालन पर प्रतिबंध लगाने के निर्णय का विरोध किया है। संघ ने आरोप लगाया है कि सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में ई-रिक्शा चालक संघ और ऑटो रिक्शा यूनियन के प्रतिनिधियों को शामिल किए बिना एकतरफा निर्णय लिया गया, जो चालकों के हितों के खिलाफ है। संघ अध्यक्ष विजय जैन ने कहा कि ई-रिक्शा शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। बड़ी संख्या में गरीब और मध्यम वर्ग के लोग बैंक लोन लेकर या किराये पर ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। ऐसे में प्रतिबंधात्मक आदेशों से उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है।

उन्होंने कहा कि ई-रिक्शा परिवहन विभाग से आवश्यक शुल्क और मान्यता प्राप्त करने के

बाद ही संचालित किए जा रहे हैं। इसके बावजूद शहर के प्रमुख मार्गों पर संचालन रोकना उचित नहीं है। संघ का कहना है कि उज्जैन धार्मिक और पर्यटन नगरी है, जहां महाकाल मंदिर और महाकाल लोक में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। पर्यटकों को मंदिरों तक पहुंचाने में ई-रिक्शा चालक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संघ ने यह भी सवाल उठाया कि यदि शहर में जाम की समस्या है तो इसके लिए केवल ई-रिक्शा को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। संघ के अनुसार, बाहर से आने वाली कारों, बसों और अन्य बड़े वाहनों के कारण भी यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। इसके अलावा महाकाल मंदिर क्षेत्र में पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी जाम की स्थिति बनती है।

असंगठित ई-रिक्शा चालक परिचालक संघ ने बीजेपी भोपाल और पुलिस मुख्यालय को आवेदन देकर सड़क सुरक्षा समिति के निर्णय पर पुनर्विचार करने तथा ई-रिक्शा को शहर में स्वतंत्र रूप से संचालित करने की अनुमति देने की मांग की है। इस अवसर पर प्रेम नारायण शर्मा, मधुसूदन नागर, प्रकाश चौहान, राजू जैन, बंटी वर्मा, मुबारक खान, मो. रफीक, मो. कमरुद्दीन, अशोक गोमे सहित कई सदस्यों ने मांग का समर्थन किया। इसकी जानकारी भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध असंगठित ई-रिक्शा चालक परिचालक संघ के संयुक्त महामंत्री संजय सिंह चौहान ने दी।

परिवार परामर्श केंद्र में 5 बिछड़े परिवारों का हुआ पुनर्मिलन, 77 मामलों की हुई सुनवाई

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेश: संभल पुलिस अधीक्षक संभल श्री कृष्ण कुमार के निर्देशन में पुलिस लाइन स्थित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में काउंसलरों ने आपसी पारिवारिक विवादों से जुड़ी 77 पत्रावलियों की सुनवाई कर उनका परीक्षण किया। सुनवाई के दौरान 12 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया। वहीं काउंसलरों के प्रयासों से 5 परिवारों के बीच आपसी मतभेद समाप्त कर पुनर्मिलन कराया गया, जिससे परिवारों में फिर से खुशियां लौट आईं।

बैठक में काउंसलरों ने दोनों पक्षों को धैर्यपूर्वक सुना और आपसी संवाद, समझदारी तथा पारिवारिक मूल्यों के आधार पर विवादों का समाधान कराने का प्रयास किया। संभल पुलिस ने कहा कि परिवार परामर्श केंद्र का उद्देश्य न्यायालयी प्रक्रिया से पहले आपसी सहमति के आधार पर पारिवारिक विवादों का शांतिपूर्ण समाधान कर परिवारों को टूटने से बचाना है।

सेन समाज के युवा व महिला प्रकोष्ठ का गठन, संगठन विस्तार को मिली रफ्तार

डाकाटर कुमार सेन

छत्तिसगढ़: ड्योढ़ीपार देशहा सेन समाज के युवा प्रकोष्ठ द्वारा संचालित ह्लयुवा जागरण एवं संगठन विस्तार अभियानह्व के अंतर्गत सिरपुर महासभा की इकाई झलप परिक्षेत्र एवं अरंड परिक्षेत्र की संयुक्त बैठक ग्राम लखनपुर में संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य समाज के युवाओं एवं महिलाओं को संगठन से जोड़ते हुए संगठनात्मक विस्तार को गति प्रदान करना तथा सामाजिक एकता को सुदृढ़ बनाना था। बैठक में सर्वसम्मति से झलप परिक्षेत्र युवा प्रकोष्ठ का गठन किया गया, जिसमें लोकनाथ सेन (बरेकेल) को अध्यक्ष, कार्तिक सेन (झलप) एवं दुष्यंत सेन (लखनपुर) को उपाध्यक्ष तथा प्रीतम सेन को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसी प्रकार

अरंड परिक्षेत्र युवा प्रकोष्ठ के गठन में रोहित सेन (भरवामुड़ा) को अध्यक्ष, तुलेश्वर सेन (रंगोरा) को उपाध्यक्ष, संतोष सेन (कुम्हारीमुड़ा) को सचिव तथा युवराज सेन को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

महिलाओं की संगठनात्मक भागीदारी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से अरंड परिक्षेत्र महिला प्रकोष्ठ का भी गठन किया गया, जिसमें श्रीमती हिना सेन को अध्यक्ष एवं श्रीमती त्रिवेणी सेन को सचिव के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया। इस अवसर पर युवा प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष श्री भूपेंद्र सेन एवं प्रदेश सचिव श्री वीरेंद्र सेन की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में झलप परिक्षेत्र के अध्यक्ष श्री नरेंद्र कौशिक, पंच श्री चंदूलाल सेन, पंच श्री अश्वनी सेन, वरिष्ठ समाजसेवी श्री चैतराम सेन, समाजसेवी श्री ईश्वर सेन तथा झलप परिक्षेत्र के मूल प्रकोष्ठ के समस्त पदाधिकारियों ने नवगठित पदाधिकारियों को अपना आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। युवा साथियों में राहुल सेन, यशवंत सेन, सोनू सेन, सूरज सेन सहित अनेक युवाओं की सक्रिय सहभागिता रही।

इसी प्रकार अरंड परिक्षेत्र से संरक्षक श्री दौलत सेन, अध्यक्ष श्री शेषनारायण सेन, सचिव श्री घनश्याम सेन, पंच श्री ठाकुर राम, श्री नागेश्वर सेन, समाजसेवी श्री लोकेश्वर सेन तथा युवा साथी देवव्रत, मुकेश, झम्मन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। सभी ने नवगठित युवा एवं महिला प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि समाज की उन्नति में युवाओं और महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। युवा जागरण एवं संगठन विस्तार अभियान के माध्यम से समाज के प्रत्येक गांव एवं परिक्षेत्र तक पहुंच बनाकर नई पीढ़ी को संगठन से जोड़ा जाएगा तथा सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को गति प्रदान की जाएगी। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई तथा उपस्थित सभी समाजजनों ने संगठन की मजबूती एवं समाजहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पीएम-उदय योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केन्द्र से 100 करोड़ रुपये देने का अनुरोध किया

1,511 अनधिकृत कॉलोनियों में संपत्ति अधिकार प्रक्रिया को गति देने के लिए तैयार होगा आधुनिक सर्वे और सत्यापन तंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर दिल्ली में संशोधित पीएम-उदय (प्रधानमंत्री अनधिकृत कॉलोनियों के विकास एवं उत्थान योजना) के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केन्द्र सरकार से प्रथम चरण में 100 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने यह राशि आधुनिक भू-सर्वे एवं मैपिंग प्रणाली डीआरआईएसएचटीआई की स्थापना, जिला स्तर पर पीएम-उदय प्रकोष्ठों के गठन तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 6 अप्रैल 2026 को अधिसूचित संशोधित विनियमों के तहत अनधिकृत कॉलोनियों में निवासियों

के संपत्ति अधिकारों की प्रक्रिया को नया कानूनी आधार मिला है। इसके साथ ही 'जैसी स्थिति है, उसी आधार पर' अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की व्यवस्था लागू होने से लाखों लोगों को संपत्ति अधिकार प्राप्त करने की प्रक्रिया और अधिक सरल एवं प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को पीएम-उदय योजना के क्रियान्वयन की नोडल एजेंसी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि नई जिम्मेदारियों के तहत राजस्व विभाग को दिल्ली के सभी 13 जिलों में पीएम-उदय प्रकोष्ठ स्थापित करने होंगे, जिनका नेतृत्व एडीएम करेंगे। इसके अलावा दिल्ली की 1,511 अनधिकृत कॉलोनियों में संपत्तियों का भौतिक सत्यापन, आधुनिक तकनीक के माध्यम से डिजिटल मैपिंग तथा भू-अभिलेखों को अप-टू-डेट करने का व्यापक कार्य किया जाएगा। इन सभी कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए वर्ष 2026-27 में प्रथम चरण के रूप में 100 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई है। मुख्यमंत्री ने पत्र में प्रस्तावित व्यय का विस्तृत विवरण भी दिया है। इसके अनुसार 65 करोड़ रुपये डीआरआईएसएचटीआई पहल के तहत आधुनिक भू-सर्वे एवं मैपिंग प्रणाली विकसित करने पर खर्च किए जाएंगे। इससे संपत्तियों के सत्यापन और भूमि अभिलेखों के आधुनिकीकरण की पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सटीक और तकनीक आधारित बन सकेगी। इसके अतिरिक्त 25 करोड़ रुपये से दिल्ली के 13 जिलों तथा मुख्यालय में पीएम-उदय प्रकोष्ठ स्थापित किए जाएंगे। इन प्रकोष्ठों के बिना निर्धारित 45 दिनों की समय-सीमा में संपत्ति संबंधी दस्तावेज और प्राधिकरण पत्र जारी करना संभव नहीं होगा। प्रस्तावित पैकेज में 10 करोड़ रुपये जनजागरूकता एवं प्रचार-प्रसार के लिए भी रखे गए हैं। इस राशि से रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) के साथ कार्यशालाएं, हेल्पडेस्क, मानक प्रक्रिया (एसओपी) की जानकारी, एडीएम की भूमिका, पात्रता संबंधी महत्वपूर्ण तिथियों की जानकारी तथा सिंगल विंडो शिविरों के माध्यम से लोगों तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने पत्र में अनुरोध किया है कि शहरी विकास कोष (यूडीएफ) से प्रथम चरण के लिए 100 करोड़ रुपये के इस पैकेज को स्वीकृति प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक संस्थागत ढांचा पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है और कार्य प्रारंभ हो चुका है। ऐसे में केन्द्र सरकार से समय पर वित्तीय सहायता मिलने से दिल्ली के लाखों निवासियों को संपत्ति अधिकारों से जुड़े लाभ शीघ्र और सुगमता से उपलब्ध कराए जा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने पीएम-उदय योजना के सफल क्रियान्वयन में केन्द्र सरकार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए इस प्रस्ताव पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय और आवश्यक स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया है।

सीयूईटी मेरिट से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी स्थित गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय ने साझा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के अंकों के आधार पर विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। विश्वविद्यालय ने कुल 22 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई रात्रि 11:59 बजे निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय के अनुसार प्रबंधन, संगणक अनुप्रयोग, जनसंचार, विधि, शिक्षा, अभियांत्रिकी, अर्थशास्त्र, पर्यावरण प्रबंधन, योग, जैव प्रौद्योगिकी तथा विज्ञान से जुड़े अनेक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में साझा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर प्रवेश दिए जाएंगे। इसके साथ ही शिक्षा स्नातक तथा विशेष शिक्षा स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए भी आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अभ्यर्थियों को अलग-अलग पंजीकरण करना होगा। प्रत्येक आवेदन के लिए 2500 रुपये का पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है, जो किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। एक अभ्यर्थी पात्रता के अनुसार एक से अधिक पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग शुल्क जमा कर आवेदन कर सकता है। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि आवेदन पत्र भरने से पहले संबंधित पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित विषयगत पात्रता तथा साझा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा में आवश्यक विषयों की जानकारी प्रवेश पुस्तिका के पात्रता एवं प्रवेश मानदंड अध्याय से अवश्य प्राप्त कर लें।

पात्रता संबंधी नियमों का पालन न करने पर आवेदन निरस्त किया जा सकता है। विश्वविद्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन अभ्यर्थियों को पहले ही राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा अथवा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किसी पाठ्यक्रम या महाविद्यालय में सीट आवंटित हो चुकी है और जिनकी प्रवेश स्थिति "प्रवेशित" है, उन्हें साझा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर किसी अन्य पाठ्यक्रम में पुनः सीट आवंटित नहीं की जाएगी। साझा विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया राष्ट्रीय स्तर की संबंधित प्रवेश परीक्षाओं तथा विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षाओं की मेरिट सूची पूरी होने के बाद संचालित की जाएगी। इसके बाद रिक्त सीटों पर पात्र अभ्यर्थियों को मेरिट के अनुसार प्रवेश दिया जाएगा। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज, पंजीकरण तथा अन्य अद्यतन सूचनाओं के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक प्रवेश वेबसाइटों और प्रवेश पुस्तिका का नियमित रूप से अवलोकन करते रहें, ताकि किसी महत्वपूर्ण सूचना से वंचित न रहें।

केजरीवाल का सुन्दरकांड आयोजन राजनीतिक दिखावा : हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर सुन्दरकांड पाठ के आयोजन को लेकर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह आयोजन धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि राजनीतिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास है। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल समय-समय पर सुन्दरकांड पाठ का आयोजन कर अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने का प्रयास करते हैं। उनका कहना था कि राम

मंदिर और सुन्दरकांड पाठ को लेकर अपनाई जा रही यह रणनीति आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। उन्होंने दावा किया कि 2024 में राम मंदिर निर्माण के बाद तत्कालीन दिल्ली सरकार ने सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में साप्ताहिक सुन्दरकांड पाठ कराने की घोषणा की थी, लेकिन कुछ आयोजनों के बाद यह अभियान आगे नहीं बढ़ाया गया। साथ ही, 2600 स्थानों पर सुन्दरकांड पाठ कराने की घोषणा भी पूरी नहीं हुई। हर्ष मल्होत्रा ने अरविंद केजरीवाल से पूछा कि 2024 में घोषित सुन्दरकांड पाठ की श्रृंखला बीच में क्यों बंद कर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि धार्मिक आयोजनों का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए करना आस्था का सम्मान नहीं, बल्कि उसका दुरुपयोग है।

मासूम का अनाथ होना सबसे बड़ी त्रासदी: कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। साकेत जिला अदालत ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के दोषी सुभाष बेरा को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनुज अग्रवाल की अदालत ने सजा सुनाते हुए भावुक टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि कोर्टरूम में सबसे प्रभावशाली दलील किसी भी पक्ष के शब्दों या तर्कों से नहीं, बल्कि उस छह साल की मासूम बच्ची की खामोशी ने दी है। बच्ची यह जानते हुए खड़ी है कि उसकी मां अब इस दुनिया में नहीं रही और पिता जेल जा रहा है। किसी बच्चे के लिए इससे बड़ी त्रासदी और क्या हो सकती है कि वह नाम के अलावा हर मायने में पूरी तरह से अनाथ हो जाए। कोर्ट ने मासूम के पुनर्वास व मुआवजे के लिए दक्षिण-पूर्वी दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। मामला नवंबर 2022 में ग्रेटर कैलाश थाना क्षेत्र का है। रोजगार के लिए सुभाष पत्नी पल्लवी बेरा और दो साल की बेटी के साथ दिल्ली आया था। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि सुभाष को पत्नी के चरित्र पर शक था। वारदात से एक दिन पहले उसने पत्नी को जान से मारने की धमकी दी थी। वारदात की रात भी दोनों में झगड़ा हुआ था। 13 नवंबर की देर रात सुभाष ने ग्रेटर कैलाश-1 स्थित जमरूदपुर के मकान में पल्लवी की गला घोंटकर हत्या कर दी। तड़के वह दो साल की बच्ची को लेकर कमरे में ताला लगाकर भाग निकला। फिर ग्रेटर कैलाश थाने पहुंचकर पुलिस के सामने कबूल किया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है और उसकी लाश घर पर पड़ी है।

केंद्र सरकार ने दिल्ली की 28 आधारभूत ढांचा परियोजनाओं के लिए 1,647 करोड़ किए स्वीकृत

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना के तहत दिल्ली सरकार की 28 महत्वपूर्ण पूंजीगत परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं की कुल लागत 1,647 करोड़ रुपये है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार द्वारा अपने संसाधनों से पूंजीगत निवेश (कैपेक्स) बढ़ाने के प्रयासों को देखते हुए केंद्र सरकार ने 756 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन (इंसेंटिव) भी स्वीकृत किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की तरफ से रविवार को जारी की गई जानकारी के मुताबिक एसएएससीआई योजना के तहत जिन परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, उनमें दिल्ली मेट्रो से जुड़ी परियोजनाएं, एलिवेटेड बारापुला कॉरिडोर, करावल नगर फ्लाईओवर, डीटीसी डिपो में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए चार्जिंग स्टेशन और सड़कों से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजनाएं शामिल हैं। इन

परियोजनाओं के पूरा होने से परिवहन और सड़क अवसंरचना को मजबूती मिलेगी और सार्वजनिक सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसएएससीआई केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, जिसके तहत राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को आधारभूत संरचना परियोजनाओं के लिए ब्याज-मुक्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। यह योजना केवल वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्यों में रणनीतिक सुधारों को बढ़ावा देने और पूंजीगत निवेश बढ़ाने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन भी प्रदान करती है। यही कारण है कि यह योजना राज्यों में आधारभूत ढांचे के विकास को गति देने का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने शुरू से ही इस योजना को प्राथमिकता दी और केंद्र सरकार से लगातार आग्रह किया कि दिल्ली की आधारभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं को भी एसएएससीआई योजना के तहत स्वीकृति प्रदान की जाए। इनके परिणामस्वरूप 9 जुलाई को दिल्ली सरकार की सभी 28 परियोजनाओं को मंजूरी मिल गई।

यह स्वीकृति इस बात का प्रमाण है कि केंद्र सरकार को दिल्ली सरकार की सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता, वित्तीय अनुशासन और विकास परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने की क्षमता पर पूरा विश्वास है। वहीं, दिल्ली द्वारा अपने स्वयं के संसाधनों से पूंजीगत निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि करने के कारण केंद्र सरकार ने 756 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी प्रदान किया है, जो दिल्ली सरकार के विकासोन्मुखी प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल के दौरान सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के जंतर-मंतर पर जारी आंदोलन के दौरान शिक्षाविद् एवं जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति में गिरावट दर्ज की गई है। चिकित्सकों के अनुसार अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के 15वें दिन उनका रक्तचाप घटकर 104/66 मिलीमीटर पारा रह गया है, जबकि अब तक उनका लगभग 7.8 किलोग्राम वजन कम हो चुका है। आंदोलनकारियों के अनुसार जंतर-मंतर पर चल रहा धरना 23वें दिन में पहुंच गया है। सोनम वांगचुक 28 जून से इस आंदोलन में शामिल हैं और तभी से लगातार भूख हड़ताल पर हैं। आंदोलन स्थल पर विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और बौद्धिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के पहुंचने का क्रम भी जारी है। आयोजकों के कार्यक्रम के अनुसार दिन का समापन अर्थशास्त्री जयती घोष के सार्वजनिक व्याख्यान के साथ होगा, जिसमें बेरोजगारी और उसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा अन्य छात्र संगठनों से जुड़े कुछ कार्यकर्ता भी अलग मंच पर अपनी भूख हड़ताल जारी रखे हुए हैं।

शनिवार को सोनम वांगचुक ने लोगों से स्वयं आगे आकर नागरिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोगों को किसी एक व्यक्ति में नायक तलाशने के बजाय अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होना चाहिए। साथ ही उन्होंने 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च में अधिक से अधिक लोगों से शामिल होने की अपील की। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे संगठन की ओर से परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के मुद्दे पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे तथा प्रभावित छात्रों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये मुआवजा दिए जाने की मांग की जा रही है।

पेंशन फाइटर्स ने अनिल कुमार शर्मा का किया सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली पेंशन फाइटर्स के अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा और महामंत्री सैयद खालिद अकबर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आर.के. पुरम के विधायक अनिल कुमार शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें दिल्ली सरकार का आधिकारिक प्रवक्ता नियुक्त किए जाने पर पुष्पगुच्छ, शॉल और मिठाई भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर पेंशन फाइटर्स ने अनिल कुमार शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने 22,000 से अधिक पूर्ववर्ती डीवीबी पेंशनर्स, पारिवारिक पेंशनर्स तथा कार्यरत कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए संगठन के मुख्य संरक्षक का दायित्व स्वीकार किया है। अनिल कुमार शर्मा ने संगठन के विश्वास के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि वह मुख्य संरक्षक के रूप में पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशनर्स के सभी वैध एवं न्यायोचित अधिकारों के लिए निरंतर सहयोग करते रहेंगे। वीरेंद्र शर्मा ने कहा कि अनिल कुमार शर्मा का मुख्य संरक्षक का दायित्व स्वीकार करना पेंशनर्स के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि कैशलेस चिकित्सा सुविधा की पुनर्स्थापना और उसके प्रभावी क्रियान्वयन में भी उनका सहयोग और मार्गदर्शन सराहनीय रहा है। साथ ही विश्वास जताया कि उनके संरक्षण में संगठन पेंशनर्स की लंबित मांगों के समाधान के लिए और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करेगा।

हर जिम्मेदार नागरिक के आचरण से शुरू होता है राष्ट्र निर्माण : आशीष सूद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जनकपुरी स्थित सेंट मार्क्स स्कूल में युवा फॉर गवर्नेंस -अनप्लग्ड कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों विद्यार्थियों, युवा पेशेवरों और भावी नेतृत्वकताओं ने क्या भारत अपनी युवा शक्ति का पूर्ण उपयोग कर रहा है या युवा संकट का सामना कर रहा है? विषय पर सार्थक संवाद किया। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ जिप इलेक्ट्रिक के सह-संस्थापक आकाश गुप्ता तथा जीओएटी लाइफ के संस्थापक यश कालरा भी उपस्थित रहे। इस संवाद कार्यक्रम में सुशासन, उद्यमिता, शिक्षा और सार्वजनिक नीति के विभिन्न आयामों पर चर्चा हुई तथा इस बात पर बल दिया गया कि सहयोगात्मक नेतृत्व के माध्यम से भारत अपनी जनसांख्यिकीय क्षमता का सर्वोत्तम उपयोग कर सकता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी

शक्ति केवल उसकी युवा आबादी नहीं, बल्कि युवाओं को सुशासन का सक्रिय भागीदार बनाने की क्षमता है। उन्होंने आगे कहा की सरकार कुछ लोगों से बनती है, लेकिन सुशासन पूरे समाज से बनता है। विकसित भारत का निर्माण केवल सरकारें नहीं कर सकतीं, इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। सहभागी सुशासन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए सूद ने कहा कि सुशासन केवल सरकारी कार्यालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक के दैनिक व्यवहार में दिखाई देता है।

एक नजर

दोस्त को बचाने पहुंचे युवक पर हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। डाबड़ी इलाके में झगड़े के दौरान अपने दोस्त को बचाने पहुंचे एक युवक पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी धमकी देकर फरार हो गए। डाबरी थाना पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायल युवक को इलाज के लिए इंदिरा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल 24 वर्षीय रोशन कुमार झा दिचाऊं एन्क्लेव इलाके में रहता और मैकेनिक है। 9 जुलाई की रात रोशन अपने दोस्त विशाल के घर सीतापुरी गया था। रात 11 बजे के करीब विशाल उर्फ पनवाड़ी अपने भाई अभिषेक के साथ वहां पहुंचा। दोनों विशाल को बात करने के बहाने अपने साथ एक चौराहे की तरफ ले गए और उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। जब रोशन अपने दोस्त को बचाने के लिए पहुंचा तो आरोपियों ने उसको भी पीटा।मारपीट के दौरान अभिषेक ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे रोशन गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

आनंद विहार-नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों पर चलाया गया टिकट चेकिंग अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर रेलवे का दिल्ली मंडल बिना टिकट यात्रा और ट्रेनों में अनाधिकृत प्रवेश को रोकने के प्रयासों के तहत नियमित रूप से टिकट चेकिंग अभियान चलाता है। इन अभियानों के परिणामस्वरूप कई लोगों को बिना टिकट पकड़ा गया और जुमार्ना वसूला गया है। ये अभियान इस उद्देश्य से चलाए जाते हैं कि यात्री वैध टिकट के साथ यात्रा करें और ट्रेनों में अनाधिकृत प्रवेश को रोका जा सके। बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्री न केवल रेलवे के राजस्व को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि वैध टिकट के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों के अधिकारों का भी उल्लंघन करते हैं।

दिल्ली मंडल ने बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों का पता लगाने और उन पर जुमार्ना लगाने के लिए 11 जुलाई 2026 को आनंद विहार टर्मिनल एवं नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों पर एक टिकट चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान बिना टिकट एवं अनियमित टिकट यात्रा करने वाले कुल 111 मामले पकड़े गए और 1,11,700 रुपये का रेलवे राजस्व वसूला गया। उत्तर रेलवे का दिल्ली मंडल बिना टिकट यात्रियों और टिकट वाले क्षेत्रों में अनाधिकृत व्यक्तियों पर रोक लगाने के लिए विभिन्न टिकट चेकिंग अभियान चला रहा है।

आईपीयू में पीजी कोर्स के लिए 20 तक आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सीयूईटी (कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) स्कोर के आधार पर 22 पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) प्रोग्राम्स में दाखिला प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत एमबीए, एमसीए, एलएलएम, बीएड, एमए (अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, मास कम्युनिकेशन्स) और विभिन्न एमटेक व एमएससी कोर्स में प्रवेश का मौका मिलेगा। विश्वविद्यालय के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 जुलाई है। इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइटों पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। प्रत्येक कोर्स के लिए नॉन-रिफंडेबल आवेदन शुल्क 2500 रुपये है। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक, सीयूईटी मेरिट के आधार पर दाखिले तभी किए जाएंगे जब विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मुख्य राष्ट्रीय स्तरीय परीक्षाओं या कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) की मेरिट सूची पूरी हो जाएगी और सीटें रिक्त रहेंगी।

दशकों पुराने छात्र सत्यवती कॉलेज पहुंच कर साझा की यादें

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू के सत्यवती कॉलेज में आयोजित पूर्व छात्रों के सम्मेलन में पांच दशक पुराने छात्र भी यहां पहुंचे और अपने कॉलेज अन्य छात्रों से मिलकर अपनी यादें साझा की। सत्यवती कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो.सुभाष कुमार सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में 1980 के दशक से लेकर 2024 तक के विभिन्न बैच से चार सौ से अधिक पूर्व छात्रों ने शिरकत की। साथ ही सेवानिवृत्त शिक्षकगण, वरिष्ठ प्रोफेसर एवं वर्तमान प्राध्यापक और कर्मचारी भी इस महत्वपूर्ण आयोजन का हिस्सा बने। यह कार्यक्रम हाल के वर्षों में कॉलेज द्वारा आयोजित सबसे बड़े आयोजन में से एक रहा। सेवानिवृत्त शिक्षकगण, प्रोफेसर और कर्मचारी वर्तमान प्रबंधन समिति के साथ उपस्थित रहे, जिसने इस अवसर को कॉलेज के अतीत और वर्तमान के बीच निरंतरता का एक आत्मीय एहसास प्रदान किया। प्रबंधन समिति ने पंजीकरण, बैठक व्यवस्था और आतिथ्य का कुशलतापूर्वक समन्वय किया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि इतनी बड़ी उपस्थिति बिना किसी व्यवधान, किसी समस्या के सुखद रूप से सम्पन्न हो।

हिट एंड रन मामले में दोषी की सजा बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। पटियाला हाउस कोर्ट ने वर्ष 2016 में कनॉट प्लेस में हिट एवं रन मामले में दोषी ठहराए गए व्यक्ति की दो साल की सजा को बरकरार रखा है। अदालत ने कहा कि हादसे के बाद मौके से भागना गंभीर अपराध है और कानून इसकी अनुमति नहीं देता। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शेफाली बरनाला टंडन की अदालत ने आरोपी रोहित कुमार की अपील पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। आरोपी को निचली अदालत ने फरवरी 2025 में लापरवाही से वाहन चलाने और लापरवाही से मौत का कारण बनने के आरोप में दोषी ठहराया था। अभियोजन के अनुसार, यह मामला सात जुलाई 2016 का है। आरोपी की कार ने कनॉट प्लेस के आउटर सर्कल में पहले एक अन्य कार को टक्कर मारी और फिर एक पैदल चल रहे व्यक्ति कुंदन को कुचल दिया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण बाद में उसकी मौत हो गई थी। हादसे के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ऐसे मामलों में चालक का व्यवहार सजा तय करने में महत्वपूर्ण होता है। मोटर वाहन कानून के तहत चालक का कर्तव्य है कि वह तुरंत रुके और घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने की कोशिश करे, लेकिन इस मामले में आरोपी ऐसा करने के बजाय भाग गया। अदालत ने आरोपी की सजा में नरमी की मांग भी खारिज कर दी। साथ ही लापरवाही से वाहन चलाने के मामले में तीन महीने की सजा और एक हजार रुपये का जुमार्ने के आदेश को भी कायम रखा है।

नंद नगरी में दूषित पेयजल आपूर्ति पर प्रदर्शन की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। नंद नगरी निवासी कल्याण संघ के अध्यक्ष ब्रह्म ढिकिया ने आरोप लगाया है कि मानसून शुरू होने के बाद से क्षेत्र में जल बोर्ड की ओर से बदबूदार और दूषित पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के अनेक लोग हैजा और आंत्र संक्रमण जैसी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। ब्रह्म ढिकिया ने बताया कि स्थानीय निवासियों और निवासी कल्याण संघ ने इस संबंध में जल बोर्ड के अधिकारियों से शिकायत भी की, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं किया गया। उनका कहना है कि लगातार दूषित पानी मिलने से लोगों में भारी नाराजगी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की गई तो जल बोर्ड कार्यालय के बाहर विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस आंदोलन को नंद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का भी समर्थन प्राप्त है। नंद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कर्ण ढिकिया ने कहा कि प्रदर्शन में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय निवासी शामिल होकर स्वच्छ पेयजल की मांग उठाएंगे।

डिलीवरी बॉय से 94 हजार के 4 लैपटॉप की ठगी, व्हाट्सऐप पर दिया था ऑर्डर

शुभी शिखा नयाल

दिल्ली: राजधानी दिल्ली के नॉर्थ एवेन्यू स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल परिसर में ठगी की एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहाँ दो शातिर ठगों ने एक डिलीवरी बॉय को काफी चालाकी से अपने झांसे में लेकर उससे करीब ?94 हजार कीमत के चार रिफर्बिश्ड लैपटॉप लेकर फरार हो गए।

व्हाट्सऐप पर मिला था चार लैपटॉप का ऑर्डर

पुलिस प्रशासन के अनुसार सरिता विहार के रहने वाले 27 वर्षीय प्रदीप कुमार ग्रेटर नोएडा की एक कंपनी में काम करते हैं, जो रिफर्बिश्ड लैपटॉप की बिक्री करती है। बताया जा रहा यहीं की 5 जुलाई को कंपनी के आधिकारिक व्हाट्सऐप नंबर पर एक अज्ञात व्यक्ति ने चार लैपटॉप खरीदने का ऑर्डर दिया था, जिसकी कीमत ?94 हजार तय हुई, जिसमें दो डेल और दो लेनोवो कंपनी के लैपटॉप शामिल थे। शुरूआती जांच में सामने आया हैं की 8 जुलाई की शाम को प्रदीप लैपटॉप लेकर काली बाड़ी मार्ग पहुंचा था, जिसके बाद ग्राहक ने फोन कर के उसे RML अस्पताल के गेट नंबर-6 के पास बुलाया। वहां पहुंचने पर एक युवक उन्हें अस्पताल में स्थित स्टाफ कैंटीन के सामने ले गया, जहां उसका दूसरा साथी पहले से ही मौजूद था। दोनों ने ग्राहक की तरह व्यवहार करते हुए लैपटॉपदिखने को कहा था।

पैसे दिलाने के बहाने रची गई पूरी साजिश

जानकारी के मुताबिक दूसरे आरोपी ने लैपटॉप की जांच शुरू कर दी हैं, जबकि पहले आरोपी ने प्रदीप से कहा की भुगतान पास की दुकान से लेना है। उसने प्रदीप को अपनी नीले रंग की स्कूटी पर बैठा लिया। आरोपियों ने स्कूटी की आगे की नंबर प्लेट लाल रंग के कपड़े से ढक रखी थी, ताकि उसकी पहचान न हो सके। कुछ दूरी तक जाने के बाद आरोपी ने प्रदीप से कहा की आगे ट्रैफिक पुलिस की चेकिंग चल रही है, इसलिए वह यहीं उतर जाएगा। उसने भरोसा दिलाया की थोड़ी दूर आगे जाकर वह फिर से उन्हें साथ ले लेगा, लेकिन जैसे ही प्रदीप स्कूटी से उतरा आरोपी तेज रफ्तार से वहां से भाग निकला।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच हुई तेज

बताया जा रहा हैं की घटना का एहसास होने पर प्रदीप तुरंत ऑटो से वापस अस्पताल पहुंची, लेकिन वहां दूसरा आरोपी भी चारों लैपटॉप के साथ गायब था। इसके बाद उसने तुरंत पुलिस को मामले की सूचना दी और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। शुरूआती जांच से यह आशंका जताई जा रही है की आरोपियों ने पूरी वारदात को अंजाम देने का प्लान पहले से ही बना रखा था। पुलिस का कहना है की जल्द ही दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

डीएम ने गो-आश्रय स्थल शिवापार का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेशः डीएम ने विकासखंड बघौली अंतर्गत गो-आश्रय स्थल शिवापार का किया स्थलीय निरीक्षण, गोवंशों के भूसा, चारा, पानी सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी व संबंधित खंड विकास अधिकारी को गो-आश्रय स्थलों का रूटीन निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया गया।

संत कबीर नगर 10 जुलाई (सूचना विभाग)। जिलाधिकारी आलोक कुमार द्वारा आज बघौली विकासखंड के गो-आश्रय स्थल शिवापार का स्थलीय निरीक्षण कर गोवंशों के संरक्षण व गौशालाओं के सुचारू संचालन के संबंध में विभिन्न बिंदुओं का जायजा लिया गया। गो-आश्रय स्थल शिवापार का निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गोशाला में 68 गोवंश संरक्षित है। मौके पर 25 कुंतल भूसा व चोकर उपलब्ध पाया गया, साइलेज उपलब्ध नहीं था। मौके पर पाया गया कि पशुओं हेतु हरे चारे की बुवाई की गई है। बताया गया कि दो केयरटेकर रात में गोवंशों की देखरेख के लिए रहते हैं।

जिलाधिकारी द्वारा टीन शेड टूटा हुआ पाए जाने पर खंड विकास अधिकारी बघौली को उसे बदलवाने के लिए निर्देशित किया गया। गो-आश्रय स्थल में आरआरसी सेंटर बनाए जाने पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को इसका औचित्य परीक्षण कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। गो-आश्रय स्थल में खड़ंजा लगाने के लिए जिलाधिकारी द्वारा खंड विकास अधिकारी बघौली को निर्देशित किया गया।

इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी बघौली अर्जित प्रकाश, ओएसडी राकेश कुमार सहित संबंधित आदि उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव पर राजभर का तंज, जब 900 गुना संपत्ति बढ़ी तो कार्यकताओं से वसूली क्यों?

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री व सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर इन दिनों समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर लगातार हमलावर हैं। वह आए दिन सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अखिलेश यादव पर सवाल खड़े कर रहे हैं। शुक्रवार को ओमप्रकाश राजभर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अखिलेश यादव पर अपने मिलने वालों से पैसा वसूली का आरोप लगाया है। ओमप्रकाश राजभर ने लिखामित्र अखिलेश, आपके कुछ कार्यकर्ता अपने किसी काम से हमारे पास आए। जाति से आपके वाले ही हैं। आपसे बहुत प्रभावित भी हैं। कहते हैं बस भैया की सरकार आ जाये तो आ हा हा, मौज आ जाएगी। बस उन्होंने हमसे आपकी एक शिकायत की। ये शिकायत वो आपके यहां कर नहीं सकते तो बात बात में मुझसे बताने लगे। मैंने सोचा आप

मित्र हैं तो आपको बता देनी चाहिए। आपके यादव कार्यकर्ता मुझसे कहने लगे कि भैया से मिलने जाने पर उनके घेरे के लोग हमसे वसूली करते हैं। कहते हैं कि भैया से फोटो खिंचवाने का 5000, हाथ मिलवाने का 8000-10,000 तक और मिलवाने का तो हिसाब किताब ही नहीं है। समझ नहीं आ रहा आपकी संपत्ति में 900 गुना की बढ़ोत्तरी हुई फिर एक्स्ट्रा इनकम का जुगाड़ क्यों?ओमप्रकाश राजभर ने आगे लिखा धरतीपुत्र के पुत्र यानी आपको ऐसी क्या जरूरत पड़ गई कि अपने धरती पर काम करने वाले कार्यकताओं से वसूली कर रहे हैं।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हत्या के प्रयास के मामले में फरार आरोपी हुआ गिरफ्तार

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेशः पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर श्री संदीप कुमार मीना के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना दुधारा पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर श्री सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद श्री प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष दुधारा श्री अमित कुशवाहा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए वांछित अभियुक्त प्रभुनाथ पुत्र भुईधर निवासी सालेहपुर, थाना दुधारा, जनपद संतकबीरनगर को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध थाना दुधारा में मुकदमा संख्या 256/2026 धारा 191(2), 115(2), 110, 352, 109, 117(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज था। आरोपी को पुलिस टीम ने 10 जुलाई 2026 को पिपराकला स्कूल के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को माननीय न्यायालय भेज दिया गया। मामले के संबंध में पुलिस ने बताया कि 16 जून 2026 को सालेहपुर (कंचन पुरवा) निवासी महोन पुत्र बदल ने थाना दुधारा में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि पुरानी पट्टीदारी की रंजिश को लेकर आरोपी प्रभुनाथ और उसके साथियों ने योजनाबद्ध तरीके से हमला किया था।

शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से अचानक हमला किया। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट की गई, जिसमें वादी की पत्नी श्याम दुलारी को गंभीर चोटें आई थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने बताया कि घटना में शामिल अन्य आरोपियों के संबंध में भी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। थाना दुधारा पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, कांस्टेबल अमन मिश्रा और कांस्टेबल दीपनारायण शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एक नजर

ऑडिटोरियम निर्माण में धीमी प्रगति पर मंडलायुक्त ने जताई नाराजगी

गोरखपुर, एजेंसी। मंडलायुक्त अनिल ढींगरा एवं डीआईजी एस. चेनप्पा ने गुरुवार को महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, भटहट में निमार्णाधीन ऑडिटोरियम का निरीक्षण किया। 1000 व्यक्तियों की क्षमता वाले इस ऑडिटोरियम के निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई और कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग (भवन) को निर्माण कार्य में तेजी लाकर इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने 11 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भटहट-बांसस्थान फोरलेन मार्ग के लोकार्पण कार्यक्रम के मद्देनजर कार्यक्रम स्थल का भी जायजा लिया। वहां चल रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने निर्देश दिया कि जनसभा स्थल पर मौसम को देखते हुए आवागमन, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पार्किंग स्थल पर सुगम आवागमन की व्यवस्था करने, कार्यक्रम स्थल पर मोबाइल टॉयलेट, चिकित्सकों की उपलब्धता और पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। वहीं डीआईजी एस. चेनप्पा ने पुलिस अधिकारियों को कार्यक्रम के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए।

अज्ञात व्यक्ति ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किया, नई प्रतिमा लगाई गई

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में थाना कपसेठी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कुरु में पॉलिटेक्निक के पास लगी भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को किसी अज्ञात व्यक्ति ने क्षतिग्रस्त कर दिया। शुक्रवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही थाना कपसेठी पुलिस मय पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंची। इसके उपरांत सहायक पुलिस आयुक्त राजातालाब एवं उप जिलाधिकारी पिण्डरा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। सहायक पुलिस आयुक्त राजातालाब अजय श्रीवास्तव ने बताया कि ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों के सहयोग से डॉ भीमराव अंबेडकर की क्षतिग्रस्त प्रतिमा के स्थान पर नई प्रतिमा स्थापित कराई दी गई है। घटना के संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। अज्ञात अभियुक्त की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है। साक्ष्य संकलन सहित अन्य आवश्यक कार्रवाई भी की जा रही है।

उत्तर प्रदेश साहित्य सभा की देवरिया जिला इकाई का गठन,डॉ. आशुतोष त्रिपाठी अध्यक्ष बने

देवरिया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश साहित्य सभा (पंजीकृत) की जनपद देवरिया इकाई का गठन कर दिया गया है। संस्था के प्रदेश नेतृत्व द्वारा जारी अधिकृत पत्र के अनुसार नई जिला कार्यकारिणी का गठन साहित्यिक गतिविधियों को गति देने, नए रचनाकारों को मंच उपलब्ध कराने तथा जिले में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक वातावरण को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है। नवगठित कार्यकारिणी का कार्यकाल 31 मार्च 2028 तक प्रभावी रहेगा। नई कार्यकारिणी में प्रवीण मणि त्रिपाठी को जिला संयोजक तथा डॉ. आशुतोष त्रिपाठी को अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुश्री भावना द्विवेदी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं अंजलि अरोड़ा खुशबू, प्रणव चंद्र श्रीवास्तव एवं श्रीमती वंदना मिश्रा को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। कार्यकारिणी में श्रीमती प्रार्थना राय को मंत्री/सचिव का दायित्व दिया गया है।

हथीन रेस्ट हाउस में युवा इनेलो की बैठक, संगठन विस्तार और युवाओं की भागीदारी पर मंथन

निखिल

हरियाणाः स्थानीय रेस्ट हाउस में शुक्रवार को युवा इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता युवा हल्का अध्यक्ष आलो कुमार ने की। इस दौरान संगठन को मजबूत करने और युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में पार्टी से जोड़ने पर विशेष चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए आलोक कुमार ने कहा कि युवा शक्ति किसी भी संगठन की सबसे बड़ी ताकत होती है।

उन्होंने युवाओं से इनेलो की नीतियों और विचारधारा से जुड़कर संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक के मुख्य अतिथि इनेलो के जिला अध्यक्ष महेंद्र चौहान ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता जन-जन तक इनेलो की नीतियों को पहुंचाएं और संगठनात्मक गतिविधियों को और गति दें। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। बैठक में जिला अध्यक्ष (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) डॉ. असगर हुसैन, महेश रावत बहीन, सुभाष फिरोजपुर, उदय सरपंच फिरोजपुर, जवाहर सिंह रावत, खुर्शीद चेयरमैन चिल्ली, डॉ. प्रभु दयाल, बैकवर्ड सेल के ब्लॉक अध्यक्ष रामकुमार, प्रदीप महाबली, राहुल, मौसिम और इरफान सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य युवाओं को संगठन से जोड़ना, संगठन का विस्तार करना तथा आगामी कार्यक्रमों के लिए रणनीति तैयार करना रहा।

रेलवे निर्माण के गड्ढे में डूबने से दो मासूमों की मौत, लापरवाही के आरोपों पर जांच के निर्देश

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेशः मेंहदावल थाना क्षेत्र के कुसौना खुर्द गांव में शुक्रवार शाम रेलवे लाइन निर्माण के लिए खोदे गए पानी भरे गड्ढे में डूबने से दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों ने निर्माण कार्य में लापरवाही का आरोप लगाया है। मृतकों की पहचान कुसौना खुर्द निवासी प्रभास (8) पुत्र परविंदर तथा कुनाल (6) पुत्र विष्णु के रूप में हुई है। कुनाल अपने ननिहाल कुसौना खुर्द आया हुआ था, जबकि उसका मूल निवास धर्मसिंहवा थाना क्षेत्र के महुई गांव में है।

जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चे गांव कुसौना खुर्द और परसा पांडे के बीच निमार्णाधीन नई रेलवे लाइन के किनारे खोदे गए पानी भरे गड्ढे के पास खेलने या शौच के लिए गए थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और दोनों गहरे पानी में डूब गए। उनके साथ मौजूद एक अन्य बालक ने दौड़कर ग्रामीणों को सूचना दी। ग्रामीणों ने तत्काल दोनों बच्चों को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेंहदावल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर क्षेत्राधिकारी सर्वदमन सिंह, तहसीलदार अल्पिता वर्मा तथा क्षेत्रीय विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी अस्पताल पहुंचे। विधायक ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए सीओ को मामले की निष्पक्ष जांच कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यदि निर्माण एजेंसी या ठेकेदार की लापरवाही तथा सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आती है, तो संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

थाना समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं जन शिकायतें, समयबद्ध निस्तारण के दिए सख्त निर्देश

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेशः संतकबीरनगर जन समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को कोतवाली खलीलाबाद में आयोजित थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने स्वयं उपस्थित होकर फरियादियों की शिकायतें सुनीं। दोनों अधिकारियों ने शिकायतकताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएम और

एसपी ने राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही, टालमटोल या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी मामलों में दोनों विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

इस दौरान अधिकारियों ने शिकायत पंजिका का गहन निरीक्षण किया और पहले से निस्तारित प्रकरणों का फीडबैक भी लिया। उन्होंने शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता पर विशेष जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक मामले की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी आलोक कुमार ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक को समय पर न्याय और राहत मिलनी चाहिए। वहीं पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने कहा कि पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त कार्यशैली से भूमि विवाद सहित अन्य मामलों का त्वरित समाधान संभव है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थाना समाधान दिवस के दौरान मौजूद फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनके निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा।

अधूरे स्कूल निर्माण कार्यों में देरी बर्दाश्त नहीं, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई : शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत

हरीश उपाध्याय

उत्तराखंडः देहरादून विद्यालय शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत संग्रह शिक्षा योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्य को साम्यवाद ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा है कि अधूरे निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लापरवाही करने वाले कार्यों कार्यों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और साथ ही संग्रह शिक्षा और पीएम श्री विद्यालयों में और अचरोल क्लास से जुड़े कार्यों में भी तेजी लाने के निर्देश दिए विद्यालय शिक्षा महानिदेशालय में आयोजित संग्रह शिक्षा परियोजना की शिक्षा बैठक में मंत्री ने हो रही निर्माण कार्यों की लेट कार्य होने पर नाराजगी जैसा उन्होंने अधिकारियों को प्राथमिक माध्यमिक स्तर पर वर्षों से निलंबित

निर्माण कार्यों कार्यों के साथ-साथ नए स्वीकृत कार्यों को भी निर्माण दिन कार्यों को समय सीमा पर पूर्ण करने के निर्देश दिए बैठक में बताया गया है,

कि वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2025 2026 के बीच माध्यमिक और माध्यमिक स्तर पर 7803 निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए थे जिम 5733 कार्य पूरे हो चुके हैं जबकि 1084 निर्माण कार्य अभी भी अधूरे हैं मंत्री ने सभी सभी जिलों के मुख्य जिला अधिकारियों को निर्माण कार्यों की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट महानिदेशालय को भेजने के निर्देश दिए हैं डॉ रावत ने 2025 2026 में स्वीकृत 12 सपोर्टर कंपलेक्स के निर्माण कार्यों को दो सप्ताह के भीतर निर्माण कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए इसके अलावा 266 डिजिटल लाइब्रेरी संग्रह शिक्षा पीएम श्री विद्यालयों मैं स्वीकृत1203 आईसीटी क्लासेस तथा 2320 स्मार्ट क्लासेस की स्थापना के कार्यों में तेजी लाने को कहा ताकि विद्यालयों को और अधिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षक सुविधा पूर्ण उपलब्ध कराई जा सके।

तूफानगंज विवेकानंद विद्यालय में दो मंत्रियों का हुआ भव्य सम्मान, शिक्षा विकास की योजनाओं का हुआ शुभारंभ

गोबिंदा दास

पश्चिम बंगाल: शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और विद्यालयों की आधारभूत संरचना को मजबूत बनाने के उद्देश्य से तूफानगंज विवेकानंद विद्यालय में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तूफानगंज विधानसभा क्षेत्र की विधायक एवं राज्य की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री मालती रावा राय तथा कुमारग्राम विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं राज्य के वन मंत्री मनोज कुमार उरांव शामिल हुए। विद्यालय पहुंचने पर दोनों मंत्रियों का प्रधानाचार्य, शिक्षकों, प्रबंधन समिति, विद्यार्थियों और अभिभावकों ने पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इसके बाद दोनों मंत्रियों ने विद्यालय के शिक्षकों के साथ बैठक कर शिक्षा की गुणवत्ता, आधारभूत सुविधाओं, भविष्य की विकास योजनाओं और सरकारी सहयोग से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। बैठक के बाद उन्होंने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और विद्यालय की एक विकास परियोजना के लिए स्वीकृत निधि का शिलान्यास किया।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने शंखध्वनि, पुष्पवर्षा और स्वागत गीत के साथ अतिथियों का अभिनंदन किया। विद्यालय की ओर से सभी विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न, पुष्पगुच्छ और उत्तरीय भेंट कर सम्मानित किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुरू हुए समारोह में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित की गई। प्रधानाचार्य डॉ. विक्रमजीत साहा ने विद्यालय की उपलब्धियों, विकास कार्यों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए सरकार के सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने देशभक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। अपने संबोधन में दोनों मंत्रियों ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक आधारभूत सुविधाएं सरकार की प्राथमिकता हैं तथा विद्यालय के विकास के लिए हरसंभव सहयोग जारी रहेगा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक और स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तथा भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अतिथियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. विक्रमजीत साहा ने स्वागत भाषण देते हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया तथा विद्यालय की गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा, वर्तमान विकास कार्यों एवं भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यालय के विकास में सरकार तथा जनप्रतिनिधियों के सहयोग की सराहना की।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा। नृत्य, संगीत एवं देशभक्ति पर आधारित प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। पूरा कार्यक्रम शिक्षा, संस्कृति एवं राष्ट्रभक्ति का सुंदर संगम बन गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में दोनों मंत्रियों ने शिक्षा के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एक विकसित समाज की नींव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर आधारित होती है। इसलिए विद्यालयों की आधारभूत संरचना को मजबूत करना, आधुनिक शिक्षा व्यवस्था विकसित करना तथा विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी विद्यालय के विकास हेतु हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. विक्रमजीत साहा ने कहा कि यह सम्मान समारोह केवल सम्मान व्यक्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यालय के भविष्य के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार, जनप्रतिनिधियों तथा विद्यालय परिवार के संयुक्त प्रयासों से शिक्षा की गुणवत्ता, आधुनिक आधारभूत संरचना तथा विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

विश्व जनसंख्या दिवस पर निकली जागरूकता रैली

11 से 18 जुलाई तक चलेगा परिवार नियोजन अभियान

हरदोई, एजेंसी। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शनिवार को स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिला पुरुष चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चंद्र कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चंद्र कुमार ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस का उद्देश्य लोगों को परिवार नियोजन के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ, समृद्ध एवं खुशहाल परिवार की अवधारणा को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि छोटा परिवार न केवल मां एवं बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य की आधारशिला है, बल्कि परिवार के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रैली के माध्यम से आमजन को छोटे परिवार के लाभ, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों के बारे में जागरूक किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भवनाथ पांडे ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में जनपद में 11 से 18 जुलाई तक परिवार नियोजन जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान आशा, एएनएम एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के विभिन्न सुरक्षित एवं प्रभावी साधनों, उनके लाभ तथा छोटे परिवार के महत्व के बारे में जानकारी देंगे। उन्होंने बताया कि जिला महिला चिकित्सालय, जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा अन्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों पर परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधन उपलब्ध हैं। इच्छुक लाभार्थी अपने निकटतम सरकारी स्वास्थ्य संस्थान पर निःशुल्क परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे परिवार नियोजन के उपलब्ध साधनों की जानकारी प्राप्त करें और अपनी आवश्यकता के अनुसार उनका उपयोग कर स्वस्थ एवं खुशहाल परिवार के निर्माण में सहयोग करें।

कार्यक्रम में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मधुलिका शुक्ला, परिवार नियोजन काउंसलर गरिमा शुक्ला, स्टाफ नर्स शशि देवी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी इंद्रभूषण सिंह, एफपीएलएमआईएस प्रबंधक किन्दरलाल, स्त्री क्लिनिक संस्था से स्नेहा मिश्रा, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं निर्मला नर्सिंग इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राएं, निर्मला नर्सिंग इंस्टीट्यूट से मृदुल पांडे सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम सूर्य घर योजना से प्रयागराज में रोशन हो रहे हजारों घर, 22 हजार से अधिक सोलर पैनल स्थापित

प्रयागराज, एजेंसी। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत प्रयागराज में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार उल्लेखनीय प्रगति हो रही है।जिले में अब तक 22 हजार 287 सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि 20 हजार 018 लाभार्थियों को सरकार की ओर से सब्सिडी भी प्रदान की जा चुकी है। योजना के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 37 हजार 017 लोगों ने इसके लिए आवेदन किया है। शनिवार को परियोजना अधिकारी, नेडा, कोमिल द्विवेदी ने बताया कि जैसे-जैसे आवेदन प्राप्त हो रहे हैं, उसी गति से योजना का विस्तार किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक परिवारों को इसका लाभ मिल सके। लाभार्थी का कहना योजना से लाभान्वित प्रयागराज के धूमनगंज क्षेत्र के महेंद्र नगर निवासी अशोक श्रीवास्तव ने बताया कि उन्होंने दो वर्ष पहले चार किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल लगवाया था। उन्हें प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत सब्सिडी भी प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि सोलर पैनल लगने के बाद से उनके बिजली बिल में काफी कमी आई है। आर्थिक राहत मिली है। उनका मानना है कि यह योजना आम लोगों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है। इससे परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा को भी बढ़ावा मिल रहा है। सोलर-9 के निदेशक अमित आशीष मिश्रा ने बताया कि हम एक वेंडर के रूप में इस योजना से जुड़े हुए हैं।

तुफानगंज में बड़ोशालबाड़ी-छोटोशालबाड़ी बॉक्स कलवर्ट निर्माण कार्य का शुभारंभ

गोबिंदा दास

वेस्ट बंगाल: तुफानगंज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शालबाड़ीझ2 ग्राम पंचायत के पड़घाटी इलाके में आज विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण अध्याय की शुरूआत हुई। लंबे समय से प्रतीक्षित बड़ोशालबाड़ी और छोटोशालबाड़ी गांवों को जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित बॉक्स कलवर्ट निर्माण कार्य का शुभ उद्घाटन राज्य की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग की मंत्री मालती राभा राय ने किया।

इस परियोजना के कार्यान्वयन से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा जनजीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, ऐसी आशा स्थानीय लोगों ने व्यक्त की है। कई वर्षों से स्थानीय निवासी एक स्थायी और सुरक्षित यातायात व्यवस्था की मांग कर रहे थे। विशेष रूप से बरसात के मौसम में जलस्तर बढ़ जाने के कारण बड़ोशालबाड़ी और छोटोशालबाड़ी के बीच आवागमन में लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं, किसानों, व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों तथा आपातकालीन सेवाओं से जुड़े व्यक्तियों को प्रतिदिन अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता था। कई बार बीमार लोगों को अस्पताल पहुंचाना या किसानों की उपज को बाजार तक ले जाना भी बेहद कठिन हो जाता था।

इन्हीं समस्याओं के समाधान तथा स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के उद्देश्य से इस बॉक्स कलवर्ट निर्माण परियोजना की शुरूआत की गई है। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद बड़ोशालबाड़ी और छोटोशालबाड़ी के बीच आवागमन अधिक आसान, तेज और सुरक्षित हो जाएगा। साथ ही, क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी तथा कृषि और छोटे व्यवसायों के विकास में यह परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उद्घाटन समारोह में उपस्थित मंत्री मालती राभा राय ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। शहरों के साथ-साथ गांवों के लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बेहतर यातायात व्यवस्था के बिना किसी भी क्षेत्र का समग्र विकास संभव नहीं है। इसी उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में पुल, सड़क और कलवर्ट निर्माण जैसी अनेक विकास परियोजनाओं को लागू किया जा रहा है।

एक नजर

बालक की नदी मैं डूबने से मौत

फिरोजाबाद, एजेंसी। जनपद के थाना रजावली क्षेत्र के गांव उमरगढ़ निवासी चमन खा का 8 वर्षीय बेटा अमन शनिवार को दोस्तों के साथ सिरसा नदी में नहाने गया था। नहाने के दौरान अमन नदी मे गड्डे में फस गया। अन्य दोस्तों ने परिजनों को अमन के डूबने की जानकारी दी गई। दुर्घटना की सूचना सुनते ही गांव में हड़कंप मच गया। हादसे की सूचना पर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर राहत कार्य के बाद बालक को किसी प्रकार बाहर निकाल कर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर ने परीक्षण के बाद बालक को मृत घोषित कर दिया गया। हादसे से परिवार में कोहराम मच गया।

वाराणसी की कैंट विधानसभा में विधायक ने किया इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी की कैंट विधानसभा में शनिवार की सुबह विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने नेवादा क्षेत्र के मुसहर बस्ती में इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। मुसहर बस्ती में स्थानीय लोगों ने बीते दो माह पूर्व ही विधायक सौरभ से सड़क की मांग की थी। विधायक ने लोगों को जल्द सड़क देने का आश्वासन दिया था। इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य के शिलान्यास के बाद विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि मुसहर बस्ती में सड़क की मांग पर विकास कार्य को जोर देते हुए आज शिलान्यास कर दिया गया है। इस कार्य के सम्पन्न होने पर मुसहर बस्ती के निवासियों का आवागमन और सुगम होगा। शिलान्यास का पूजन यही के वरिष्ठ नागरिक बलवंत पटेल से कराया गया है। जबकि शिलापट्ट का अनावरण भाजपा नेता राकेश मोहन तिवारी व दिनेश पटेल ने किया है। भाजपा नेता प्रेम पटेल ने नारियल फोड़ परियोजना का शुभारंभ किया है। कुछ ही समय में यह सड़क बनकर तैयार हो जाएगी।

जलालाबाद में तेज रफ्तार कार ने स्कूली बच्चों से भरे ई-रिक्शा को मारी टक्कर, 10 बच्चे घायल

शाहजहांपुर, एजेंसी। जलालाबाद नगर में शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे एक तेज रफ्तार कार ने स्कूली बच्चों से भरे ई-रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 10 बच्चे घायल हो गए, टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों से बच्चों को लेकर ई-रिक्शा सरस्वती विद्या मंदिर जलालाबाद आ रहा था।

बारह पत्थर चौराहे पर चालक ने सड़क किनारे खड़े 3 अन्य बच्चों को बैठाने के लिए ई-रिक्शा रोका था। इसी दौरान फरुर्खाबाद की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा पलट गया और बच्चे सड़क पर जा गिरे। चीख-पुकार सुनकर राहगीर और दुकानदार दौड़े। बारह पत्थर चौकी पुलिस ने घायलों को तुरंत सीएचसी जलालाबाद पहुंचाया। सूचना पर थाना प्रभारी अरविंद सिंह चौहान भी अस्पताल पहुंचे। घायलों में शुभांशु, दीपक, शिवम, प्रयंजुल, दिव्यांशी, सौरभ, अर्पित, आयुष राजपूत, सूर्यांश, ज्योति वर्मा और रूपेश शामिल हैं। इनमें शुभांशु, दीपक, प्रयंजुल और दिव्यांशी के सिर में चोट है। पुलिस ने फरार

अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के बड़ागांव थाना क्षेत्र में सातोमहुआ के पास शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। शनिवार को पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान फूलपुर थाना क्षेत्र के कुआंर बाजार निवासी विवेक जायसवाल (35) के रूप में हुई है। हरहुआ पुलिस चौकी के उपनिरीक्षक के.के. वर्मा ने बताया कि हादसे के बाद घायल युवक को तत्काल हरहुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दुर्घटना के बाद फरार अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि वाहन की पहचान कर आरोपित चालक तक पहुंचा जा सके।

कार्यालय समय में अध्यक्ष कक्ष में आराम करते दिखे कर्मचारियों का वीडियो वायरल, ईओ ने काटा एक दिन का वेतन

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में नगर पंचायत अटसू की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें कार्यालय समय के दौरान कुछ कर्मचारी नगर पंचायत अध्यक्ष कक्ष में कुर्सियां लगाकर आराम करते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली और नगर पंचायत की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे। मामले का संज्ञान लेते हुए अधिशासी अधिकारी (ईओ) ने संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए उनका एक दिन का वेतन काटने की कार्रवाई की है। नगर पंचायत

क्षेत्र के नागरिक अपनी विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए लगातार जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। इसी बीच वायरल हुए वीडियो में कर्मचारी कार्यालय समय के दौरान अपने दायित्वों का निर्वहन करने के बजाय अध्यक्ष कक्ष में आराम करते दिखाई दिए। वहीं, जनसुनवाई शिकायतों के निस्तारण से जुड़ी एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के बजाय केवल औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं, जिससे आम जनता की समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी प्रदीप कुमार गौतम ने बताया कि वायरल वीडियो उनके संज्ञान में आने के बाद तत्काल कार्रवाई की गई है। संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है तथा सभी का एक दिन का वेतन काटने के आदेश दिए गए हैं।

खड़ी ट्रकों में घुसी कार, पिता-पुत्र वधू की मौत

मीरजापुर, एजेंसी। कछवां थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर कटका गोदाम (पड़ाव) के पास सड़क किनारे खड़ी ट्रकों की लंबी कतार एक बार फिर जानलेवा साबित हुई। शुक्रवार देर शाम वाराणसी से इलाज कराकर लौट रहे एक परिवार की स्विफ्ट कार पीछे से खड़ी ट्रकों में जा भिड़ी। हादसे में 27 वर्षीय प्रगति खंडेलवाल और उनके 63 वर्षीय ससुर प्रभात अग्रवाल की मौत हो गई, जबकि कार चला रहे शिवम अग्रवाल मामूली रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, प्रतापगढ़ के चिलबिला निवासी शिवम अग्रवाल अपनी पत्नी प्रगति खंडेलवाल और कैंसर पीड़ित पिता प्रभात अग्रवाल का वाराणसी में उपचार कराकर घर लौट रहे थे। कटका गोदाम के पास सड़क किनारे खड़ी ट्रकों की कतार में उनकी कार पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और प्रगति खंडेलवाल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही औराई प्रभारी थाना राजेश कुमार तथा कछवां थानाध्यक्ष अमरजीत चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। गंभीर रूप से घायल प्रभात अग्रवाल को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औराई ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को हटवाकर यातायात बहाल कराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना के बाद सड़क किनारे खड़े ट्रकों के चालक अपने वाहन लेकर मौके से फरार हो गए। उल्लेखनीय है कि इसी स्थान पर करीब छह माह पूर्व भी सड़क किनारे खड़ी ट्रक में कार घुसने से पिता-पुत्र समेत चार लोगों की मौत हुई थी। लगातार हो रहे हादसों के बावजूद राजमार्ग किनारे अवैध रूप से खड़े ट्रकों पर प्रभावी रोक नहीं लग पाने से स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी है।

संभल में 96 लोगों को अतिक्रमण हटाने का नोटिस

कल्कि धाम होकर गंगा एक्सप्रेस-वे तक बनेगा फोरलेन हाईवे

संभल, एजेंसी। जनपद संभल की सदर तहसील क्षेत्र के असमोली विकास खंड क्षेत्र में जोया मार्ग से कल्कि धाम होते हुए गंगा एक्सप्रेस-वे तक बनने वाले फोरलेन मार्ग के लिए 96 लोगों को अतिक्रमण हटाने के नोटिस जारी किए गए हैं। इन लोगों को 15 दिन के भीतर अवैध कब्जा हटाने की चेतावनी दी गई है। शुक्रवार को पुलिस ने अनाउंसमेंट करते हुए ये नोटिस थमाए। यह कार्रवाई जनपद संभल की सदर तहसील क्षेत्र के ब्लॉक असमोली क्षेत्र में की जा रही है। थाना ऐंचौड़ा कम्बोह गांव में 86, ज्ञानपुर सिसौना में 4 और चितावली गांव में 6 लोगों को नोटिस दिए गए हैं। यह फोरलेन मार्ग संभल-जोया रोड से शुरू होकर ऐंचौड़ा कम्बोह स्थित श्रीकल्कि धाम से होते हुए तहसील संभल के खिरनी गांव में गंगा एक्सप्रेस-वे इंटरचेंज से जुड़ेगा। पीडब्ल्यूडी विभाग के सहायक अभियंता तृतीय ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 52 के तहत अतिक्रमण न हटाने वालों पर जुमार्ना लगाया जाएगा और खर्च भी उन्हीं से वसूला जाएगा। सभी प्रभावित लोगों को 22 जुलाई तक का समय दिया गया है। इस अवधि के बाद प्रशासन सरकारी

जमीन से अतिक्रमण को बलपूर्वक हटाएगा। असमोली थाना प्रभारी मोहित चौधरी और ऐंचौड़ा कम्बोह थाना प्रभारी लवनीश कुमार ने शुक्रवार को पुलिस बल के साथ पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा जारी किए गए नोटिस वितरित किए। उन्होंने अनाउंसमेंट के जरिए लोगों को समय रहते अतिक्रमण हटाने की चेतावनी भी दी। यह नया मार्ग गंगा एक्सप्रेस-वे को श्रीकल्कि धाम होते हुए दिल्ली-लखनऊ हाईवे से जोड़ेगा। यह संभल के प्राचीन 68 तीर्थों और 19 कूपों की 25 कोसीय परिक्रमा मार्ग से भी गुजरेगा। इससे भविष्य में संभल कल्कि नगरी और श्रीकल्कि धाम आने वाले श्रद्धालुओं को पहुंचने में सुविधा होगी।

22 वार्डों की बदलेगी तस्वीर, 103.87 करोड़ की परियोजना से सीवर और पेयजल व्यवस्था होगी दुरूस्त

वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र काशी में बुनियादी नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। नगर निगम क्षेत्र के 22 वार्डों में 103.87 करोड़ से सीवर और पेयजल व्यवस्था को दुरूस्त किया जाएगा। महापौर अशोक कुमार तिवारी ने परियोजना का विधिवत शिलान्यास और भूमि पूजन किया। महापौर ने कहा कि यह परियोजना काशी के नागरिकों को लंबे समय तक राहत देने वाली साबित होगी। उन्होंने बताया कि नई सीवर और पेयजल पाइपलाइन बिछाने का कार्य बड़े पैमाने पर किया जाएगा, जिसके चलते लगभग एक वर्ष तक विभिन्न क्षेत्रों में सड़क खुदाई और यातायात

संबंधी असुविधाएं हो सकती हैं। उन्होंने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह अस्थायी परेशानी आने वाले 70 से 75 वर्षों तक सीवर और पेयजल संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित करेगी। महापौर ने जानकारी दी कि नई बस्ती वार्ड में लगभग 76.73 करोड़ रुपये की लागत से 26 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन बिछाई जाएगी तथा घर-घर सीवर गृह संयोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 27.14 करोड़ रुपये की लागत से नई पेयजल पाइपलाइन एवं गृह संयोजन का कार्य भी किया जाएगा, जिसकी टेंडर प्रक्रिया प्रगति पर है।

संपादकीय

उत्तरप्रदेश की राह पर बंगाल

प.बंगाल में भाजपा शासन के आते ही राज्य में चारित्रिक बदलाव दिखाई देना शुरू हो चुका है। भाजपा शासन की खास पहचान बन चुके बुलडोजर और पुलिस मुठभेड़ दोनों का इस्तेमाल प.बंगाल में शुरू हो चुका है। सुवेन्दु अधिकारी के सत्ता संभालते ही तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और कार्यकताओं पर कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई, कई मौकों पर जनता ने कानून हाथ में लिया और टीएमसी नेताओं पर अंडे फेंके। भाजपा ने इसे लोगों का गुस्सा बताकर न्यायोचित ठहराने की कोशिश की। कई बाजारों में रेहड़ी-पटरी वालों को जबरन हटाया गया और कुछ जगह बुलडोजर से व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को गिराया गया। और अब बारुईपुर मामले में एक अहम आरोपी की मुठभेड़ में मौत हो गई, जिससे प.बंगाल को भाजपाई रंग में ढलने में जो कसर बाकी थी, वह भी पूरी हो गई।

गौरतलब है कि बीते दिनों कोलकाता के दक्षिणी उपनगर स्थित बारुईपुर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की की बलात्कार के बाद नृशंसता से हत्या कर दी गई। ऐसी एक भी घटना किसी भी सभ्य समाज के लिए बड़ा कलंक होनी चाहिए। जो समाज अपने बच्चों की, महिलाओं की हिफाजत न कर सके, उसे शर्मिंदा होना चाहिए। मगर बड़े अफसोस की बात है कि बलात्कार जैसा गंभीर अपराध अब राजनीति करने का जरिया बन चुका है। जब प.बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के वक्त आर जी कर मेडिकल कॉलेज में बलात्कार और हत्या का मामला आया था, तब भाजपा ने बिना समय गंवाएं टीएमसी सरकार को घेरा, राज्य में धरना-प्रदर्शन सब किया। हालांकि तत्कालीन मुख्यमंत्री ने भी कार्रवाई की, आरोपियों को पकड़वाया, फिर भी उन पर ऊंगली उठाई गई कि वे बहन-बेटियों की सुरक्षा नहीं कर सकतीं। इस चुनाव में भी भाजपा ने इस मुद्दे को भुनाना चाहा और इसके लिए आर जी कर मेडिकल कॉलेज की दिवंगत पीड़िता की मां को टिकट दी, वे जीतीं और अब विधायक भी बन गई हैं। लेकिन अफसोस है कि वे भी अब पीड़ित परिवार के साथ खुलकर खड़े होने और ऐसे नृशंस अपराध पर आवाज उठाने की जगह खोखले तर्क दे रही हैं कि मेरी बेटी के साथ अस्पताल जैसी सुरक्षित जगह पर ऐसा हुआ, जबकि वो बच्ची बाहर थी या कहां थी, पता नहीं। इस बयान के बाद सभ्य समाज को अपने आप से यह सवाल करना चाहिए कि क्या बच्चे केवल अपने घर में सुरक्षित रह सकते हैं, बाहर नहीं। अगर ऐसा है तो हम किस अधिकार से खुद को सभ्य कहते हैं। और कई मामलों में घर में करीबी रिश्तेदार ही जो शारीरिक शोषण करते हैं, उस वक्त बच्चों के लिए कौन सा सुरक्षित स्थान बताया जाएगा। जाहिर है भाजपा विधायक अपनी पार्टी के खिलाफ या नयी सरकार की कानून व्यवस्था के खिलाफ खुल कर बोलने की स्थिति में नहीं हैं, तो उन्होंने सारा ठीकरा पिछली टीएमसी सरकार पर फोड़ दिया। हालांकि इसकी कोई तुक बनती नहीं। अगर ममता बनर्जी की सरकार लड़कियों के लिए सुरक्षित माहौल बनाने में नाकाम थी, तो जनता ने उन्हें सत्ता से हटा दिया है। अब जिनकी सत्ता है, यानी भाजपा की, तो उसे हर तरह से जिम्मेदारी लेना होगा। लेकिन इसकी जगह सुवेन्दु अधिकारी कहीं ममता बनर्जी को पीड़ित परिवार से मिलने से रोक रहे थे, तो कहीं उनके नेता इस घिनौने अपराध में भी हिंदू-मुसलमान कर रहे थे। इस घटना से नाराज भीड़ ने तो एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या भी कर दी, हालांकि अब भीड़ में शामिल कम से कम 200 लोगों पर कार्रवाई होगी, ऐसी बात प्रशासन कर रहा है। लेकिन एक अन्य आरोपी, जो इस घटना की अहम कड़ी बन सकता था, उसका रहस्यमय तरीके से एनकाउंटर कर दिया गया। जिस तरह उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश या गुजरात में हुई कई पुलिस मुठभेड़ों में यही कहानी बताई गई कि आरोपी ने पुलिस गिरफ्त से भागने की कोशिश की और उन पर हमला किया, बदले में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिसमें आरोपी मारा गया। ठीक यही कहानी बारुईपुर मामले के मुख्य आरोपी प्रभास मंडल के एनकाउंटर के पीछे बताई जा रही है।

मुनाफे के खेल में दांव पर है जिंदगी

> भारत को दुनिया की फामेर्सी कहा जाता है। विश्व की लगभग 60 प्रतिशत वैक्सीन और करीब 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं का उत्पादन भारत में होता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देशों की स्वास्थ्य व्यवस्था भारतीय दवा उद्योग पर निर्भर है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने जिस तरह दुनिया को वैक्सीन उपलब्ध कराई, उससे उसकी विश्वसनीयता और मजबूत हुई। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में नकली, मिलावटी और अमानक दवाओं के लगातार सामने आ रहे मामलों ने इस प्रतिष्ठा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।
> केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की मई 2026 की गुणवत्ता निगरानी रिपोर्ट बताती है कि देशभर में 159 दवा नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। इनमें 46 नमूनों को केंद्रीय प्रयोगशालाओं ने नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी घोषित किया, जबकि 113 नमूने राज्यों की प्रयोगशालाओं में विफल पाए गए। रिपोर्ट में एक नकली दवा का मामला भी दर्ज किया गया, जिसमें किसी प्रतिष्ठित कंपनी के ब्रांड नाम का दुरुपयोग किया गया था।

कुमार कृष्णन

दवा केवल एक उत्पाद नहीं होती, वह जीवन और मृत्यु के बीच खड़ी उम्मीद होती है। जब कोई व्यक्ति डॉक्टर की पर्ची लेकर मेडिकल दुकान पर पहुंचता है तो उसके मन में यह विश्वास होता है कि जो दवा वह खरीद रहा है, वह उसके रोग का उपचार करेगी। किंतु यदि उसी दवा में औषधीय तत्व ही न हो, या वह पूरी तरह नकली निकले, तो यह केवल उपभोक्ता के साथ धोखा नहीं बल्कि उसके जीवन के अधिकार पर सीधा हमला है। दुर्भाग्य से भारत में नकली और अमानक दवाओं का बढ़ता कारोबार अब इसी भयावह स्थिति की ओर संकेत कर रहा है।

भारत को दुनिया की फामेर्सी कहा जाता है। विश्व की लगभग 60 प्रतिशत वैक्सीन और करीब 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं का उत्पादन भारत में होता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देशों की स्वास्थ्य व्यवस्था भारतीय दवा उद्योग पर निर्भर है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने जिस तरह दुनिया को वैक्सीन उपलब्ध कराई, उससे उसकी विश्वसनीयता और मजबूत हुई। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में नकली, मिलावटी और अमानक दवाओं के लगातार सामने आ रहे मामलों ने इस प्रतिष्ठा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की मई 2026 की गुणवत्ता निगरानी रिपोर्ट बताती है कि देशभर में 159 दवा नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। इनमें 46 नमूनों को केंद्रीय प्रयोगशालाओं ने नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वालिटी घोषित किया, जबकि 113 नमूने राज्यों की प्रयोगशालाओं में विफल पाए गए। रिपोर्ट में एक नकली दवा का मामला भी दर्ज किया गया, जिसमें किसी प्रतिष्ठित कंपनी के ब्रांड नाम का दुरुपयोग किया गया था। यह महज सांख्यिकीय सूचना नहीं, बल्कि उस खतरे का संकेत है जो धीरे-धीरे पूरे दवा बाजार को अपनी गिरफ्त में ले रहा है।

बिहार में हाल के दिनों में सामने आए दो मामले इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। समस्तीपुर जिले के रोसड़ा में औषधि विभाग ने एक दवा दुकान से लोकप्रिय एंटीबायोटिक एमाक्स-625 का नमूना लिया। बिहार ड्रग्स कंट्रोल लेबोरेट्री, पटना की जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि दवा में संक्रमण से लड़ने वाले दोनों प्रमुख सक्रिय तत्व–एमोक्सीसिलिन और क्लैवुलैनिक एसिड–की मात्रा शून्य थी। यानी मरीज जिस दवा को इलाज समझकर खा रहा था, वह वस्तुतः एक निष्प्रभावी गोली थी। ऐसे मामले केवल नियामकीय विफलता नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हैं।

दूसरी घटना गया शहर से सामने आई, जहां ड्रग विभाग और पुलिस की संयुक्त छापेमारी में भारी मात्रा में नकली दवाएं, नशीले कफ सिरप और नींद की गोलियां बरामद की गईं। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले कि यह नेटवर्क बिहार तक सीमित नहीं था, बल्कि झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों तक फैला हुआ था। यदि जांच में यह तथ्य प्रमाणित होता है, तो यह स्पष्ट होगा कि नकली दवाओं का कारोबार अब संगठित अपराध का रूप ले चुका है, जिसमें उत्पादन, भंडारण, पैकेजिंग, परिवहन और वितरण की पूरी श्रृंखला शामिल है।

चिंता का विषय यह भी है कि अब अपराधी केवल नकली दवाएं ही नहीं बना रहे, बल्कि नामी कंपनियों के रैपर, पैकेजिंग और ब्रांड नाम की हूबहू नकल करके उन्हें बाजार में उतार रहे हैं। सामान्य उपभोक्ता तो दूर, कई बार दवा विक्रेता भी इन्हें पहचान नहीं पाते। इसका सबसे बड़ा नुकसान उस मरीज को होता है, जो यह मानकर दवा खाता है कि वह प्रमाणित कंपनी की असली दवा ले रहा है।

सबसे अधिक भयावह स्थिति तब होती है, जब नकली दवाएं जीवनरक्षक श्रेणी की हों। देश के विभिन्न हिस्सों में नकली ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन, एडेनोसिन इंजेक्शन और अन्य गंभीर रोगों में प्रयुक्त दवाओं के मामले सामने आ चुके हैं। राजस्थान में प्रसूताओं की मौत के मामले ने यह साबित किया कि नकली दवाएं केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि प्रत्यक्ष रूप से मौत का कारण बन सकती हैं। यही कारण है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन तक ने ऐसे मामलों पर भारत सरकार से रिपोर्ट मांगी है।

विडंबना यह है कि जिस देश में दवा उद्योग हजारों करोड़ रुपये का है, वहीं नकली दवाओं का समानांतर अवैध कारोबार भी तेजी से फैल रहा है। कई बार छोटी अवैध इकाइयों में बिना किसी गुणवत्ता नियंत्रण के दवाएं तैयार की जाती हैं। कहीं एक्सपायरी दवाओं की दोबारा पैकेजिंग होती है, तो कहीं ब्रांडेड कंपनियों के नाम से नकली उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इस पूरे कारोबार के पीछे केवल लालच है और इसकी कीमत आम मरीज अपने स्वास्थ्य और कभी-कभी अपने जीवन से चुकाता है।

नकली दवाओं के बढ़ते कारोबार का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि यह केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं रह गया है, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है। भारत हर वर्ष बड़ी मात्रा में दवाओं का निर्यात करता है। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय दवाओं की गुणवत्ता को लेकर संदेह पैदा होता है, तो उसका असर केवल कुछ कंपनियों पर नहीं, बल्कि पूरे दवा उद्योग और देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। वर्षों की मेहनत से अर्जित विश्वसनीयता कुछ आपराधिक गिरोहों की वजह से दांव पर लग सकती है।

यह भी समझना होगा कि नकली दवाओं का कारोबार किसी एक व्यक्ति या एक दुकान के बूते नहीं चलता। इसके पीछे एक संगठित नेटवर्क होता है, जिसमें अवैध निमार्ता, पैकेजिंग करने वाले, थोक कारोबारी, परिवहन से जुड़े लोग और खुदरा स्तर तक फैली एक श्रृंखला शामिल हो सकती है। ऐसे नेटवर्क को तोड़ने के लिए केवल छिटपुट छापेमारी पर्याप्त नहीं है। आर्थिक अपराध शाखा, औषधि नियंत्रण प्रशासन, पुलिस, जीएसटी और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों के बीच समन्वित कार्रवाई आवश्यक है।

बिहार में समय-समय पर नकली दवाओं के बड़े गिरोह पकड़े गए हैं। पटना, गया और अब समस्तीपुर की घटनाएं बताती हैं कि समस्या अलग-अलग जिलों तक सीमित नहीं है। यह आशंका भी गंभीर है कि राज्य की सीमाओं का उपयोग कर दूसरे राज्यों तक दवाओं की आपूर्ति की जा रही है। यदि ऐसा है, तो यह अंतरराज्यीय संगठित अपराध का मामला है, जिसकी जांच केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से की जानी चाहिए।

एक और चिंता एंटीबायोटिक दवाओं से जुड़ी है। यदि किसी मरीज को ऐसी दवा दी जाए जिसमें सक्रिय औषधीय तत्व ही न हो, तो केवल उसका इलाज असफल नहीं होता, बल्कि संक्रमण और अधिक गंभीर हो सकता है। इससे एंटीबायोटिक प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) जैसी वैश्विक समस्या भी बढ़ती है। विश्व स्वास्थ्य विशेषज्ञ पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि यदि एंटीबायोटिक दवाओं का दुरुपयोग और नकली दवाओं का प्रसार नहीं रुका, तो भविष्य में सामान्य संक्रमण का इलाज भी कठिन हो सकता है।

सरकार ने कुछ जीवनरक्षक दवाओं पर क्यूआर कोड और बारकोड अनिवार्य करने का निर्णय लिया है। यह स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन इसकी सीमा बहुत छोटी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हर दवा की डिजिटल ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित हो। निर्माण से लेकर थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता और अंततः मरीज तक प्रत्येक चरण का इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड उपलब्ध हो। इससे नकली उत्पादों की पहचान और उनकी आपूर्ति श्रृंखला का पता लगाना आसान होगा।

इसके साथ ही औषधि नियंत्रण विभागों को भी संसाधनों से सशक्त बनाना होगा। कई राज्यों में ड्रग इंस्पेक्टरों की संख्या स्वीकृत पदों से काफी कम है। प्रयोगशालाओं की क्षमता सीमित है और नियमित सैंपल जांच का दायरा भी पर्याप्त नहीं है। जब तक निरीक्षण व्यवस्था मजबूत नहीं होगी, तब तक कानून की कठोरता भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगी।

कानूनी स्तर पर भी गंभीर पुनर्विचार की आवश्यकता है। यदि किसी नकली दवा के कारण किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है, तो ऐसे अपराध को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं माना जा सकता। इसे गैर-जमानती और कठोर दंड वाले अपराध की श्रेणी में रखते हुए त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। दोषी कंपनियों और गिरोहों की संपत्ति जब्त करने तथा उनकी आर्थिक गतिविधियों पर स्थायी रोक लगाने जैसे प्रावधानों का भी प्रभावी उपयोग होना चाहिए।

साथ ही आम नागरिकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दवाएं केवल अधिकृत दुकानों से खरीदना, हमेशा बिल लेना, पैकेट पर बैच नंबर, निर्माण तिथि और एक्सपायरी की जांच करना तथा किसी भी संदिग्ध दवा की सूचना तुरंत औषधि विभाग को देना नागरिक जिम्मेदारी का हिस्सा होना चाहिए। हालांकि यह नहीं भूलना चाहिए कि अंतिम जिम्मेदारी सरकार और नियामक संस्थाओं की ही है। दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है, मरीज का नहीं।

भारत ने वैश्विक दवा उद्योग में जो सम्मान अर्जित किया है, वह गुणवत्ता, वैज्ञानिक अनुसंधान और विश्वसनीय उत्पादन के आधार पर हासिल हुआ है। इस प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए नकली दवाओं के कारोबार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। यह केवल कानून लागू करने का प्रश्न नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, स्वास्थ्य और विश्वास की रक्षा का दायित्व है।

आखिरकार, किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने नागरिकों के जीवन को कितना सुरक्षित रखता है। यदि अस्पताल, डॉक्टर और दवा–तीनों पर से भरोसा उठने लगे, तो स्वास्थ्य व्यवस्था की पूरी नींव हिल जाती है। इसलिए नकली दवाओं के खिलाफ संघर्ष केवल प्रशासनिक अभियान नहीं, बल्कि जीवन, न्याय और मानवीय गरिमा की रक्षा का राष्ट्रीय अभियान होना चाहिए।

नकली दवाओं के बढ़ते कारोबार का एक पहलू और भी है, जिस पर अपेक्षित गंभीरता से चर्चा नहीं होती। यह समस्या केवल कानून लागू करने या अपराधियों को पकड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि दवा नियमन की पूरी संरचना से जुड़ी हुई है। देश में हजारों दवा निर्माण इकाइयां, लाखों थोक और खुदरा विक्रेता तथा करोड़ों उपभोक्ता हैं।

आठवां अजूबा रचते महामानव-विश्वगुरु

सर्वमित्रा सुरजन

सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने में भी मोदी के लिए आठ की संख्या ने बड़ा योगदान दिया है। 26 जनवरी 2001 को भुज में विनाशकारी भूकंप आया था। जोड़ आठ का ही बनता है। उस समय केशुभाई पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री थे और इस त्रासदी के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई, फिर वो सत्ता से हटे।

दुनिया में हमेशा सात अजूबों की ही बात होती है। भारत तो इन अजूबों का सबसे बड़ा दावेदार है, क्योंकि हमारे पास ताजमहल है, जिसे अजूबा मानकर ही दुनिया भर के सैलानी देखने आते हैं और देखते रह जाते हैं। लेकिन मुगलों की बनाई इस नायाब कृति को पछाड़ने का काम नरेन्द्र मोदी करने जा रहे हैं। सात अजूबों के बाद अब वो आठवें अजूबे के प्रबल दावेदार हो गए हैं। इस गणित को समझना कठिन नहीं है। अगर नरेन्द्र मोदी से पूछेंगे तो वो बता देंगे कि आठ से उनका रिश्ता कितना पुराना है। इस रिश्ते को समझा कर वे अल्बर्ट आइंस्टीन को भी पीछे छोड़ देंगे, जिन्होंने कहा था कि चक्रवृद्धि ब्याज दुनिया का आठवां अजूबा है। जो इसे समझता है, वह कमाता है; जो नहीं समझता, वह चुकाता है। अब भारत के लोग बेचारे कर्ज के बोझ में तो ऐसे दबे हुए हैं कि उनके लिए हर तरह का ब्याज चक्रवृद्धि की तरह ही है। जब तक उन्हें पता चलता है कि हमने इस महीने इतने रुपए कमाए हैं, तब तक उससे कहीं ज्यादा का खर्च मोदी सरकार उनके सामने खड़ा कर देती है। आइंस्टीन ने मोदी का शासन नहीं देखा था, वर्ना वो चक्रवृद्धि ब्याज को नहीं मोदी शासन के तौर तरीकों को आठवां अजूबा बता देते और शायद इस देश की जनता को नौवां अजूबा, जो सारे जुल्मो-सितम और तकलीफों के बावजूद इस आस में है कि अच्छे दिन आएंगे। अगर अच्छे दिन आने की तारीख में कहीं आठ का अंक आता, तो मोदी इसे ले भी आते। क्योंकि आठ अंक से उन्हें बड़ा लगाव है।

मोदीजी के गणित के हिसाब से चलें तो उनका जन्मदिन 17 सितम्बर को आता है, एक और सात का जोड़ आठ होता है। ऐसे ही गणित से तो मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से अपना रिश्ता जोड़ा है। उन्होंने कहा कि मेरे मित्र का जन्मदिन 17 तारीख को आता है, हालांकि आठ का जोड़ बताने के लिए मोदी ने 26 तारीख का सहारा लिया। इंडोनेशिया में दिए अपने भाषण में नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने पिछले साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया था और 2 और 6 का जोड़ आठ होता है। मोदी समर्थक ऐसे ही उन्हें विश्वगुरु नहीं बताते हैं। 17 और 26 कितनी अलग संख्याएं हैं, एक विषम है एक सम है, दोनों में एक नजर में कोई समानता नहीं दिखती। अगर समानता दिखाने की चुनौती सामने रखी जाए तो गणितज्ञों को न जाने कितने तरह के फॉमूर्ले लगाने पड़ेंगे और तब जाकर कोई मेल दोनों संख्याओं का किया जाएगा। लेकिन बड़ी से बड़ी मुश्किल को आसान करने का नाम ही तो मोदी है। बताइए कितने मजे लेकर कह दिया कि 2 और 6 का जोड़ आठ होता है, 1 और 7 का जोड़ भी आठ ही होता है। ये और बात है कि उन्हें इसके लिए 26 जनवरी याद आई वो भी पिछले साल की। आम भारतीय अब तक यही जानता है कि हमने केवल पिछले साल ही नहीं हर साल 26 जनवरी को ही गणतंत्र दिवस मनाया है।

1950 से यही सिलसिला चल रहा है। अब अगले साल मना पाएंगे या नहीं, क्या मोदी ने इस बारे में कोई इशारा दिया है। बड़े, सयाने लोग ऐसा ही करते हैं, सीधे-सीधे चेतावनी न देकर इशारों में समझते हैं। इस तरह जनता की समझदारी की परीक्षा भी हो जाती है। जैसे जब नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि मैं सत्ता में आऊंगा तो हरेक के खाते में 15-15 लाख डालूंगा, तो लोगों ने उनकी बात का यकीन कर लिया था। अब 15 लाख नहीं आए तो दोष मोदी पर डाल रहे हैं कि वादाखिलाफी की। लेकिन गौर से देखें तो इसमें जनता के गणित की कमजोरी निकली। 15 यानी एक और पांच का जोड़ छह होता है। अंग्रेजी में छह लिखें तो तुम्हारा छह मेरा नौ या मेरा छह तुम्हारा नौ हो सकता है। जिस संख्या में यही तय न हो कि वो असल में क्या है, उसे लेकर कही किसी भी बात पर यकीन ही नहीं करना चाहिए था। मोदी ने तो जनता के यकीन और समझदारी की परीक्षा ली, जिसमें जनता फेल हो गई। अब ये कोई नीट पेपर लीक का मामला तो है नहीं कि बार-बार उसे कराया जाए। इसलिए अब 15 लाख वाली बात को जुमला बोलकर अमित शाह ने ठंडे बस्ते में डालने का पुण्य काम किया है। मोदी अगर कहते कि मैं सबके खाते में 17-17 लाख डालूंगा, तब उनसे सवाल किए जाने थे।

वैसे आठ से मोदी का रिश्ता केवल गणतंत्र दिवस और जन्मदिन तक सीमित नहीं है। वो अपने कार्यकाल की शुरूआत से इसे निभाते आ रहे हैं। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, यहां भी जोड़ आठ बैठा। इसमें आठ देशों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की थी, पाकिस्तान से प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, श्रीलंका से राष्ट्रपति महिंद्रा राजपक्षे, अफगानिस्तान से राष्ट्रपति हामिद करजई, नेपाल से प्रधानमंत्री सुशील कोइराला, भूटान से प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे, मालदीव से राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन, बांग्लादेश से संसद की स्पीकर शिरिन शर्मिन चौधरी और मॉरीशस से प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम मोदी के प्रधानमंत्री बनने के साक्षी बने। मोदी ने नोटबंदी का फैसला 8 नवंबर को ही लिया। जब राष्ट्र के नाम संबोधन करना हो तो मोदी रात आठ बजे का वक्त ही चुनते थे। पिछले कुछ बार से इसमें तब्दीली आई है वर्ना आठ से मोदी का रिश्ता तोड़ना कठिन था।

सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने में भी मोदी के लिए आठ की संख्या ने बड़ा योगदान दिया है। 26 जनवरी 2001 को भुज में विनाशकारी भूकंप आया था। जोड़ आठ का ही बनता है। उस समय केशुभाई पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री थे और इस त्रासदी के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई, फिर वो सत्ता से हटे और अक्टूबर 2001 में नरेंद्र मोदी को गुजरात का नया मुख्यमंत्री बनाया गया था। तब तक मोदी विधायक तक नहीं बने थे, लेकिन सारे दिग्गज नेताओं को पछाड़ते हुए अटलबिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवानी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया। इसके बाद 24 फरवरी 2002 को हुए उपचुनाव में मोदी पहली बार विधायक बने। इस संख्या के जोड़ में अतिरिक्त दो आ गया है, लेकिन ये वैसा ही है जैसे मोदी ने एक्स्ट्रा 2 एबी का फामूर्ला कनाडा में बताया था। ये भी मोदी की राजनैतिक दूरदर्शिता ही है कि आठ के अंक के अलावा 2 एक्स्ट्रा साथ में रखो, न जाने कब कहां कौन सा फामूर्ला फिट करने की जरूरत पड़ जाए।

विश्वगुरु मोदी के लिए नए फामूर्ले गढ़ना तो बाएं हाथ का काम है। अपनी बुद्धि का कमाल वो अमेरिका में भी दिखा चुके हैं। ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन बोलते रह गए, मोदी ने फौरन उसमें फिट होने का प्लान तैयार किया, और कह दिया कि मेक इंडिया ग्रेट अगेन, फिर मागा और मीगा को मिलाकर मेगा कैसे बनता है, ये संधि ट्रंप को समझा दी। आठ का गणित यहां भी काम कर गया। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन में चार शब्द हैं और मेक इंडिया ग्रेट अगेन में भी चार, चार और चार आठ होते हैं। इस फॉमूर्ले के बाद कायदे से नासा वालों को कोई नया ग्रह खोजकर उसका नाम मोदी एट जैसा कुछ रख देना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ को भी यह स्पष्ट करना चाहिए कि सौरमंडल के नवग्रहों को आठ ग्रह बनाने का फैसला क्या मोदी से प्रेरित होकर लिया गया। 24 अगस्त 2006 तक बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेपच्यून के साथ प्लेटो भी सौरमंडल के ग्रहों में शामिल था, लेकिन इस दिन प्लेटो को अलग कर केवल आठ ग्रहों को मान्यता दी गई। अभी महाद्वीप तो सात ही हैं, देखना होगा कि आठ के आकार जैसा अनंत रूप धरने वाले मोदी की प्रेरणा से आठवां महाद्वीप बनता है या नहीं जिसे मोदी महाद्वीप कहा जाएगा। हालांकि अभी भारत में ऐसा ही अहसास होता है कि मोदी समर्थक अपने ही बनाए मोदीद्वीप पर रहते हैं, जिन्हें वास्तविकताओं से परे ऐसे गणितों में उलझे रहने में ही परमआनंद की प्राप्ति होती है।

इन्हें आठ की संख्या से पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 26 लोग 2+6=8, भारत की सबसे खराब पासपोर्ट रैंकिंग 125, 1+2+5=8, नीट पेपर लीक की तारीख 3 मई 3+5=8 इन सबको भी याद रखना चाहिए। और ये भी कि राम मंदिर के ट्रस्टी कुल 15 हैं और इनमें सुपर ट्रस्टियों के तौर पर नरेन्द्र मोदी, अमित शाह को जोड़ दें तो 17 का अंक ही बनता है यानी आंकड़ा आठ का ही बन रहा है।

इंद्रधनुष के सात रंग, संगीत के सात सुर अभी खैर मनाएं कि राजनीति की नजर उन पर नहीं पड़ी है। वर्ना सुर-ताल सब बिगड़ा हुआ ही दिखेगा। आखिरी में एक सुझाव, मोदीजी अबकि सुनहरी जरी वाला कोई सूट सिलवाएं तो नमो-नमो की जगह आठ-आठ लिखवाएं, आठ की संख्या धन्य हो जाएगी।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही मिड डे मील योजना

-मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में मिड डे मील योजना (मध्याह्न भोजन योजना) की शुरूआत 15 अगस्त 1995 को प्राथमिक शिक्षा के लिए पोषण सहायता का राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में की गई थी। वर्ष 2021 में केंद्र सरकार ने इसका नाम बदलकर प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण कर दिया है।योजना के मुख्य उद्देश्यइस योजना को लागू करने के पीछे निम्नलिखित महत्वपूर्ण उद्देश्य थे। ग्रामीण और वंचित वर्गों के गरीब बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रोत्साहित करना और स्कूलों में छात्रों का नामांकन बढ़ाना। स्कूलों में बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना और बीच में स्कूल छोड़ने की दर को कम करना।कुपोषण से पीड़ित बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण स्तर को बेहतर बनाना।भूखे बच्चों की भूख मिटाकर कक्षा की गतिविधियों और पढ़ाई में उनका ध्यान केंद्रित करने में मदद करना।विभिन्न जातियों और पृष्ठभूमि के बच्चों को एक साथ बैठाकर भोजन कराना, जिससे सामाजिक दूरी कम हो और भाईचारा बढ़े।

गरीब बच्चों को पोषण देने और स्कूलों की ओर आकर्षित करने के लिए मिड-डे मील योजना भोजन पकाने में लापरवाही तथा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी नियमों की अनदेखी के चलते योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है, अनहाइजनिक और असुरक्षित भोजन खा कर बच्चे बीमार हो रहे हैं।कहीं मिड-डे मील मेन्यू के हिसाब से नहीं बनता तो कई बार भोजन में सुरसरी घुन कीड़े, कंकड़ छिपकलियां, मेंढक और यहां तक कि सांप मिलने की शिकायतें भी आती रहती हैं, हाल ही में एक के बाद एक ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हो रही है। इस तरह यह योजना लक्ष्य से भटक गयी है। आपको सुर्खियों में रही कुछ ताजा घटनाओं का हवाला देते हैं ताकि इस योजना के क्रियान्वयन में हो रही गड़बड़ी का अंदाजा लगा सकते हैं

1 जनवरी को ग्वालियर (मध्य प्रदेश) के गोकुलपुर गांव में स्थित सरकारी प्राइमरी स्कूल में बच्चों को परोसने के लिए बनाई गई आलू की सब्जी में मरा हुआ मेंढक निकला।

6 फरवरी को मधेपुरा (बिहार) के साहूगढ़ स्थित सरकारी सीनियर सैकेंडरी स्कूल में मिड-डे मील खाने वाले 70 से अधिक बच्चों को उल्टियां, पेट दर्द, घबराहट व बेचैनी होने लगी तथा उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा। जांच करने पर सब्जी बनाने वाले बर्तन में मृत छिपकली पड़ी मिली।11 मार्च को कोयम्बटूर (तमिलनाडु) के कबुंदमपयलम गांव के सैकेंडरी स्कूल में परोसा गया मिड-डे मील खाते ही 44 छात्र फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए और उन्हें इलाज के लिए तुरंत अस्पताल ले जाया गया। आरोप है कि भोजन में एक छिपकली गिर गई थी।

14 अप्रैल को मयूरभंज (ओडिशा) के एक सरकारी रैजीडैंशियल स्कूल में मिड-डे मील योजना के अंतर्गत पकाया गया दूषित भोजन करने से 100 से अधिक छात्र बीमार हो गए तथा पांचवीं कक्षा की एक छात्रा की मौत हो गई।

23 अप्रैल को मुंगेर (बिहार) के सराधी गांव के सरकारी सैकेंडरी स्कूल में मिड-डे मील में पकाए जाने वाले चावल के ड्रम में मरा हुआ चूहा और उसका मल-मूत्र मिलने से हड़कंप मच गया।

6 मई को अलवर (राजस्थान) के नंगली गांव के सीनियर सैकेंडरी स्कूल के बच्चों को मिड-डे मील में परोसी गई दाल में मरा हुआ चूहा मिला। समय रहते पता चल जाने से यह दाल बच्चों को परोसी नहीं गई वर्ना कोई अप्रिय घटना भी हो सकती थी।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान ने माना, बलूचिस्तान में 38 सुरक्षा कर्मी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान में पिछले चार दिनों में बलूच लिबरेशन आर्मी और तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान ने पाकिस्तान सेना और पुलिस के 38 जवानों को मार गिराया। खुद पाकिस्तानी सेना की इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक, लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बुधवार को यह जानकारी दी। जियो टीवी के अनुसार, लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पहली घटना 4 और 5 जुलाई की रात को हन्ना उराक में हुई थी। यहां मांगी डैम पर पहले दिन नौ पुलिसकर्मी मारे गए और बाद में 18 और मारे गए, जिससे कुल संख्या 27 हो गई। तीसरी घटना डेला बंदर में बुधवार को सेना के काफिले से जुड़े एक ऑपरेशन के दौरान हुई। काफिले और बीएलए सदस्यों के बीच मुठभेड़ हुई। काफिले पर हमले में एक जूनियर कमीशंड ऑफिसर समेत 11 जवान मारे गए। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने जियारत ज़िले में हुए हमले की जिम्मेदारी ली है।

बांग्लादेश में लैंडस्लाइड से 8 बच्चों की मौत, 5 घायल ; लगातार बारिश के बीच बाढ़ का खतरा बढ़ा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले के उखिया स्थित रोहिंग्या शरणार्थी कैंप में बुधवार को लैंडस्लाइड में 8 बच्चों की मौत हो गई और 5 घायल हैं। सभी बच्चों की उम्र 7 से 12 साल के बीच थी। बांग्लादेश मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। लगातार हो रही भारी बारिश और भारत से आने वाले ऊपरी इलाकों के पानी की वजह से देश के कई हिस्सों में बाढ़ का खतरा भी बढ़ गया है। रिफ्यूजी रिलीफ एंड रिपैट्रिएशन कमिश्नरके बयान के अनुसार, घटनास्थल से 13 बच्चों को बाहर निकाला गया। इनमें से चार बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार ने अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बाकी पांच बच्चों का अस्पताल और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज चल रहा है। इसी बीच, अंधेरा होने के बाद फायर सर्विस ने बचाव अभियान रोक दिया।

ऑस्ट्रेलिया में टेल्सट्रा का नेटवर्क ठप : 12 घंटे तक मोबाइल सेवाएं बाधित, ट्रेनें रुकीं

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी टेल्सट्रा के नेटवर्क में बुधवार तड़के आई तकनीकी खराबी से देशभर में मोबाइल कॉल और डेटा सेवाएं करीब 12 घंटे तक प्रभावित रहीं। इसका असर ट्रेन सेवाओं, डिजिटल पेमेंट सिस्टम और इमरजेंसी कॉल पर भी पड़ा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि यह साइबर अटैक नहीं बल्कि सिडनी और मेलबर्न के डेटा सेंटर में टाइम-कीपिंग सर्वर से जुड़े सॉफ्टवेयर डिफेक्ट के कारण हुआ। आउटेज के दौरान कुछ इमरजेंसी कॉल कनेक्ट नहीं हो सकीं। कंपनी ने ऐसे सभी मामलों की समीक्षा की और प्रभावित लोगों का वेलफेयर चेक कराया। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इस घटना को 'बेहद चिंताजनक' बताया। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन कम्युनिकेशंस एंड मीडिया अथॉरिटी पूरे मामले की जांच करेगी। नेटवर्क बाधित होने से विक्टोरिया में सभी क्षेत्रीय ट्रेन सेवाएं रद्द करनी पड़ीं, जबकि न्यू साउथ वेल्स में भी कई ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। फ्रेट सर्विसेस भी प्रभवित रहीं।

मरीन ले पेन को राहत : अपील कोर्ट ने चुनावी प्रतिबंध घटाया ; 2027 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ सकेंगी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की अपीलीय अदालत ने दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को यूरोपीय संसद फंड के दुरुपयोग मामले में दोषी तो माना, लेकिन उन पर सार्वजनिक पद संभालने की पाबंदी कम कर दी। इसके बाद ले पेन ने घोषणा की है कि वह 2027 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगी। पेरिस कोर्ट ऑफ अपील ने ले पेन पर लगाए गए पांच साल के चुनावी प्रतिबंध को घटाकर 45 महीने कर दिया, जिनमें से 30 महीने निलंबित रहेंगे। अदालत ने यह भी माना कि 31 मार्च 2025 से वह पहले ही प्रतिबंध की अवधि पूरी कर रही हैं। इस वजह से वह 2027 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए पात्र हो गई हैं। अदालत ने उन्हें तीन साल की जेल की सजा भी सुनाई है। इसमें दो साल की सजा निलंबित है, जबकि एक साल इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के साथ नजरबंदी में बिताना होगा।

ईरान का खौफ: ट्रंप ने बीच रास्ते में बदला विमान, कतर का जेट छोड़ पुराने 'एयरफोर्स वन' में बैठे

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर से तनाव चरम पर है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। तुर्की के अंकारा में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन से वापस लौटते समय ट्रंप ने कतर द्वारा गिफ्ट में दिए गए नए बोइंग 747-8 जेट की बजाय अपने पुराने 'एयरफोर्स वन' से उड़ान भरी। ब्रिटेन के आरएएफ मिल्डेनहॉल में एक छोटे से ठहराव के बाद विमान बदलने के इस फैसले ने राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीक्रेट सर्विस की सलाह पर लिया गया फैसला : द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुए संघर्ष के बाद, यूएस सीक्रेट सर्विस ने राष्ट्रपति ट्रंप को विमान बदलने की सलाह दी थी। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम किसी विशेष खतरे की प्रतिक्रिया के बजाय केवल एहतियात के तौर पर उठाया गया था। दरअसल, कतर की ओर से मिले नए विमान में अभी तक वे सभी एडवांस सुरक्षा फीचर्स इंस्टॉल नहीं किए गए हैं, जो मौजूदा 'एयरफोर्स वन' के बेड़े में मौजूद होते हैं।

हालांकि, वाइट हाउस ने इन दावों को पूरी तरह खारिज किया है कि नया विमान असुरक्षित है। वाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने स्पष्ट किया कि नया जेट 'उच्च-स्तरीय सुरक्षा प्रोटोकॉल' से लैस है। उन्होंने कहा कि प्रशासन राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए 'ध्यान भटकाने और गुमराह करने' समेत अपने हर उपलब्ध टूल का इस्तेमाल करता है।

ट्रंप बोले- 'मैं उनकी हिट लिस्ट में नंबर वन हूं' : विमान बदलने के पीछे सुरक्षा चिंताओं की बात को खुद ट्रंप ने भी खारिज कर दिया। ब्रिटेन से रवाना होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझ पर हमेशा खतरा मंडराता रहता है। मैं उनकी लिस्ट में नंबर वन हूं। ट्रंप ने बताया कि ब्रिटेन के आरएएफ मिल्डेनहॉल में रुकने का असली मकसद वहां तैनात अमेरिकी सैन्यकर्मियों को नया विमान दिखाना था। उन्होंने नए विमान को 'बिल्कुल नया और शानदार' बताते हुए सैन्यकर्मियों के साथ इसकी तस्वीरें भी साझा कीं और कहा कि वे लोग इसे देखकर काफी उत्साहित थे। पुरानी 'एयरफोर्स वन' से सफर करने के पीछे ट्रंप ने कहा कि उन्होंने 'पुरानी यादों को ताजा करने के लिए' ऐसा किया है।

खिड़कियों के ब्लाइंड्स बंद रखने का था निर्देश : इस यात्रा के दौरान पुरानी एयरफोर्स वन में सफर कर रहे पत्रकारों को फ्लाइट में खिड़कियों के ब्लाइंड्स (पर्दे) बंद रखने का सख्त निर्देश दिया गया था। ट्रंप ने बताया कि यह पाबंदी उनके निजी कंपार्टमेंट पर लागू नहीं थी। उन्होंने ईरान की ओर स्पष्ट रूप से इशारा करते हुए कहा कि शायद ऐसा यहां मौजूद 'स्लीजबैग्स' की वजह से किया गया हो। विमान बदलने का यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब ईरान और अमेरिका के बीच सैन्य संघर्ष तेज हो गया है। अमेरिका ने तेहरान पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में कमर्शियल जहाजों पर हमला करने का आरोप लगाते हुए ईरानी ठिकानों पर नए सिरे से हवाई हमले किए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी बहरीन और कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर जवाबी हमले किए हैं। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए कि बहरीन, कुवैत और कतर में मिसाइल हमले के चेतावनी सायरन बजने लगे। वहीं, कुवैत की सेना ने दावा किया है कि उसने अपनी तरफ आ रही मिसाइलों और ड्रोन्स को बीच हवा में ही मार गिराया है।

न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं, ईरान से 'हॉर्मुज' पर नहीं हो पाई डील: जेडी वेंस

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच फिर से गोलाबारी शुरू हो गई है। पहले ईरान ने होर्मुज में जहाजों पर हमला किया और उसके बाद अब अमेरिका ने पलटवार किया। ईरान के बंदरगाहों पर हवाई हमले किए। इस बीच, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बताया है कि ईरान से शांति वार्ता की कोशिशों के बीच गोलीबारी कैसे शुरू हो गई और किस वजह से शांति को लेकर समझौता नहीं हो पाया। जेडी वेंस के मुताबिक, ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम खत्म कर दिया गया। उनकी पारंपरिक सेना को भी खत्म कर दिया गया है। हमारी डील की मुख्य बात यह थी कि अगर आप जहाजों पर गोलाबारी को रोक देंगे, तो हम अपनी नाकेबंदी को हटा लेंगे। लेकिन अगर आप जहाजों पर बम-गोले दागेंगे, तो हम पलटवार करेंगे और पहले से कहीं ज्यादा जोरदार पलटवार करेंगे। डील यही थी। लेकिन 24 घंटे पहले क्या हुआ? ईरान ने फिर से जहाजों पर गोलाबारी शुरू कर दी। हमारी डील बहुत सीधी-सादी है लेकिन ईरान नहीं मान रहा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने आगे कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप ने उनसे बहुत साफ शब्दों में कहा कि Strait of Hormuz खुला रहेगा। इसका मतलब है कि अमेरिकी लोगों तक तेल और गैस की सप्लाई होती रहेगी। ट्रंप ने कहा कि वह अहम रास्ता जिससे विश्व की बहुत सारी ऊर्जा की सप्लाई होती है।

ट्रंप से रिश्ते सुधारने की कोशिशों पर इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी बोलीं- कोई पछतावा नहीं

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ करीबी संबंध बनाने की कोशिशों पर उन्हें कोई पछतावा नहीं है। पिछले कुछ हफ्तों से दोनों नेताओं के बीच ईरान मुद्दे पर सार्वजनिक बहस, निजी टिप्पणियां और सोशल मीडिया पर नोकझोंक चल रही है। इसके बावजूद मेलोनी अपने फैसले पर पूरी तरह कायम हैं।

बुधवार को अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन के बाद मेलोनी ने ट्रंप के साथ संबंध बनाने के अपने प्रयासों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि उनका यह दृष्टिकोण हमेशा इटली के राष्ट्रीय हितों और पश्चिमी देशों की एकता पर आधारित रहा है, न कि व्यक्तिगत राजनीति पर। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें ट्रंप के साथ करीबी संबंध बनाने की कोशिश पर पछतावा है, तो उन्होंने थोड़ा रुककर पानी पिया और दृढ़ता से कहा, नहीं, मुझे अपने किए पर बिल्कुल भी पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों की एकता में विश्वास के कारण उन्होंने यह राजनीतिक निवेश किया था। यह कोई ऐसी रणनीति नहीं है जो उन्होंने केवल ट्रंप के आने पर अपनाई हो, बल्कि वह सभी नेताओं के साथ ऐसा ही करती हैं। कभी मेलोनी को यूरोप में ट्रंप का सबसे करीबी राजनीतिक सहयोगी माना जाता था। वह ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाली एकमात्र यूरोपीय शासनाध्यक्ष थीं।

उन्हें वाशिंगटन और यूरोपीय राजधानियों के बीच एक पुल के रूप में देखा जाता था। लेकिन पिछले कुछ महीनों में दोनों के रिश्ते खराब हो गए हैं। दरार तब शुरू हुई जब मेलोनी ने पोप लियो पर ट्रंप के हमलों की आलोचना की। पोप ने ईरान युद्ध की निंदा की थी। इसके बाद इटली ने पश्चिम एशिया जा रहे अमेरिकी सैन्य विमानों को सिसिली के सिगोनेला हवाई अड्डे का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। इससे रिश्ते और बिगड़ गए। ट्रंप ने ईरान पर इटली के रुख की आलोचना की और अमेरिका का समर्थन न करने का आरोप लगाया, हालांकि उन्होंने मेलोनी को एक अच्छी इंसान भी बताया। विवाद तब और बढ़ गया जब ट्रंप ने दावा किया कि फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मेलोनी ने उनसे तस्वीर खिंचवाने की भीख मांगी थी।

ईरान ने किया बहरीन और कुवैत में हमले का दावा, अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने की भी बात कही

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका द्वारा ईरान के दक्षिणी प्रांतों में किए गए हवाई हमलों के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई का दावा किया है। ईरान ने कहा कि उसने बहरीन और कुवैत में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया है। इसके साथ ही ईरान ने यह भी दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने बुशेहर प्रांत के ऊपर एक अमेरिकी रूक्त-9 ड्रोन को मार गिराया है। ईरानी सेना के बयान में कहा गया, 'अमेरिकी दुश्मन द्वारा देश के दक्षिणी क्षेत्रों पर किए गए हमले के बाद हमारी सेना के ड्रोन ने बहरीन स्थित शेख ईसा एयर बेस पर मौजूद अमेरिकी बलों के ठिकानों पर हमला किया।' इससे पहले ईरान की आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने नौसेना और एयरोस्पेस बलों के संयुक्त अभियान में बहरीन और कुवैत में 85 महत्वपूर्ण अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। आईआरजीसी ने कहा कि उसके मिसाइल और ड्रोन हमलों में बहरीन के सलमान पोर्ट, वहां तैनात अमेरिकी पांचवें बेड़े के ठिकानों और कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेना की ओर से बुधवार तड़के किए गए।

पाकिस्तानी कार्गो प्लेन का मलबा बलूचिस्तान तट के पास मिला

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान का एक कार्गो विमान मंगलवार रात कराची पहुंचने से पहले लापता हो गया था। विमान शारजाह से कराची आ रहा था और उसमें 5 क्रू मेंबर सवार थे। पाकिस्तानी खोजी दलों ने बलूचिस्तान के तट के पास अरब सागर में ओर्मारा से 53 समुद्री मील (लगभग 98 किलोमीटर) दूर विमान का मलबा बरामद कर लिया है। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी के मुताबिक, रात 9:18 बजे पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को नेविगेशन सिस्टम में खराबी की जानकारी दी थी। कंट्रोल रूम ने विमान को गाइड करने की कोशिश की, लेकिन करीब तीन मिनट बाद उसका संपर्क टूट गया। आखिरी बार विमान कराची से 155 नॉटिकल मील (287 किमी) पश्चिम में ट्रैक किया गया। विमान के लापता होने के बाद अरब सागर में बड़े स्तर पर सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया था। पाकिस्तान नेवी, एयर फोर्स और अन्य एजेंसियां खोज अभियान में जुटी रही।

कहां मिला मलबा : करीब 12 घंटे के बड़े सर्च ऑपरेशन के बाद ओर्मारा बंदरगाह से 53 नॉटिकल मील दक्षिण में विमान का मलबा बरामद किया गया। विमान ने मंगलवार शाम शारजाह से उड़ान भरी थी। संपर्क टूटने से ठीक पहले विमान की ओर से नेविगेशन सिस्टम में खराबी की रिपोर्ट दी गई थी।

कैसे हुआ हादसा : पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी के मुताबिक, रडार डेटा से पता चला है कि विमान ने अचानक अपनी दिशा में बड़ा बदलाव किया और फिर तेजी से नीचे की ओर गिरने लगा। स्थानीय समयानुसार मंगलवार रात करीब 9:21 बजे कराची से लगभग 155 नॉटिकल मील पश्चिम में विमान का रेडियो और रडार से संपर्क पूरी तरह टूट गया था।

रेस्क्यू ऑपरेशन में कौन-कौन शामिल : हादसे का अलर्ट मिलते ही बड़े पैमाने पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। अरब सागर में चलाए जा रहे इस अभियान में पाकिस्तान नेवी के युद्धपोत 'पीएनएस जुल्फिकार', नेवल सर्विलांस एयरक्राफ्ट, पाकिस्तान एयरफोर्स के विमानों के साथ-साथ मर्चेंट जहाजों को भी तैनात किया गया है।

ये 5 क्रू मेंबर हैं लापता : के2 एयरवेज ने बयान जारी कर बताया है कि विमान में सवार सभी 5 लोगों का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है और वे पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं।

पीएम शहबाज शरीफ ने क्या कहा : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लापता क्रू मेंबर्स के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए हर संभव संसाधनों का इस्तेमाल किया जाए।

हादसे की वजह पर एक्सपर्ट्स की राय : हालांकि विमान के गायब होने से पहले नेविगेशन सिस्टम में खराबी की बात सामने आई थी, लेकिन एविएशन एक्सपर्ट्स का कहना है कि हादसे की असली वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। पाकिस्तानी ब्रॉडकास्टर एआरवाई न्यूज से बातचीत में एविएशन एनालिस्ट इमरान असलम ने बताया कि अगर विमान का इंजन फेल भी हो जाए।

भारतीय इंजीनियर ने अमेरिका में की पत्नी की हत्या

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रह रहे एक 30 वर्षीय भारतीय इंजीनियर को यूएस पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इंजीनियर पर नौ माह पहले अपनी पत्नी की हत्या का आरोप है। पुलिस ने बताया कि भारतीय इंजीनियर अविनाश नारने ने अपनी पत्नी रंजीता सब्बीनेनी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपी ने पत्नी के शव की फोटो भारत में रह रही अपनी प्रेमिका को भी भेजी थी। पुलिस जांच के बाद हत्या का मामला साफ हो जाने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ऐसे रची भारतीय इंजीनियर ने साजिश : 27 अक्टूबर, 2025 को, सॉफ्टवेयर इंजीनियर नारने ने पुलिस को फोन करके बताया कि उनकी पत्नी बाथरूम में बंद हैं और बाहर नहीं आ रही हैं। जब पुलिस ने बाथरूम का दरवाजा तोड़ा, तो उन्हें सबिनेनी जमीन पर पड़ी मिलीं। अधिकारियों ने उन्हें मौके पर ही मृत घोषित कर दिया। पूछताछ के दौरान, नारने ने पुलिस को बताया कि वह कुछ काम से अपार्टमेंट से बाहर गए थे। जब वह लगभग 40 मिनट बाद घर लौटे, तो उन्होंने सबिनेनी को बाथरूम में बंद पाया। हालांकि, अधिकारियों को नारने के बाहर रहने के दौरान घर में किसी और के घुसने का कोई सबूत नहीं मिला।

भारत में रहने वाली लड़की से थे प्रेम संबंध : अगले दिन, किंग काउंटी मेडिकल एग्जामिनर ऑफिस ने सबिनेनी की मौत को हत्या करार दिया और कहा कि उनकी मौत गला घोंटे जाने के कारण दम घुटने से हुई थी। जांच से पता चला कि नारने का भारत में एक महिला के साथ कई वर्षों से रिश्ता था। उस महिला के साथ रिश्ते में रहते हुए ही, नारने की 5 जून, 2025 को सबिनेनी से शादी हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि नारने की गर्लफ्रेंड भी उनकी शादी में शामिल हुई थी। हालांकि, सबिनेनी से शादी के बाद भी दोनों का रिश्ता चलता रहा।

प्रेमिका को पत्नी के शव की तस्वीर भेजी : घटना वाले दिन, नारने ने अपनी गर्लफ्रेंड को कम से कम चार बार फोन किया था, जिसमें वह समय भी शामिल था जब उन्होंने पुलिस को बताया था कि वह बंद बाथरूम में घुसने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि नारने ने अपनी गर्लफ्रेंड को अपनी पत्नी की लाश की तस्वीर भी भेजी थी। अधिकारियों को जांच में सबिनेनी के नारने को भेजे गए टेक्स्ट मैसेज भी मिले, जिनमें सब्बीनेनी ने कई बार शिकायत की थी कि नारने जो ड्रिंक्स उनके लिए बनाते थे, उनका स्वाद कड़वा होता था। अपनी मौत के दिन, उन्होंने अपने पति को मैसेज किया था कि उनके बनाए स्मूदी का स्वाद दवा और कफ सिरप जैसा था। 5 जुलाई को नारने पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया गया। अधिकारियों का कहना है कि उसे उम्रकैद की सजा हो सकती है।

डीआर कांगो में इबोला वायरस का कहर जारी, 600 तक पहुंचा मौत का आंकड़ा

किंशासा , एजेंसी। लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो (डीआरसी) में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। देश के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इससे मरने वालों की संख्या 600 तक पहुंच गई है और 1,759 मामलों की पुष्टि हुई है। बुधवार देर रात जारी एक अपडेट में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि अभी कुल 750 मरीज आइसोलेशन या अस्पताल में भर्ती हैं और अस्पतालों में 94 प्रतिशत बेड भरे हुए हैं। बुंडीबुग्यो इबोला वायरस से होने वाला यह प्रकोप, जिसे 15 मई को घोषित किया गया था, देश का 17वां इबोला प्रकोप है। इसने तीन प्रांतों - इतुरी, नॉर्थ किवु और साउथ किवु - के 37 स्वास्थ्य क्षेत्रों को प्रभावित किया है।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रकोप से निपटने में कई बाधाएं आ रही हैं, जिनमें पोस्टमार्टम के लिए सैंपल लेने का समुदाय द्वारा विरोध, इलाज की अपर्याप्त क्षमता, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग में कमी, सीमित सप्लाई, असुरक्षा और हथियारबंद समूहों से प्रभावित इलाकों तक सीमित पहुंच शामिल हैं। डीआरसी ने मई के मध्य में इस प्रकोप की घोषणा की थी। स्वास्थ्य अधिकारियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों ने बार-बार चेतावनी दी है कि असुरक्षा, लोगों की आवाजाही, स्वास्थ्य सुविधाओं पर दबाव और अधूरी कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के कारण स्थिति से निपटना मुश्किल हो रहा है। इबोला वायरस से होने वाली एक दुर्लभ, गंभीर और अक्सर जानलेवा बीमारी है।

यह वायरस जंगली जानवरों (जैसे फ्रूट बैट) से इंसानों में फैलता है और संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों (बॉडी फ्लूइड्स) के सीधे संपर्क से फैलता है। इसमें अचानक फ्लू जैसे लक्षण और बुखार आता है। इससे शरीर के अंग काम करना बंद कर सकते हैं। मई 2018 में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में इबोला प्रकोप की पुष्टि हुई थी। इसमें शामिल इबोला की बुंडीबुग्यो प्रजाति के लिए कोई वैक्सीन या खास इलाज नहीं है, हालांकि संभावित वैक्सीन पर काम चल रहा है। यह प्रकोप एक चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में हो रहा है: मानवीय संकट, दूरस्थ और घनी आबादी वाला क्षेत्र, साथ ही असुरक्षा और भारी जनसंख्या एवं व्यापारिक आवागमन। इसके लक्षण आमतौर पर वायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों के भीतर दिखाई देते हैं। इनमें अचानक बुखार, थकान, मांसपेशियों में दर्द, तेज़ सिरदर्द, गले में खराश, उल्टी, दस्त, पेट दर्द और गंभीर मामलों में बिना किसी स्पष्ट कारण के ब्लीडिंग या शरीर पर निशान पड़ना शामिल है।

अब यूक्रेन खुद बनाएगा पैट्रियट एयर डिफेंस, रूस की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी भीषण युद्ध के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने वैश्विक कूटनीति और युद्ध के मैदान की समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुर्की में आयोजित ह्रझह शिखर सम्मेलन के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को अब तक का सबसे बड़ा 'रक्षा तोहफा' दिया है।

यूक्रेन को मिला 'सुरक्षा कवच' का लाइसेंस : तुर्की में दुनिया के दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि अमेरिका अब यूक्रेन को पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम बनाने का आधिकारिक लाइसेंस देगा। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि यूक्रेन न केवल अमेरिकी मदद पर निर्भर रहे, बल्कि अपनी धरती पर खुद इन मिसाइलों का निर्माण कर रूसी मिसाइल हमलों का मुंहतोड़ जवाब दे सके। जेलेंस्की पिछले काफी समय से अमेरिका से इस तकनीक और लाइसेंस की मांग कर रहे थे, जिसे अब ट्रंप प्रशासन ने हरी झंडी दे दी है।

क्यों 'जैकपॉट' है पैट्रियट सिस्टम : पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम को दुनिया की सबसे घातक जमीन से हवा में मार करने वाली तकनीक माना जाता है। अमेरिकी दिग्गज कंपनियों लॉकहीड मार्टिन

और रेथियॉन द्वारा विकसित यह सिस्टम किसी भी आधुनिक हमले को नाकाम करने में सक्षम है। इसकी विशेषताएं इसे बेहद खास बनाती हैं:

घातक मिसाइलें: पूरे सिस्टम में एक रडार सेट, एंगेजमेंट कंट्रोल स्टेशन, मिसाइल लॉन्चर और घातक मिसाइलें शामिल होती हैं। वर्तमान में दुनिया के केवल 13 चुनिंदा देशों के पास ही यह तकनीक उपलब्ध है और अब यूक्रेन इस सूची में अपना नाम मजबूती से दर्ज करा रहा है।

'शांति की ओर एक बड़ा कदम' : इस घोषणा के बाद राष्ट्रपति जेलेंस्की ने डोनाल्ड ट्रंप और उनकी टीम के साथ हुई बैठक को बेहद सकारात्मक बताया। जेलेंस्की ने कहा कि वे लोगों की जान बचाने के लिए यूक्रेन के एयर डिफेंस को मजबूत करने के अमेरिकी फैसले के लिए आभारी हैं। उन्होंने जोर दिया कि इस बातचीत से यूक्रेन की स्थिति न केवल युद्ध के मैदान में मजबूत होगी, बल्कि यह कूटनीति और शांति की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होगा।

युद्ध की दिशा पर प्रभाव : यूक्रेन को पैट्रियट बनाने का लाइसेंस मिलना रूस के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। अब तक यूक्रेन को इन मिसाइलों के लिए अमेरिका की सप्लाई चेन पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर उत्पादन शुरू होने से यूक्रेन की रक्षा क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। यह कदम स्पष्ट करता है कि आने वाले समय में रूस-यूक्रेन संघर्ष एक नए और अधिक तकनीकी मोड़ पर पहुंचने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में 30 हजार भारतीयों के बीच पहुंचे मोदी

- भारतीयों से बोले-आपका शो हाउसफुल और ब्लॉकबस्टर

मेलबर्न (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय को संबोधित किया है। मेलबर्न में हुए इस कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज भी उनके साथ पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि वह मेलबर्न में भारतीय समुदाय के बीच आकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। भारतीय समुदाय ने जिस जोश और उत्साह का परिचय दिया है, वह वाकई बेमिसाल है। उन्होंने भारतीय समुदाय से कहा कि आप भारत-ऑस्ट्रेलिया दोस्ती के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक हैं। मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं उस जमीन के पारंपरिक मालिकों को नमन करते हुए अपनी बात शुरू करना चाहता हूं, जहां हम मिल रहे हैं। यह कार्यक्रम हाउसफुल है। इससे पहले मैं आप सभी से सिडनी में दो बार मिल चुका हूं। मैं मेलबर्न के लोगों से मिलने का भी इंतजार कर रहा था। इसलिए इस बार मैंने सोचा कि मैं मेलबर्न के लोगों के साथ फ्लैट व्हाइट कॉफी पिऊंगा।

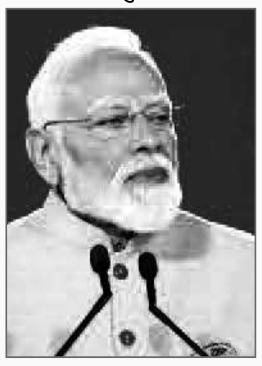

भारतीय समुदाय में कमाल की एनर्जी:अल्बनीज

पीएम मोदी को सुनने के लिए पहुंचे करीब 30 हजार लोगों को संबोधित करते हुए अल्बनीज ने कहा कि उन्हें भारतीय समुदाय के बीच पहुंचकर खुशी हो रही है, जिसका देश की तरक्की में एक योगदान रहा है। अल्बानीज ने कहा, यहां जो एनर्जी महसूस हो रही है, वही ऑस्ट्रेलिया-भारत की साझेदारी को परिभाषित करती है। यह उत्साह और गतिशीलता ही दोनों देशों और लोगों के बीच सकारात्मकता और उम्मीदों को आगे बढ़ाती है। पीएम मोदी बुधवार को तीन दिन के दौरे पर ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया और भारत ने कई अहम समझौतों का ऐलान किया है। दोनों देशों ने अपने रणनीतिक, आर्थिक और रक्षा संबंधों को बेहतर करने पर जोर दिया गहै हैं। रक्षा सहयोग के अलावा भारत ने ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम की आपूर्ति के लिए समझौता किया है।

मैं सलमान, मैं राशिद और मैं असलम...

- तौबा-तौबा करते हुए पुलिस थाने पहुंचे 47 मुल्जिम

सहारनपुर (एजेंसी)। सहारनपुर के थाना चिलकाना क्षेत्र में गोकशी के मामलों में पहले संलिप्त रहे 47 आरोपी स्वेच्छा से थाने पहुंचे और भविष्य में अपराध की दुनिया से पूरी तरह दूरी बनाने का संकल्प लिया। इनमें ऐसे आरोपी भी शामिल रहे जिन पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई हो चुकी है। थाने पहुंचे सभी लोगों के हाथों में संदेश लिखी तख्तियां थीं। इन पर कानून का सम्मान करने, अपराध से दूर रहने और ईमानदारी से जीवनयापन करने की बातें लिखी गई थीं। गौकशी मामले मे पुलिस की सख्ती होते देख 47 लोग थाने पहुंचे सभी लोगों के हाथों में संदेश लिखी तख्तियां थीं। इन पर कानून का सम्मान करने, अपराध से दूर रहने और ईमानदारी

से जीवनयापन करने की बातें लिखी गई थीं। थाना परिसर में सभी ने पुलिस अधिकारियों के सामने शपथ लेते हुए कहा कि अब वे गोकशी या किसी भी गैरकानूनी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आगे से मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करेंगे और समाज के जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन बिताएंगे।

कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी

इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने आरोपियों को स्पष्ट रूप से आगाह किया कि यदि भविष्य में कोई भी व्यक्ति दोबारा गोकशी या किसी अन्य अपराध में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि अपराध से दूरी बनाने का यह संकल्प केवल औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे व्यवहार में भी जीवन मे उतारना भी होगा।

3 लोगों के सिग्नेचर, चढ़ावे की गिनती पर 43 की निगरानी....राम मंदिर ट्रस्ट में क्या-क्या बदलेगा?

राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद अब ट्रस्ट में कई बड़े प्रशासनिक बदलाव किए जा रहे हैं. ट्रस्ट ने मंदिर के बैंक खातों के संचालन के लिए 3 लोगों की समिति बनाई गई है. किसी भी वित्तीय लेनदेन के लिए अब इन तीनों के साइन की जरूरत होगी.

नई दिल्ली एजेंसी।
राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी, स्द्धञ्ज जांच, स्द्धक्र; 8 गिरफ्तारियां और चंपत राय, अनिल मिश्रा के इस्तीफे के बाद ट्रस्ट में बड़े और प्रशासनिक बदलाव शुरू हो गए. दअरसल, यह मामला सामने आने के बाद ट्रस्ट में प्रबंधन और उसके पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल खड़े हुए थे. ऐसे में 06 जुलाई को ट्रस्ट के पदाधिकारियों की बैठक के बाद प्रोफेशनल मैनेजमेंट को बढ़ावा देने, ष्टश्वह्र की नियुक्ति और वित्तीय निगरानी को मजबूत करने की तैयारी की जा रही है. इसके लिए पहला कदम उठाया भी जा चुका है.

अब तक ट्रस्ट का महासचिव, श्रीराम जन्मभूमि क्षेत्र के प्रशासनिक और संचालन सबंधी जिम्मेदारियां संभालता था. अब जब चंपत राय ने पद छोड़ दिया है तो उनकी जगह अंतरिम महासचिव के तौर पर कृष्णमोहन की नियुक्ति की गई है. उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती ट्रस्ट की पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति लोगों के विश्वास को बहाल कराना है.

राम मंदिर के बैंक खातों के संचालन को लेकर क्या हुए फैसला?

ट्रस्ट ने सबसे बड़ा बदलाव बैंक राम मंदिर के बैंक खातों के लिए किया है. इसके संचालन के लिए 3 लोगों की समिति बनाई गई है.

अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन के साथ उनके दो सहयोगियों जगदीश आफले और चंदन राय को शामिल किया गया है.

अब बैंक खातों से जुड़े किसी भी वित्तीय लेनदेन के लिए इन तीनों के साइन की जरूरत होगी.

अब किसी एक व्यक्ति के हस्ताक्षण से बैंक संबंधी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाएगी.

अब तक बैंकिंग व्यवस्था की जिम्मेदारी ट्रस्टी अनिल मिश्रा देखते थे. बैंक में उनके ही हस्ताक्षर मान्य थे.

वहीं, कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी के डिजिटल साइन का इस्तेमाल किया जाता था.

ट्रस्ट के इस फैसले से वित्तीय लेन-देन को लेकर पारदर्शिता और जवाबदेही में इजाफा होगा.

चढ़ावे की गिनती को लेकर ट्रस्ट ने क्या-क्या बदलाव किए?

दान व्यवस्था को लेकर भी ट्रस्ट की तरफ से कई बदलाव किए गए. अब इस चढ़ावे की गिनती के लिए मल्टीलेयर निगरानी होगी. इसके लिए गणना स्थल पर 43 लोग मौजूद रहेंगे. साथ ही गणना स्थल के आसपास जहां कैमरे नहीं लगे थे, वहां नए कैमरे लगाए गए हैं. तकरीबन 13 एक्सट्रा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं. दरअसल,ट्रस्ट अब दान पेटी से लेकर नगदी गिनने की हर गतिविधि कैमरे में कैद करना चाहता है.

दान पेटियों से नकदी को गणना स्थल तक ले जाने के लिए 27 एसआईएस (स्द्बस्) सुरक्षा कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है. इस दौरान गणना स्थल से लेकर दानपेटी के बीच के हर पिलर के पास पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे. पिलर नंबर 34 के पास रखी गुप्त पेटी के पास 3 पुलिसकर्मियों की तैनाती के निर्देश हैं.

ट्रस्ट की तरफ से चढ़ावे की नियमित आंतरिक ऑडिट, बाहरी ऑडिट, डिजिटल अकाउंटिंग और भुगतान की ऑनलाइन निगरानी जैसी व्यवस्थाओं पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि भविष्य में किसी भी तरह की वित्तीय अनियमितताओं के विवाद से बचा जा सके.

VIP पास जारी करने को लेकर क्या हुआ फैसला?

राम मंदिर चढ़ावा मामले की एसआईटी जांच के दौरान वीआईपी पास जारी करने को लेकर भी गड़बड़ियां सामने आई. गोपाल राव, जो ट्रस्ट में किसी आधिकारिक पद पर नहीं थे, वह भी वीआईपी पास जारी कर रहे थे. ऐसे में ट्रस्ट ने फैसला किया है कि अब वीआईपी पास अब सिर्फ ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास की डिजटल आईडी से ही जारी किए जाएंगे. बाकी सभी डिजिटल आईडी कार्ड निरस्त कर दिए गए हैं.

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के लिए नियम होंगे कड़े

ट्रस्ट अब परिसर में ड्यूटी पर लगाए गए आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए भी सख्त होने जा रही है. दरअसल, चढ़ावा चोरी में सबसे ज्यादा आउटसोर्स कर्मचारियों की भूमिका पर ही सवाल उठा था. ऐसे में इनके लिए पुलिस वेरिफिकेशन और बैकग्राउंड चेक जैसे नियम कड़े किए जाएंगे. साथ ही इसको लेकर एजेंसियों की जवाबदेही भी तय की जाएगी.

ममता बनर्जी को कलकत्ता हाईकोर्ट से मिल गई राहत

टीएमसी के फ्रीज बैंक अकाउंट से पैसे निकालने की मिल गई मंजूरी

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाई कोर्ट से ममता बनर्जी के गुट को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने गुरुवार को टीएमसी के रोजाना खर्चों को संभालने के लिए पार्टी के फ्रीज किए गए 3 बैंक खातों से पैसे निकालने के लिए अनुमति दे दी है। अदालत ने इसके लिए एक स्पेशल ऑफिसर नियुक्त किया है। 18 जून को बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने तीनों बैंक खातों को फ्रीज कर दिया था। आरोप लगा था कि ये तीनों खाते अपराध से मिली रकम रखने की जगह थे। अदालत ने कलकत्ता हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज सुब्रत तालुकदार को 30 सितंबर, 2026 तक ममता के नेतृत्व वाले गुट के रोजाना के खर्चों को चलाने के लिए स्पेशल ऑफीसर नियुक्त किया।

आंध्र प्रदेश में कोरोना से एक व्यक्ति की मौत

4 दिन इलाज चला, दोनों फेफड़े खराब हो गए थे

दो जिलों में 5 पॉजीटिव केस मिले, सरकार सतर्क

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कडप्पा में 46 साल के एक व्यक्ति की कोविड-19 से मौत हो गई। व्यक्ति को पिछले महीने 24 जून को वेल्लोर के सीएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में उसे निमोनिया पाया गया। कोविड की आशंका पर 26 जून को टेस्ट किया गया, जिसमें रिपोर्ट पॉजिटिव आई। जांच में पता चला कि उसके दोनों फेफड़े गंभीर रूप से संक्रमित होकर निमोनिया की चपेट में आ गए थे। इलाज के दौरान 28 जून को उसकी मौत हो गई। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रवि बाबू ने बताया कि मृतक शराब पीता था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मृतक को सांस फूलने और खांसी की शिकायत के बाद अस्पताल लाया गया था। मृतक के संपर्क में आए लोगों की पहचान कर उनकी ट्रेसिंग भी की जा रही है।

भारत में लॉन्च हुई दुनिया की पहली बेसल इंसुलिन

- डायबिटीज मरीजों को हफ्ते में एक बार ही लगाना होगा इंजेक्शन, कीमत 2611 रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। डेनमार्क की दवा कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने बुधवार को भारत में इंसुलिन आइकोडेक लॉन्च की। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया की पहली सप्ताह में एक बार दी जाने वाली बेसल इंसुलिन है, जो टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज के वयस्क मरीजों के लिए है। इसके आने से रोजाना लगने वाले 365 इंसुलिन इंजेक्शन घटकर साल में 52 रह जाएंगे।

पेन डिवाइस के जरिए सप्ताह में एक बार लगाया जाएगा

मुंबई के डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. राजीव कोविल ने कहा कि सबसे बड़ी खासियत इसकी प्रतिस्पर्धी कीमत है। उनके मुताबिक, यह मौजूदा दैनिक बेसल इंसुलिन के करीब है, जिससे यह तकनीक सिर्फ चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि क्लिनिकल ट्रायल में इस दवा ने कई मामलों में दैनिक बेसल इंसुलिन के बराबर या उससे बेहतर ब्लड शुगर नियंत्रण दिखाया है। भारत में करीब 10.1 करोड़ लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं।

महाराष्ट्र में भी लागू होगा यूनिफॉर्म सिविल कोड

सीएम फड़नवीस ने बनाई सात सदस्यीय कमेटी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भी अब यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लागू करने को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। राज्य की फड़नवीस सरकार ने इसको लेकर गुरुवार को 7 सदस्यों वाली एक कमेटी के गठन करने ऐलान किया है। कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त जज रंजना देसाई करेंगी। विधानसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने बताया कि कमेटी के अन्य सदस्यों में हाई कोर्ट के पूर्व जज आर सी चव्हाण और एस जी मेहरे, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्य सचिव डी के जैन, पूर्व एडवोकेट जनरल वीरेंद्र सराफ, संवैधानिक मामलों के जानकार रमेश पतंगे और शिक्षाविद सुवर्णा रावल

शामिल हैं। सीएम देवेंद्र फड़नवीस कहा कि समिति से छह महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है।

फड़नवीस ने सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया

इससे पहले, फड़नवीस ने कानून को लागू करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और कहा कि एक समान नागरिक संहिता की अवधारणा को संविधान में निहित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों का समर्थन प्राप्त है। डॉ. भीमराव अंबेडकर के दृष्टिकोण का हवाला देते हुए उन्होंने तर्क दिया कि एक साझा नागरिक ढांचा विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे मामलों में समानता और एकरूपता के संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखेगा। इस घटनाक्रम पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन सावंत ने प्रतिक्रिया दी है।

2027 में नीट परीक्षा मात्र 6 दिन चलेगी

- कम्प्यूटर बेस्ड होगी, 1000 से ज्यादा परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे

पेपर लीक विवाद के बाद एनटीए सक्रिय, बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2027 में कम से कम छह दिन चलेगी। यह पूरी तरह कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में कराई जाएगी। परीक्षा के लिए देश भर में 1 हजार से ज्यादा परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे।

नीट पेपर लीक विवाद के बाद यह बदलाव किए जा रहे हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी हर साल मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए नीट आयोजित करता है। अभी तक यह परीक्षा पेन-पेपर मोड में होती रही है। नीट यूजी में हर साल करीब 25 लाख कैंडीडेट्स हिस्सा लेते हैं।

एनटीए ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि परीक्षा की नई योजना अभी तैयार की जा रही है। इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा नीट की तरह सीबीएसई भी अलग-अलग दिनों में आयोजित होगी।

एग्जाम मोड में बदलाव की वजह पेपर लीक विवाद- नीट में यह बदलाव 2024 में पेपर लीक और अन्य गड़बड़ियों के विवाद के बाद सामने आया है। इसके बाद केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि नीट यूजी अब पेन-पेपर की बजाय पीपीपी मोड में कराई जाएगी। शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच कई वर्षों से इस बदलाव पर चर्चा चल रही थी, लेकिन परीक्षा सुधारों की प्रक्रिया पेपर लीक विवाद के बाद तेज हुई। इसी परीक्षा के नतीजों के आधार पर डेंटिस्ट्री, आयुर्वेद, यूनानी और सिद्ध चिकित्सा के स्नातक पाठ्यक्रमों में भी दाखिला दिया जाता है।

अमेरिका और ईरान संधि टूटते ही 7 प्रतिशत से ज्यादा भागा क्रूड ऑयल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कल ही ईरान के साथ अंतरिम युद्ध विराम खत्म होने की घोषणा की है। इसी के साथ ईराक पर अमेरिका हमले और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईराकी हमले तेज हो गए हैं। इस वजह से इंटरनेशनल क्रूड मार्केट में कल 7 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी दिखी। इसी के साथ कच्चे तेल का दाम बुधवार को ही दो सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी कंपनियों ने गुरुवार, 9 जुलाई 2026, को भी दाम में कोई बदलाव नहीं किया। अपने यहां 25 मई 2026 के बाद इनके दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियां इस साल मई में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। ऐसा महज 11 दिनों में हुआ था। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। उसके बाद दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है।

वहीं, एचपीसीएल उपभोक्ता के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9222201122 नंबर पर भेजकर भाव पता कर सकते हैं।

डीजल की कीमत क्या है

सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है। क्रूड ऑयल में फिर लगी आग अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कल ही ईरान के साथ हुए अंतरिम युद्ध विराम को खत्म करने की घोषणा की। फिर क्या था, अमेरिका और ईरान की तरफ से एक बार फिर ताबड़-तोड़ हमले होने लगे। जाहिर है कि इसका असर कच्चे तेल के बाजार पर तो पड़ना ही था। कल ही क्रूड ऑयल के रेट में में सात फीसदी से भी ज्यादा की तेजी दिखी। स्टेंडर्ड माने जाने वाला 7.6 प्रतिशत बढ़ कर 79.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी भी 7.2 प्रतिशत तेज हो कर 75.40 डॉलर प्रति बैरल पर चला गया। भारत में पेट्रोल-डीजल के भाव जब भी बदलते हैं, तब सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज का रेट आप के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल के कस्टमर के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल उपभोक्ता ऋरूळ्के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं।

रॉकेट बना कल्याण ज्वेलरी का स्टॉक, 1 दिन में 17 प्रतिशत से ज्यादा उछला शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं, तो कल्याण ज्वेलर्स का नाम तो सुना ही होगा, जो आज काफी ज्यादा चर्चा में है। कंपनी के शेयर गुरुवार को करीब 17 प्रतिशत से ज्यादा उछलकर इंट्राडे हाई पर पहुंच गए। इसकी सबसे बड़ी वजह कंपनी का शानदार बिजनेस अपडेट रहा। कल्याण ज्वेलर्स ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कंसोलिडेटेड रेवेन्यू में 38 प्रतिशत सालाना बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। मजबूत बिक्री और ग्राहकों की बढ़ती मांग ने कंपनी के प्रदर्शन को नई ऊंचाई दी है। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। कंपनी ने बताया कि अधिक मास के पूरे 28 दिन पहली तिमाही में आने के बावजूद कारोबार पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। आमतौर पर अधिक मास के दौरान शादी-ब्याह से जुड़ी खरीदारी धीमी पड़ जाती है, लेकिन इसके बावजूद कंपनी के पुराने स्टोर्स की बिक्री में करीब 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इससे साफ है कि ग्राहकों की मांग लगातार मजबूत बनी हुई है। कल्याण ज्वेलर्स ने इस दौरान गोल्ड रीसाइक्लिंग कैंपेन भी शुरू किया। इस पहल का मकसद आयातित सोने पर निर्भरता कम करना और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देना है। कंपनी के अनुसार, पहली तिमाही में कुल रेवेन्यू का 46 प्रतिशत हिस्सा रीसाइक्लिंग वाले सोने से आया, जबकि जून महीने में यह आंकड़ा 55 प्रतिशत तक पहुंच गया। इससे कंपनी की लागत कम करने और सस्टेनेबल बिजनेस मॉडल बनाने में मदद मिलेगी। भारत के अलावा कंपनी का अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी शानदार रहा। विदेशी बिजनेस में 35 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की गई, जबकि मिडिल ईस्ट में रेवेन्यू करीब 30 प्रतिशत बढ़ा।

विजय केडिया ने खरीदे आईवेयर के 4.99 लाख शेयर, 88 का स्टॉक 400 के पार

नईदिल्ली, एजेंसी। आईवेयर सप्लाई चेन सर्विसेज का शेयर गुरुवार को लगातार दूसरे सत्र में 5 प्रतिशत के अपर सर्किट पर पहुंच गया। एनएसई पर यह स्मॉल-कैप स्टॉक 402.65 रुपये प्रति शेयर के 52-सप्ताह के हाई पर पहुंच गया, जहां केवल खरीदार थे और कोई बेचने वाला नहीं था। दो सत्रों में, आईवेयर सप्लाई चेन सर्विसेज के शेयर में भारी वॉल्यूम के साथ 10.24 प्रतिशत की तेजी आई। सुबह सवा 11 बजे, एनएसई पर आईवेयर सप्लाई चेन सर्विसेज का शेयर 402.65 रुपये प्रति शेयर पर 5 प्रतिशत अपर सर्किट पर लॉक था। एक साल पहले यह स्टॉक 88 रुपये का था। विजय केडिया ने बढ़ाई हिस्सेदारी: आईवेयर सप्लाई चेन सर्विसेज के शेयर में यह तेजी तब आई जब दिग्गज निवेशक विजय केडिया ने खुले बाजार से खरीदारी करके इस लॉजिस्टिक्स सेवा कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई। एनएसई के बल्क डील आंकड़ों के अनुसार, विजय केडिया की फर्म केडिया सिक्योरिटीज ने आईवेयर सप्लाई चेन सर्विसेज के 2.32 लाख शेयर 348.25 रुपये प्रति शेयर और 2.67 लाख शेयर 348.85 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खरीदे। कुल मिलाकर, केडिया सिक्योरिटीज ने कंपनी के 4.99 लाख इक्विटी शेयर हासिल किए, जो 4.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है और इसकी कीमत 17.44 करोड़ रुपये है। इस नई खरीदारी के बाद, विजय केडिया की आईवेयर सप्लाई चेन सर्विसेज में कुल हिस्सेदारी, उनकी व्यक्तिगत हिस्सेदारी और केडिया सिक्योरिटीज के जरिए मिलाकर, जून तिमाही के अंत में 6 प्रतिशत से बढ़कर 10.35 प्रतिशत हो गई है। गेटफाइव अपॉर्चुनिटी फंड ने भी खरीदे शेयर: इसके अलावा, एनएसई बल्क डील आंकड़ों से पता चला कि गेटफाइव अपॉर्चुनिटी फंड- ने भी आईवेयर सप्लाई चेन सर्विसेज के 99,000 शेयर 365.25 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 3.61 करोड़ रुपये में खरीदे। वहीं, प्रमोटर इकाई इंटर इंडिया रोडवेज ने आईवेयर सप्लाई चेन सर्विसेज के 7.04 लाख शेयर, जो 6.12 प्रतिशत हिस्सेदारी है, 354.03 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर बेचे। इस सौदे का मूल्य 24.93 करोड़ रुपये रहा। आईवेयर सप्लाई चेन सर्विसेज के शेयर ने एक महीने में 22 प्रतिशत और तीन महीनों में 74 प्रतिशत की तेजी दर्ज की है। इस स्मॉल-कैप स्टॉक ने साल-दर-साल आधार पर 104 प्रतिशत की छलांग लगाई है और पिछले एक साल में 358 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न दिया है।

...तो बेसिक सैलरी 18,000 से बढ़कर 72,000 हो जाएगी

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन, भत्तों और पेंशनर्स के पेंशन को लेकर आज कोलकाता में 8वें वेतन आयोग की दो दिवसीय स्टेक होल्डर्स की बैठक शुरू हो रही है। यह बैठक 10 जुलाई तक चलेगी और इसमें विभिन्न कर्मचारी संघों, पेंशनर्स संगठनों और अन्य हितधारकों से फीडबैक, विचार और सुझाव लिए जाएंगे। इस बैठक में भाग लेने वाले कर्मचारी संघ और हितधारक कई लंबित मांगों को उठा सकते हैं। सरकार अंतिम निर्णय लेने से पहले इन बैठकों को बेहद अहम मान रही है। हाल ही में भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ ने 4 गुना फिटमेंट फैक्टर का प्रस्ताव दिया है। अगर यह प्रस्ताव आयोग मान लेता है तो मिनिमम बेसिक सैलरी 72,000 रुपये हो जाएगी। कोलकाता से पहले 8वें वेतन आयोग ने 6-7 जुलाई को भुवनेश्वर में परामर्श बैठकें आयोजित की थीं, जहां संघों, कर्मचारी यूनियनों, पेंशनभोगियों और अन्य हितधारकों के साथ चर्चा हुई। इसके अलावा, दिल्ली, लखनऊ, हैदराबाद, श्रीनगर और लद्दाख में भी इसी तरह की बैठकें पहले ही आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में कर्मचारियों की आम शिकायतों और उम्मीदों पर चर्चा होने की संभावना है। इन बैठकों से मिले सुझाव 8वें वेतन आयोग की अंतिम रिपोर्ट का मार्ग प्रशस्त करेंगे। यह रिपोर्ट केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स के जीवन को सीधे प्रभावित करेगी और यह तय करेगी कि उनके वेतन में किस तरह संशोधन किया जाएगा।

बहुत सारे खराब आइडियाज के बिना कुछ अच्छे आइडिया पैदा करना असंभव है

नई दिल्ली, एजेंसी। बिजनेस और समाज-सेवा की दुनिया में अजीम प्रेमजी एक प्रेरणादायक हस्ती हैं। उनकी कहानी लीडरशिप, लगन और किसी बड़े मकसद के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की बदलाव लाने वाली ताकत का सबूत है। विप्रो के संस्थापक होने के साथ वह भारत के सबसे बड़े परोपकारियों में से एक हैं। अजीम प्रेमजी के विचार व्यवसाय, नेतृत्व और जीवन की सादगी को लेकर बेहद व्यावहारिक और प्रेरणादायक हैं। आइए, यहां उनके ऐसे ही 10 विचारों के बारे में जानते हैं।

बहुत सारे खराब आइडियाज के बिना कुछ अच्छे आइडियाज पैदा करना असंभव है। इसलिए बिजनेस में असफलताओं को जल्दी माफ कर देना चाहिए और भूल जाना चाहिए।

बेहतरीन काम (एक्सीलेंस) क्या है यह खुद से की जाने वाली उम्मीदों से कहीं आगे बढ़कर काम करने के बारे में है। बेहतरीन काम करने की जरूरत का एक हिस्सा हमारे कस्टमर्स की वजह से हम पर आता है। हमारा कॉम्पिटिशन हमें हमेशा सतर्क रखता है, खासकर तब जब वह ग्लोबल लेवल का हो।

अगर किसी के पास सामान्य से कहीं ज्यादा दौलत है तो यह स्वाभाविक है कि समाज के लिए उस दौलत का इस्तेमाल और उससे लाभ उठाने के तरीके को लेकर एक जिम्मेदारी की उम्मीद की जाए।

कंज्यूमर बिजनेस में होने से हमें मार्केटिंग, फाइनेंस और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में टैलेंट को तैयार करने में मदद मिलती है। हम अपने आउटसोर्सिंग बिजनेस की तुलना अपने कंज्यूमर बिजनेस और उसके बेहतरीन तौर-तरीकों से कर सकते हैं।

मुझे लगता है कि हमारी सफलता का सबसे अहम कारण यह है कि ग्लोबलाइजेशन की दिशा में अपनी यात्रा की शुरुआत में ही हमने लोगों में निवेश किया - और हमने लगातार ऐसा किया है, खासकर सर्विस बिजनेस में।

आपको लंबे समय तक चलने वाली प्रतिबद्धता और लीडरशिप के प्रति प्रतिबद्धता की जरूरत होती है, क्योंकि यही एकमात्र तरीका है जिससे आप बेहतरीन काम (एक्सीलेंस) हासिल कर सकते हैं। पीएम मोदी पर टिप्पणी के बाद ख्वाजा आसिफ को भारत का कैसा मुंहतोड़ जवाब

अगर लोग आपके लक्ष्यों पर हंस नहीं रहे हैं तो इसका मतलब है कि आपके लक्ष्य बहुत छोटे हैं।

नेतृत्व केवल जिम्मेदारी लेने के बारे में नहीं है, बल्कि यह दूसरों को अपनी जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाने के लिए सक्षम बनाने के बारे में है। यदि आप गलतियां नहीं कर रहे हैं तो इसका मतलब है कि आप कुछ भी नया करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। महत्वपूर्ण यह है कि आप अपनी गलतियों को दोहराएं नहीं।

तीन सरकारी कंपनियां, तीन महीने और 47,700 करोड़ की चपत!

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संकट एक बार फिर गहरा गया है। इससे कच्चे तेल की कीमत में बुधवार को करीब 6 फीसदी तेजी आई और आज भी यह तेजी के साथ ट्रेड कर रहा है। अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले शुरू किए थे। यह संघर्ष करीब 100 दिन से अधिक समय तक चला और इस दौरान कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई। इसका सबसे बुरा असर भारत की सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों पर पड़ा है। एनालिस्ट्स का कहना है कि जून तिमाही में एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल को कुल मिलाकर 47,700 करोड़ तक का नुकसान हो सकता है।

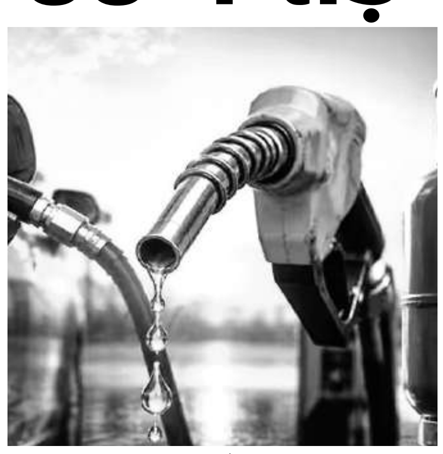

जापानी ब्रोकरेज नोमुरा का अनुमान है कि एचपीसीएल को 13,900 करोड़ रुपये, बीपीसीएल को 15,800 करोड़ रुपये और आईओसीएल 17,300 करोड़ रुपये का एबिटा लॉस होगा। इसकी वजह यह है कि इन कंपनियों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की रिटेल बिक्री पर भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। हालांकि कंपनियों ने कीमतों में कुछ बढ़ोतरी की थी लेकिन वे कच्चे तेल की बढ़ी कीमतों का पूरा बोझ ग्राहकों पर नहीं डाल पाईं।

नोमुरा का अनुमान है कि पहली तिमाही में एलपीजी से अंडर-रिकवरी 560 रुपये प्रति सिलेंडर होगी, जो पिछले साल की चौथी तिमाही में 77 रुपये प्रति सिलेंडर थी। जेएम फाइनेंशियल के मुताबिक पहली तिमाही में एलपीजी अंडर-रिकवरी लगभग 25,000 करोड़ रुपये पहुंच जाएगी जो पिछली तिमाही में 5,000 करोड़ रुपये थी। पेट्रोल और डीजल की कीमत में बढ़ोतरी के बावजूद कंपनियों को अंडर-रिकवरी का सामना करना पड़ रहा है।

एलपीजी सिलेंडर पर घाटा

घरेलू ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल का अनुमान है कि पहली तिमाही में तीन सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को कुल मिलाकर लगभग 47,700 करोड़ का नुकसान हो सकता है। उसके मुताबिक एचपीसीएल को 17,300 करोड़, आईओसीएल को 17,200 करोड़ और बीपीसीएल को 13,200 करोड़ का नुकसान होने की आशंका है। मोतीलाल ओसवाल ने तीनों कंपनियों को कुल मिलाकर 36,400 करोड़ रुपये का का नुकसान होने का अनुमान जताया है।

रोजाना कितना नुकसान: एनालिस्ट्स का अनुमान है कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को रोजाना 1,380 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। उन्हें मार्केटिंग मार्जिन को बराबर करने के लिए ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 25 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की जरूरत होगी। नोमुरा का मानना है कि तीन ऑयल मार्केटिंग कंपनियों में से एचपीसीएल पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा क्योंकि उसका मार्केटिंग एक्सपोजर ज्यादा है।

एयर इंडिया के सीईओ की नियुक्ति को लेकर फंसा पेच

नई दिल्ली, एजेंसी। एयर इंडिया के नए सीईओ की नियुक्ति पर पेच फंस गया है। इसे देखते हुए टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन कंपनी को चलाने के लिए एक अंतरिम मैनेजमेंट कमिटी बना रहे हैं। कंपनी के विदेशी सीईओ कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है और वह कुछ ही दिनों में एयरलाइन छोड़ रहे हैं। लेकिन अगले सीईओ के तौर पर निपुण अग्रवाल की प्रस्तावित नियुक्ति का विरोध हो रहा है। विरोध करने वालों में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा भी शामिल हैं।

ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि एयर इंडिया की अंतरिम मैनेजमेंट कमिटी में चंद्रशेखरन, कंपनी के पूर्व सीएमडी प्रदीप सिंह खरोला और अन्य सीनियर एग्जीक्यूटिव शामिल होंगे। विल्सन सितंबर में एयरलाइन छोड़ेंगे। इस बीच एयरलाइन के अगले चीफ एग्जीक्यूटिव की अनौपचारिक तलाश जारी रहेगी। टाटा संस ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। अग्रवाल एयर इंडिया में सीईओ पद के लिए

मजबूत दावेदार बने हुए हैं। वह 2022 से एयर इंडिया के चीफ कमर्शियल ऑफिसर हैं और कमर्शियल ऑपरेशन्स को देख रहे हैं। वह पहले टाटा संस, बैंक ऑफ अमेरिका मेरिल लिंच, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक और बीपी में सीनियर पदों पर काम किया है। सूत्रों ने बताया कि खरोला को ऑपरेशन्स को सुव्यवस्थित करने और कामकाज को बेहतर बनाने में मदद के लिए लाया गया है।

खरोला को जून में चंद्रशेखरन का एग्जीक्यूटिव एडवाइजर नियुक्त किया गया था। एयरलाइन मैनेजमेंट में बदलाव से पहले अपनी लीडरशिप को मजबूत कर रही है। चंद्रशेखरन एयर इंडिया के ऑपरेशन्स को दुरुस्त करने, क्वालिटी कंट्रोल को मजबूत करने और एयरलाइन को जल्द से जल्द मुनाफे में लाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने एयर इंडिया के कामकाज की साप्ताहिक समीक्षा शुरू कर दी है।

हाल ही में टाटा संस की बोर्ड मीटिंग्स में भी एयर इंडिया पर काफी चर्चा हुई है। इसमें नोएल टाटा ने कंपनी के लगातार बढ़ रहे घाटे का मुद्दा उठाया था। एयर इंडिया की को-ओनर सिंगापुर एयरलाइंस की फाइनेंशियल ईयर 2026 की सालाना रिपोर्ट के अनुसार एयर इंडिया का घाटा 27,800 करोड़ हो गया जो पिछले साल 2,130 करोड़ था। एयर इंडिया में टाटा की हिस्सेदारी 74.9 प्रतिशत है।

6 लाख की सेविंग से खड़ी कर दी 2.2 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। रांची की एक महिला ने कमाल कर दिया है। उनका नाम रितु पाठक है। उन्होंने सह-संस्थापक बिनोद सिंह के साथ मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में उतरने का फैसला किया। साल 2013 में सिर्फ 6 लाख रुपये की सेविंग के साथ इस बिजनेस की शुरुआत है। उनके स्टार्टअप का नाम 'एचएम हर्बल्स' है। आज यह 2.2 करोड़ रुपये के सालाना टर्नओवर वाला सफल कारोबार बन चुका है। यह सटीक और एनवॉयरमेंट-फ्रेंडली डिस्टिलेशन मशीनों की बिक्री करता है। इसके जरिए इस स्टार्टअप ने देश के 650 से अधिक किसानों और छोटे उद्यमियों को सशक्त बनाया है। अब कंपनी का टारगेट अगले कुछ सालों में 10 करोड़ रुपये के रेवेन्यू के आंकड़े को पार करना है। आइए, यहां रितु पाठक की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

बड़ा है प्रोडक्ट पोर्टफोलियो- शुरुआती दौर में ग्राहकों का भरोसा जीतना और कैश-फ्लो बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती थी। इसे रितु ने भारी डिस्काउंट और बेहतरीन फील्ड सपोर्ट देकर पार किया। आज कंपनी मिनी डिस्टिलेशन, फील्ड डिस्टिलेशन, हाइड्रो डिस्टिलेशन, अर्क डिस्टिलेशन और इलेक्ट्रिक डिस्टिलेशन सिस्टम की एक बड़ी रेंज बनाती है। इनकी कीमतें छोटे उद्यमियों के लिए 15,000 रुपये से शुरू होकर बड़े उद्योगों के लिए 80 लाख रुपये तक जाती हैं। इन मशीनों का इस्तेमाल आयुर्वेद, कॉस्मेटिक्स, फार्मास्युटिकल और वेलनेस उद्योगों में

एसेंशियल ऑयल, हर्बल अर्क और गुलाब जल निकालने के लिए किया जाता है।

रितु ने बाजार की इस कमजोरी को पकड़ा कि ज्यादातर बड़ी कंपनियां केवल भारी औद्योगिक मशीनों पर फोकस कर रही थीं। इसलिए, उन्होंने छोटे पैमाने की यूनिट्स पर ध्यान दिया जो तेजी से डिलीवर हो सकें। कंपनी ने तकनीक में सुधार करते हुए ऐसी इलेक्ट्रिक डिस्टिलेशन मशीनें तैयार की हैं जो ईंधन की खपत को करीब 30 प्रतिशत तक कम करती हैं। पारंपरिक कूलिंग विधियों के मुकाबले सिर्फ 5 प्रतिशत पानी का इस्तेमाल करती हैं। इसके अलावा, कंपनी अब डेटा-संचालित नियंत्रण के लिए टच-पैनल आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम भी विकसित कर रही है। इससे लेबर पर निर्भरता कम होगी।

आज कंपनी के पास 24 कर्मचारियों की टीम है। 6,700 वर्ग फीट का मैन्युफैक्चरिंग प्लांट है। यह अब तक 4,000 से अधिक ग्राहकों को 1,122 से ज्यादा मशीनें बेच चुका है। साल 2016 में फेसबुक के जरिए दक्षिण अफ्रीका से मिले पहले एक्सपोर्ट ऑर्डर के बाद आज कंपनी नेपाल, केन्या, श्रीलंका और खाड़ी देशों में भी निर्यात करती है। इसके कुल रेवेन्यू का यह 10 प्रतिशत है।

अपने अनुभव से मिला बिजनेस आइडिया

बात है साल 2013 की। तब एंट्रीप्रेन्योर रितु पाठक को एरोमैटिक फार्मिंग के लिए सही डिस्टिलेशन यूनिट की तलाश थी। खोजने पर उन्हें बाजार में सिर्फ निराशा हाथ लगी। उस समय उपलब्ध पारंपरिक मशीनें जल्दी खराब हो जाती थीं। ईंधन ज्यादा खाती थीं। तेल का उत्पादन भी कम और घटिया देती थीं। इस समस्या को भांपते हुए रितु पाठक और बिनोद सिंह ने खुद मशीनें बनाने का फैसला किया। कारण था कि वे जड़ी-बूटियों, पत्तों, जड़ों और फूलों के व्यवहार को अच्छी तरह समझते थे। उन्होंने 6 लाख रुपये के निवेश से 'एचएम हर्बल्स' की नींव रखी। अपनी पहली 2,000 लीटर की हाइड्रो डिस्टिलेशन यूनिट एक किसान को 1.5 लाख रुपये में बेची।

पीएफ क्लेम खारिज होने का चांस होगा कम, पेंशनर देश में कहीं भी अपने बैंक खाते में ले सकेंगे पेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। एंप्लॉयीज प्रॉविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन ने एक सेंट्रलाइज्ड सिस्टम बना लिया है। इसके तहत सभी रीजनल और फील्ड ऑफिसेज से सदस्यों के रेकॉर्ड एक सेंट्रलाइज्ड नैशनल डेटाबेस में ला दिए गए हैं। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब मेंबर देश में किसी भी ऑफिस में आवेदन कर सकते हैं और वहीं से सेवा मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि पहली बार नए सिस्टम से के सालाना ब्याज की ऑटो-प्रोसेसिंग हो रही है। वित्त वर्ष 2025-26 का 8.25 प्रतिशत की दर से इंटरेस्ट लगभग 34 करोड़ खातों में 15 जुलाई तक भेज दिया जाएगा। सदस्य इसे ऑनलाइन चेक कर सकेंगे।

मांडविया ने कहा, 'पहले इंटरेस्ट की घोषणा के बाद खाते में ब्याज पहुंचने में अक्टूबर-नवंबर तक का समय लग जाता था। अब यह प्रक्रिया ऑटोमेटेड और समयबद्ध हो गई है। 15 जुलाई तक सभी खातों में कुल 1.44 लाख करोड़ रुपये से अधिक ब्याज भेज दिया जाएगा।'

मांडविया ने बताया कि 5 लाख रुपये तक के क्लेम के ऑटो सेटलमेंट के तहत सेटलमेंट के दिन ही पैसा सदस्य के बैंक खाते में चला जाएगा। फाइनल सेटलमेंट में अब ब्याज की गणना पेमेंट ऑथराइजेशन की तारीख तक की जाएगी। पहले पिछले महीने के अंतिम दिन तक ही ब्याज की गणना होती थी। पेंशनर किसी भी ऑफिस से सेवा ले सकेंगे और लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर सकेंगे। पेंशनर देश में कहीं भी अपने बैंक खाते में पेंशन ले सकेंगे। पहले उन्हें उसी ब्रांच ऑफिस से पेंशन मिलती थी, जहां उनका पेंशन पेमेंट ऑर्डर लिंक हो। जॉब बदलने पर आधार लिंक्ड वाले खातों का ऑटोमैटिक ट्रांसफर होगा और सर्विस हिस्ट्री भी इसी तरह ट्रांसफर हो जाएगी, जिससे पेंशन की पात्रता के लिए सेवा काल की निरंतरता बनी रहेगी। पहले जॉब बदलने पर पिछले और नए एंप्लॉयर के साथ ऑफिस की मंजूरी की जरूरत होती थी और सर्विस हिस्ट्री ट्रांसफर के लिए अलग से क्लेम करना होता था।

संक्षिप्त

केस वापस लेने के नाम पर मुझसे पैसे मांगे गए: शशांक सिंह

भोपाल, एजेंसी। पंजाब किंग्स के स्टार क्रिकेटर शशांक सिंह पिछले कुछ दिनों से चर्चा में हैं। भोपाल स्थित उनके घर के रसोइए ने शशांक, उनके पिता शैलेश सिंह और ड्राइवर पर मारपीट, गाली-गलौज करने और बंधक बनाने का आरोप लगाते हुए 30 जून 2026 को स्थानीय थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। शशांक सिंह ने इस पूरे विवाद को उनकी सार्वजनिक छवि को खराब करने और पैसे वसूलने की साजिश करार दिया है। शशांक सिंह ने बताया कि रसोइया आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ पहले भी आपराधिक केस दर्ज हुए हैं। उन्होंने कहा, "वह आदतन अपराधी था। उसके खिलाफ पहले ही 9 एफआईआर दर्ज हो चुकी थी। 2018 से उसके खिलाफ केस दर्ज हो रहे थे। उसके खिलाफ सेक्शन 307 के तहत हत्या की कोशिश का केस भी दर्ज था। यह सब मेरे लिए चौंकाने वाला था। हम इसलिए भी हैरान थे क्योंकि जब वह हमारे घर से निकला था, तो वह ठीक था।

अदिति एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 33वें स्थान पर

एवियन-लेस-बैंस (फ्रांस), एजेंसी। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने तीसरे राउंड में दो अंडर 69 का स्कोर बनाया जिससे वह एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त 33वें स्थान पर पहुंच गईं। अदिति ने पार-71 वाले कोर्स पर शुरुआती दो राउंड में एक समान 70 का स्कोर बनाया था। उन्होंने तीसरे राउंड में दो बोगी की और चार बर्डी बनाईं। दक्षिण कोरिया की हेरान रियू ने तीसरे राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 अंडर 60 का कोर्स-रिकॉर्ड बनाया जिससे उन्होंने 54-होल के बाद तीन शॉट की बढ़त हासिल कर ली।

महान फुटबॉलर एंटोनियो रैटीन का 89 साल की उम्र में निधन

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर और पूर्व कप्तान एंटोनियो उबाल्डो रैटीन का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से अर्जेंटीना और विश्व फुटबॉल जगत में शोक की लहर है। रैटीन की गिनती देश के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों और कप्तानों में की जाती थी। उन्होंने 1959 से 1969 तक अर्जेंटीना की नेशनल टीम का प्रतिनिधित्व किया और 1962 तथा 1966 के फीफा विश्व कप में भी हिस्सा लिया। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। एसोसिएशन ने एक बयान में कहा गया, "अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन अपने अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया के जरिए एंटोनियो उबाल्डो रैटीन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। वे अर्जेंटीना की नेशनल टीम के इतिहास के सबसे बड़े प्रतीकों में से एक और अर्जेंटीना फुटबॉल के निर्विवाद आइकन थे, जिनका आज 89 साल की उम्र में निधन हो गया।"

लॉर्ड्स की सम्मान पट्टिका पर नाम होना बेहद गर्व की बात: क्रांति गौड़

लंदन, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने के बाद 'लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड' (सम्मान पट्टिका) पर नाम दर्ज कराने वाली पहली महिला बनना उनके और उनके परिवार के लिए बेहद गर्व की बात है। क्रांति ने 37 रन देकर पांच विकेट लिए जिससे भारत ने इंग्लैंड को 170 रन पर आउट कर दिया और इस तरह से पहली पारी में 115 रन की बढ़त हासिल की। भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में एक विकेट पर 154 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 269 रन की हो गई है। क्रांति ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद पत्रकारों से कहा, '' यह मेरे लिए पूरी तरह से अलग अहसास है। लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराने वाली पहली महिला बनने पर मुझे बहुत गर्व है।

'बैजबॉल' युग का अंत

ब्रेंडन मैकुलम ने छोड़ा इंग्लैंड टेस्ट टीम के हेड कोच का पद

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट में एक बड़े बदलाव के तहत ब्रेंडन मैकुलम ने पुरुष टेस्ट टीम के हेड कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, वह इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीमों के साथ बतौर मुख्य कोच जुड़े रहेंगे। मैकुलम के रेड-बॉल क्रिकेट से हटने के साथ ही इंग्लैंड के चर्चित 'बैजबॉल' युग का भी अंत हो गया है, जिसने पिछले कुछ वर्षों में टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके को बदला था।

मैकुलम का फैसला टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के लगातार खराब प्रदर्शन के बाद आया है। कुछ ही समय पहले स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था। मैकुलम एरा में स्टोक्स इंग्लैंड टीम के कप्तान थे। मैकुलम और स्टोक्स के इस्तीफे के बाद इंग्लैंड को अब टेस्ट फॉर्मेट में स्थाई कोच और कप्तान की तलाश होगी।

मैकुलम ने अपने बयान में कहा कि टेस्ट टीम को छोड़ना उनके लिए भावनात्मक फैसला है, लेकिन वह इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के निर्णय का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें टेस्ट टीम के साथ काम करना बेहद पसंद रहा और इस दौरान मिली उपलब्धियों पर उन्हें गर्व है।

उन्होंने कहा, "मुझे टेस्ट टीम को कोचिंग देना बहुत पसंद था। हमने साथ मिलकर कई शानदार पल देखे और कुछ मुश्किल दौर भी आए। यह मेरे लिए सम्मान की बात रही कि मुझे इंग्लैंड जैसी टीम के साथ काम करने का मौका मिला। खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और प्रशंसकों ने इस सफर में जो समर्थन दिया, उसके लिए मैं आभारी हूं। मैकुलम ने यह भी स्पष्ट किया कि अब उनका पूरा ध्यान इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीमों को आगे ले जाने पर रहेगा। उन्होंने कहा कि टेस्ट टीम में काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और उन्हें उम्मीद है कि टीम भविष्य में बड़ी सफलताएं हासिल करेगी।

ब्रेंडन मैकुलम का टेस्ट कोच के रूप में कार्यकाल 2022 में शुरू हुआ था। उनके आने के बाद इंग्लैंड ने आक्रामक और निडर क्रिकेट की नई शैली अपनाई, जिसे 'बैजबॉल' नाम दिया गया। इस रणनीति ने शुरुआत में शानदार परिणाम दिए और इंग्लैंड ने कई यादगार जीत दर्ज कीं। टीम के बल्लेबाजों ने जोखिम लेने वाली शैली अपनाई और टेस्ट क्रिकेट को तेज गति से खेलने की कोशिश की।

विश्व कप में लगातार गोल का मेस्सी का सिलसिला टूटा

कंसास सिटी, एजेंसी।

विश्व कप में लगातार गोल का लियोनेल मेस्सी का नौ मैचों का सिलसिला आखिरकार स्विटजरलैंड के खिलाफ टूट गया लेकिन अर्जेंटीना को स्विटजरलैंड पर 3 . 1 से जीत दिलाने में उन्होंने अहम योगदान दिया ।

इस विश्व कप में फ्रांस के कीलियन एमबाप्पे के साथ सर्वाधिक आठ गोल कर चुके मेस्सी ने दसवें मिनट में कॉर्नर किक हासिल की और अपने कलात्मक खेल से बॉक्स के भीतर एलेक्सिस मैक एलिस्टर को गेंद सौंपी जिन्होंने अर्जेंटीना को बढत दिलाई। दूसरे हाफ में दाहिने घुटने के पास ठोकर लगने से मेस्सी को ट्रेनर की मदद लेनी पड़ी थी।

स्विटजरलैंड ने 67वें मिनट में बराबरी का गोल किया लेकिन अतिरिक्त समय में जूलियन अल्वारेज और लौतारो मार्तिनेज के गोल के दम पर अर्जेंटीना ने 3 . 1 से जीत दर्ज की। अब अर्जेंटीना का सामना बुधवार को अटलांटा में इंग्लैंड से होगा।

मैच से पहले स्विटजरलैंड के कोच मुरात याकिन से पूछा गया था कि मेस्सी को कैसे रोकेंगे जो विश्व कप के कैरियर में अब तक 21 गोल कर चुके हैं और पिछले नौ मैचों में गोल किया है। इस पर उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा ,'' यह काफी हैरान करने वाला सवाल है ।कई विकल्प है जिनमें से हम सर्वश्रेष्ठ चुनेंगे। स्विटजरलैंड ने मेस्सी को गोल नहीं करने दिया।

मेस्सी ने टूर्नामेंट के पहले मैच में अल्जीरिया के खिलाफ हैट्रिक लगाई थी । आसट्रिया और मिस्र के खिलाफ पेनल्टी चूकने के बावजूद उनका करिश्मा कम नहीं हुआ ।

मिस्र के खिलाफ 79वें मिनट तक दो गोल से पीछे चल रही अर्जेंटीना के लिये क्रिस्टियन रोमेरो के हेडर में सहायता मेस्सी ने की थी। इसके चार मिनट बाद उन्होंने गोल किया और एंजो फर्नांडिज ने स्टॉपेज टाइम में गोल करके टीम को जीत दिलाई थी।

आईपीएल के आधार पर टीम का चयन नहीं करें: मांजरेकर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने ब्रिटेन के दौरे में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मिली हार के लिए खिलाड़ियों को दोष देने के बजाय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से जुड़ी समस्याओं को दूर करने का आग्रह किया और कहा कि टीम का चयन आईपीएल के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। मौजूदा चैंपियन भारत के लिए यह दौरा निराशाजनक रहा। आयरलैंड से 0-2 से हारने के बाद उसे पांच मैचों की टी20 श्रृंखला में इंग्लैंड के हाथों 0-4 से करारी हार का सामना करना पड़ा। मांजरेकर ने एक्स पर लिखा, ''विदेशी धरती पर मिली इस पराजय के लिए खिलाड़ियों को आसानी से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है लेकिन मुझे लगता है कि उन लोगों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए जिन्होंने आईपीएल को बल्लेबाजों के लिए अनुकूल बना दिया है जिससे भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव पड़ता है।''

परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में नाकामी का खामियाजा भुगता: अय्यर

साउथम्प्टन, एजेंसी।

भारतीय टी20 टीम के नए कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि उनकी टीम ब्रिटेन की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में नाकाम रही जिसके कारण उसे आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इससे उन्हें भविष्य में बेहतर कप्तान बनने में मदद मिलेगी।

भारत की टी20 विश्व कप जीत के बाद सूर्यकुमार यादव की जगह कप्तान नियुक्त किए गए अय्यर की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम को आयरलैंड से 0-2 से हार का सामना करना पड़ा और फिर वह पहले मैच के बारिश के कारण रद्द होने के बाद इंग्लैंड से टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 0-4 से हार गई।

अय्यर ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें मैच में हार के बाद संवाददाताओं से कहा, ''अपेक्षाओं से निपटना वास्तव में मुश्किल नहीं है। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे कप्तानी करने का मौका मिला है। प्रत्येक व्यक्ति भारतीय टीम की कप्तानी करने और शीर्ष स्तर पर जिम्मेदारी संभालने का सपना देखता है। निश्चित रूप से मुझे दबाव पसंद है। उन्होंने कहा, ''इसलिए दबाव में अच्छा प्रदर्शन करना, इन मैच से सीखना निश्चित रूप से मुझे आगे चलकर बेहतर बनाएगा। मेरी अभी की सोच यही है। मैं इस बात पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहा हूं कि लोग इस श्रृंखला के बारे में क्या सोचेंगे, क्योंकि अच्छा और बुरा इस खेल का अभिन्न अंग है।

यास्तिका भाटिया ने रचा इतिहास

'लॉर्ड्स' में टेस्ट शतक लगाने वाली पहली महिला बनीं

- **यास्तिका टेस्ट की तीसरी या चौथी पारी में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली भारतीय महिला बल्लेबाज बन गई**

लंदन, एजेंसी।

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट शतक लगाने वाली पहली महिला बल्लेबाज बन गई हैं। यास्तिका ने रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स के मैदान पर जारी टेस्ट मैच में भारत की दूसरी पारी के दौरान 113 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 158 गेंदों का सामना करते हुए 14 चौके लगाए। यह लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जा रहा पहला महिला टेस्ट मैच है।

यास्तिका टेस्ट की तीसरी या चौथी पारी में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली भारतीय महिला बल्लेबाज भी बन गई हैं। वह इस मामले में पहली शतकवीर भी हैं। इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर संध्या अग्रवाल हैं, जिन्होंने साल 1985 में न्यूजीलैंड के विरुद्ध लखनऊ के मैदान पर 98 रनों की पारी खेली थी। इससे पहले, संध्या साल 1984 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 83 रन बना चुकी थीं।

यास्तिका ऐसी दूसरी बाएं हाथ की भारतीय बल्लेबाज हैं, जिन्होंने लॉर्ड्स में टेस्ट शतक लगाया है। इस लिस्ट में उनके अलावा, सौरव गांगुली का नाम है, जिन्होंने साल 1996 में अपने डेब्यू मैच में 131 रन की पारी खेली थी।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम ने अपनी पहली पारी में 285 रन बनाए। इस टीम के लिए स्मृति मंधाना ने 83 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 58 रन और दीप्ति शर्मा ने 57 रनों का योगदान दिया। विपक्षी खेमे से सोफी एक्लेस्टोन ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए।

इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम अपनी पहली पारी में सिर्फ 170 रन पर सिमट गई। मेजबान खेमे से एमी जोन्स ने 52 रन बनाए, जबकि कप्तान नेट साइवर-ब्रंट ने 44 रनों का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत के लिए क्रांति गौड़ ने सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए।

मेहमान टीम के पास पहली पारी के आधार पर 115 रन की बढ़त थी। दूसरी पारी में मंधाना (70) और यास्तिका भाटिया (113) ने शानदार पारियां खेलकर भारत की बढ़त को 400 के पार पहुंचा दिया है।

सेमीफाइनल में पहुंचने के बावजूद इंग्लैंड के प्रदर्शन से खुश नहीं कोच ट्यूशेल

मियामी, एजेंसी।

इंग्लैंड ने फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है, लेकिन टीम के मुख्य कोच थॉमस ट्यूशेल अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने साफ कहा कि जीत तो अच्छी रही, लेकिन टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा।

कोच के अनुसार, इंग्लैंड ने कई गलतियां कीं और जीत में किस्मत का भी बड़ा साथ मिला। मैच की शुरुआत में नॉर्वे ने शानदार खेल दिखाया। पहले हाफ में एंड्रियास शेल्डरुप ने गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, इंग्लैंड के स्टार मिडफील्डर जूड बेलिंगहम ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में शानदार गोल करते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद बेलिंगहम ने अतिरिक्त समय में एक और शानदार गोल करते हुए इंग्लैंड को सेमीफाइनल का टिकट दिलाया। इंग्लैंड ने चौथी बार विश्व कप के अंतिम चार में जगह बनाई है।

मैच के बाद ट्यूशेल ने कहा कि टीम ने खुद ही अपने लिए मुश्किलें पैदा कीं। उन्होंने कहा, "सेमीफाइनल में पहुंचना बड़ी उपलब्धि है और इसका जश्न मनाया जाना चाहिए, लेकिन मैं हमारे प्रदर्शन से बिल्कुल खुश नहीं हूं। खिलाड़ियों में मेहनत और जज्बे की कमी नहीं थी, लेकिन हमने कई तकनीकी गलतियां कीं। हमारा खेल काफी धीमा था और हम पूरे मैच में लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके।

लिंडा नॉस्कोवा बनीं विंबलडन की नई मलिका

लंदन, एजेंसी।

चेक गणराज्य की लिंडा नॉस्कोवा ने अपने ही देश की कैरोलिना मुचोवा को शनिवार को 6-2, 5-7, 6-3 से हराकर विंबलडन की नई महिला चैम्पियन बनने का गौरव हासिल कर लिया।

21 साल की उम्र में, नोस्कोवा ने शानदार दो हफ़्ते के खेल के बाद पिछले 15 सालों में सबसे कम उम्र की विंबलडन चैंपियन बनने का कारनामा किया।

चेक गणराज्य की ही कैरोलिना मुचोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराकर, नोस्कोवा ने ऑल इंग्लैंड क्लब में अपने पहले ही ग्रैंड स्लैम फ़ाइनल में जीत हासिल की और अपने करियर के तीन सिंगल्स टाइटल में सबसे प्रतिष्ठित टाइटल जीता।

21 साल की उम्र में, वह अपनी आदर्श खिलाड़ी और चेक गणराज्य की दिग्गज पेट्रा क्वितोवा के बाद सबसे कम उम्र की विंबलडन चैंपियन बनी हैं। क्वितोवा ने रॉयल बॉक्स से नोस्कोवा की जीत देखी थी; उन्होंने 2011 में लंदन में अपने दो टाइटल में से पहला जीता था। नोस्कोवा, क्वितोवा के साथ उन दो चेक खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं जिन्होंने विंबलडन में अपने ग्रैंड स्लैम फ़ाइनल की शुरुआत की और दोनों ही जीतीं।

एक यादगार दो हफ़्ते के बाद नोस्कोवा अब हाथ में 'वीनस रोज़वाटर डिश' (ट्रॉफी) लेकर विंबलडन से जा रही हैं, और सोमवार को डब्ल्यूटीए टूर' में उनके नंबर 7 पर पहुंचने की उम्मीद है, जो उनके करियर की अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग होगी।

मुचोवा, जिन्होंने पांच चैंपियनशिप पॉइंट बचाकर ज़बरदस्त कोशिश की — जो किसी भी ग्रैंड स्लैम फ़ाइनल में सबसे ज़्यादा हैं — उनके भी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर 6 पर पहुंचने की उम्मीद है।

आईसीसी पुरुष टी-20 टीम रैंकिंग में इंग्लैंड शीर्ष पर

दुबई, एजेंसी।

मौजूदा टी-20 वर्ल्ड चैंपियन के खिलाफ घरेलू मैदान पर शानदार जीत के बाद, इंग्लैंड आईसीसी पुरुष टी-20 टीम रैंकिंग में नई नंबर वन टीम बन गई है। दूसरी ओर, भारत दूसरे स्थान पर खिसक गया है। उसे इंग्लैंड के खिलाफि टी-20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा,और इससे पहले पिछले महीने के आखिर में उसे आयरलैंड से भी हार मिली थी। टी-20 टीम रैंकिंग में भारत को शीर्ष से हटाकर इंग्लैंड ने इस दौर का अंत किया। जो फरवरी 2022 में भारतीय टीम के नंबर वन बनने के साथ शुरू हुआ था और 1,600 से अधिक दिनों तक चला।

हैरी ब्रूक और जोस बटलर ने मिलकर भारत की बॉलिंग लाइन-अप को ध्वस्त कर दिया और साउथेम्प्टन में पांचवें टी-20 में दूसरे विकेट के लिए 233 रनों की साझेदारी की। जहां ओपनर ने शानदार शतक लगाया, वहीं उनके कप्तान 95 रन पर नाबाद रहे और इस दौरान टी-20 में अपनी सबसे तेज हाफ-सेंचुरी भी पूरी की।

आखिरी टी-20 से पहले, इंग्लैंड के कप्तान ने नंबर वन स्पॉट को टीम का लक्ष्य बताया था और शानदार ढंग से इसे हासिल भी कर लिया। सीरीज़ की शुरुआत चेस्टर-ले-स्ट्रीट में बारिश के कारण प्रभावित रही, जिसके बाद इंग्लैंड ने अगले चार मैचों में दबदबा बनाए रखा। उन्होंने नॉटिंघम में भारत को टी-29 में उनकी सबसे बड़ी हार का सामना कराया और ब्रिस्टल में सिर्फ़

सम्मान | आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम के सदस्यों की कुल संख्या 125 हो गई

आईसीसी ने गांगुली, अंजुम और पीटरसन को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल करके सम्मानित किया

दुबई, एजेंसी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने क्रिकेट जगत की तीन सबसे मशहूर हस्तियों – सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन – को प्रतिष्ठित आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल करके सम्मानित किया है। एडिनबर्ग में आयोजित एक शानदार समारोह में ये खिलाड़ी क्रिकेट के दिग्गजों के उस शानदार समूह में शामिल हो गए हैं, जिनकी बेहतरीन उपलब्धियों, लगातार शानदार प्रदर्शन और लंबे समय तक बने रहने वाले प्रभाव ने इस खेल के इतिहास को आकार दिया है। इनके शामिल होने से आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम के सदस्यों की कुल संख्या 125 हो गई है। इससे उन पूर्व खिलाड़ियों के सम्मान की सूची और मजबूत हुई है, जिनकी विरासत दुनिया भर के लाखों खिलाड़ियों और प्रशंसकों को प्रेरित करती रहती है। इस अवसर पर आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने कहा, "मुझे आईसीसी हॉल ऑफ फेम में नए सदस्यों का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। यह उन असाधारण लोगों के लिए सम्मान है जिनकी उपलब्धियों ने हमारे खेल में बड़ा योगदान दिया है। इस साल शामिल होने वाले खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन के उच्चतम मानकों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और उन सभी ने दुनिया भर के प्रशंसकों का सम्मान और प्यार हासिल किया है।

सौरव, अंजुम और केविन, सभी ने गर्व के साथ अपनी राष्ट्रीय टीमों का नेतृत्व किया है। मैं आईसीसी की ओर से उन्हें इस सम्मान के लिए बधाई देना चाहता हूं। आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम में उनकी जगह यह पक्का करती है कि उनकी उपलब्धियों का जश्न आने वाली पीढ़ियां भी मनाएंगी, और वे खेल की महानतम हस्तियों के साथ खड़े रहेंगे।" जनवरी 2009 में आईसीसी के शताब्दी समारोह के हिस्से के रूप में शुरू किया गया था। आईसीसी हॉल ऑफ़ फ़ेम उन लोगों को सम्मानित करता है जिनकी उपलब्धियों, कौशल और लंबे समय तक बने रहने वाले प्रभाव ने खेल के समृद्ध इतिहास को आकार दिया है, और यह पक्का करता है कि उनकी विरासत पीढ़ियों तक बनी रहे। खिलाड़ी अपने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच के पांच साल बाद ही इसमें शामिल होने के योग्य होते हैं। इससे आईसीसी हॉल ऑफ फेम उन लोगों के लिए एक खास सम्मान बना रहता है जिन्होंने क्रिकेट पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। सौरव गांगुली ने कहा, "आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। क्रिकेट के महान खिलाड़ियों में मेरा नाम शामिल होना मेरे सबसे यादगार पलों में से एक रहेगा। भारत का प्रतिनिधित्व करना और खेल के कई दिग्गजों के साथ खेलना सौभाग्य की बात रही है, और अब इस तरह से पहचान मिलना वाकई खास है। मैं इस बड़े सम्मान के लिए श्री जय शाह का दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, मैं इसे किसी भी क्रिकेटर को मिलने वाला सबसे बड़ा सम्मान मानता हूं। इस खेल ने मुझे बहुत कुछ दिया है, और मुझे उम्मीद है कि आने वाले सालों में भी मैं इस खेल की सेवा करता रहूंगा। मैं इस मौके पर अपने करीबी लोगों का भी शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिन्होंने इतने सालों तक मेरा साथ दिया।" केविन पीटरसन ने कहा, " आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना बहुत बड़े सम्मान की बात है। इस तरह पहचान मिलना और खेल के इतने सारे दिग्गजों के साथ अपना नाम देखना वाकई गर्व और विनम्रता का एहसास कराता है। यह किसी भी क्रिकेटर को मिलने वाला सबसे बड़ा सम्मान है, और मुझे पता है कि इस बात को पूरी तरह से महसूस करने में थोड़ा समय लगेगा। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मैंने खेल के तीनों फ़ॉर्मेट में खेला, और मैं अपने करियर को बहुत गर्व और संतुष्टि के साथ देखता हूँ। मैं इस शानदार सम्मान के लिए आईसीसी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ, साथ ही अपने परिवार, टीम के साथियों, कोचों और उन सभी लोगों का भी जिन्होंने मेरे सफ़र में मेरा साथ दिया।

बाल कहानी

लंगड़ू लोमड़

■ मीनू गुप्ता

नंदनपुर जंगल में चार दोस्त रहा करते थे-हीरा तोता, चमकू गिलहरी, राजू बंदर और कुक्कू चिड़यिा। चारों में बहुत गहरी दोस्ती थी। हीरा कभी मीठे अमरूद या सेब कहीं पा जाता तो वह राजू बंदर और कुक्कू के साथ मिल-बांटकर खाता। गिलहरी भी कहीं से अखरोट लाती तो आते ही उसे राजू बंदर को देती। राजू बंदर उसे तोड़कर सब में बराबर बांट देता। ऐसा ही दूसरे दोस्त भी करते थे।

चारों दोस्त एक-दूसरे का पूरा ध्यान रखते थे। कभी कोई बीमार हो जाता, दूसरा उसके बच्चों का ध्यान रखता। उसकी दवा लाता और उसके खाने-पीने का सामान भी लाता। जंगल का राजा शेर भी उनका पूरा सम्मान करता था। वह अपने बच्चों को उनके पास भेजता, जिससे वह उनसे कुछ अच्छी बातें सीख सकें। यही हाल हाथी दादा का था। वह उन चारों की दोस्ती से खूब खुश होते। कभी-कभी तो उन्हें अपनी पीठ पर बैठाकर जंगल की सैर करा लाते। उनकी दोस्ती जंगल के लंगड़ू लोमड़ को अच्छी नहीं लगती थी। जब वह चारों को एक साथ खेलता देखता तो उसके मन में एक ही भावना आती कि कैसे भी इन्हें आपस में लड़ा दे।

एक दिन चारों दोस्त जंगल में घूम रहे थे। तभी उन्हें तालाब के पास अमरूद के कई पेड़ दिखाई दिए। इन पर खूब अमरूद लदे थे। कई गिलहरियां इस डाल से उस डाल पर फुदक रही थीं। हीरा तोते ने जब अमरूद देखे तो उसके मुंह में पानी आ गया। उसने अपने साथियों से कहा कि चलो हम भी चलकर इन अमरूदों का आनंद लें। हीरा के तीनों दोस्तों ने कहा कि किसी के बाग में बिना पूछे जाना अच्छी बात नहीं है।

हीरा ने कहा कि हम रोज थोड़े ही जाते हैं? और जो गिलहरियां यहां हैं, उनसे पूछकर ही तो जाएंगे। हीरा तोते की बात सभी दोस्तों को जम गई। चारों साथी वहां जा पहुंचे। बाहर खेल रही गिलहरियों ने वहां तोता, चिड़यिा, बंदर को देखकर पूछा, आप लोग यहां क्यों आए हैं?

हीरा तोते ने कहा, हम जंगल में घूम रहे थे। यहां आए तो देखा कि आपके बाग में अमरूद लगे हैं। आप अगर नाराज न हों तो हम भी थोड़े-से अमरूद ले लें? मीठे अमरूद देखकर उसका मन ललचाने लगा। गिलहरियों ने हीरा तोते की बात पर आपस में चर्चा की। फिर उन्हें अमरूद लेने की अनुमति दे दी। चारों दोस्तों ने पहले तो पेट भरकर अमरूद खाए। बाद में थोड़े-से घर के लिए भी ले लिए।

चलते वक्त सभी ने गिलहरियों को धन्यवाद दिया। घर आकर सभी ने अमरूदों को नीम के पेड़ के कोटर में रख दिया। फिर अपने काम में लग गए। जब वे अमरूद रख रहे थे तो उन्हें चोरी से लंगड़ लोमड़ देख रहा था। उसने उनके जाने के बाद आधे अमरूद निकाल लिए। दूसरे दिन चारों दोस्तों ने अमरूद खाने के लिए निकाले तो देखकर दंग रह गए। यहां पर तो आधे अमरूद थे ही नहीं। सभी एक-दूसरे को देखने लगे। सभी ने एक-दूसरे से पूछा। पर जब किसी ने लिए हों तब तो हां करता। सभी ने अमरूद लेने से मना कर दिया, फिर एक-दूसरे से जोर-जोर से बोलने लगे।

लंगड़ू लोमड़ पहले से ही इस इंतजार में था कि उन चारों में झगड़ा हो तो वह उसका मजा ले। उसने उनसे पूछा, अरे कुक्कू क्या हो गया? क्यों झगड़ रहे हो? कुछ नहीं लंगड़ू लोमड़। कुक्कू ने बात टालनी चाही। नहीं कोई बात तो है, जो तुम चारों लड़ रहे हो? पहले तो मैंने तुम्हें कभी लड़ते नहीं देखा?

अब चमकू गिलहरी ने कहा, लंगड़ू लोमड़ बात यह है कि हमने कल इस पेड़ के कोटर में अमरूद रखे थे। पर आज आधे हैं ही नहीं। लंगड़ू लोमड़ ने बनावटी गंभीरता से पूछा, पक्का यहीं रखे थे? हां, हां यहीं रखे थे। दोस्तों को भिड़ाने की चाल से लंगड़ू लोमड़ ने राजू बंदर की ओर देखकर कहा, राजू, तुमने तो अमरूद नहीं निकाल लिए?

नहीं, मैं क्यों निकालता। हम सभी तो लाए थे एक साथ। फिर वह नाराज होने लगा। नहीं-नहीं, मैं तो ऐसे ही पूछ रहा था। कह कर वह मौका देखकर वहां से खिसक लिया। उसके मन की बात हो गई थी। लंगड़ू लोमड़ की बात सुनकर सभी एक-दूसरे पर शक करके झगड़ने लगे। थोड़ी देर में वहां से जंगल के राजा शेर का बेटा निकला तो उसने उन चारों को लड़ते देखकर गुर्राकर पूछा, आप सब क्यों लड़ रहे हो?

सभी ने उसे अमरूदों की बात बता दी। साथ ही यह भी बताया कि लंगड़ू लोमड़ ने उन्हें क्या कहा। शेर के बेटे ने आश्चर्य से उन्हें देखा और फिर एक-एक को अलग-अलग बुलाकर कान में कुछ कहा। उसके बाद सभी उसके पीछे चलने लगे। शेर का बेटा उन्हें लंगड़ू लोमड़ की खोह के पास ले गया। वहां उन्होंने देखा, लंगड़ू लोमड़ मजे से अमरूदों का आनंद ले रहा है। शेर के बेटे और चारों दोस्तों को देखकर उसके पसीने छूट गए। सभी उसे देखकर हैरान थे। तभी शेर के बेटे ने लंगड़ू लोमड़ के गाल पर एक थप्पड़ मारा और कहा, तू चोरी करके लाया था अमरूद?

लंगड़ू लोमड़ का दिमाग भन्ना गया। उसकी समझ में ही नहीं आया कि वह क्या उत्तर दे? उसके मुंह से निकला, हां। शेर के बेटे ने उसके गाल पर फिर एक झापड़ रसीद किया। जा, भाग जा यहां से। अब कभी जंगल में नजर मत आना। लंगड़ू लोमड़ वहां से भाग छूटा। फिर चारों दोस्त माजरा समझ गए और एक-दूसरे से माफी मांगी। सभी ने शेर के बेटे को धन्यवाद दिया, उनकी दोस्ती बचाने के लिए।

दूध पीने में करता है बच्चा आनाकानी तो क्या करें?

दूध को एक संपूर्ण आहार माना जाता है, जो हड्डियों व दांतों के लिए बहुत जरूरी होता है, खासकर बच्चों के लिए। दूध बच्चों की हड्डियों में मजबूत ही नहीं बल्कि शरीर विकास में भी मदद करता है लेकिन कुछ बच्चे दूध पीने में आनाकानी करते हैं और मुंह चढ़ाने लगते हैं। ऐसे में मांओं को कुछ अलग सोचना होगा। यहां हम आपको कुछ ट्रिक्स बताएंगे, जिससे बच्चे को दूध पिलाने के लिए डांटने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी और वो दूध भी पी लेगा।

ऐसे पूरी करें कैल्शियम की कमी

अगर बच्चा फिर भी दूध पीने में नखरे दिखाता है तो उनकी डाइट में बादाम बच्चा दूध पीना पसंद नहीं करता तो आप उसे बादाम या आलमंड मिल्क, दही, पनीर, ब्रोकोली, नारियल पानी, सोया प्रोडक्ट्स शामिल करें। इससे शरीर में कैल्शियम की कमी भी पूरी होगी और बच्चे स्वस्थ भी रहेंगे।

फेवरेट गिलास में दें बच्चे को दूध

बच्चें दूध न पीने का बहाना ढूंढते रहते हैं। ऐसे में उन्हें कार्टून करेक्टर गिलास में दूध देकर देखें। हो सकता है कि वो गिलास देखकर दूध पीने लगे।

पसंदीदा फ्लेवर्ड मिल्क पिलाएं

दूध का फ्लेवर चेंज करने के लिए उसमें चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, ड्राईफ्रूट्स, कॉर्नफ्लेक्स, चोकोस आदि डाल सकते हैं। इसके अलावा आप दूध में केसर, खजूर आदि भी डाल सकते हैं। इससे दूध का स्वाद और पौष्टिक तत्व बढ़ जाएंगे।

हैल्दी ऑप्शन चुनें

बच्चा सिंपल दूध नहीं पीता तो उसे मिल्कशेक, कस्टर्ड, स्मूदी, बॉर्नविटा बनाकर खिलाएं। इससे

उन्हें दूध के साथ दूसरे पौष्टिक तत्व भी मिलेंगे।

बच्चे को दूध न हो हजम तो क्या करें?

कुछ बच्चों को दूध हजम नहीं होता और उन्हें पेट में दर्द, गैस, पेट खराब जैसी समस्या होती है। ऐसे में उन्हें हल्दी वाला दूध पिलाएं।

गर्म दूध के बजाए दें कोल्ड मिल्क

बच्चों को गर्म की बजाए ठंडा दूध दें। इसे वो चाव से पी लेंगे और उनकी हड्डियों व दांतों को कैल्शियम भी मिलेगा।

दूध हजम नहीं होता तो क्या करें?

बच्चे को दूध हजम नहीं होता तो उसमें बादाम, अंजीर, हल्दी, चिया सीड्स, पीपल के पत्ते मिलाकर पीएं। इससे दूध हजम हो जाएगा और उल्टी, पेट में गड़बड़ भी नहीं होगी।

आइस क्यूब्स डालें

गर्मियों के बच्चों को दूध की तरफ आकर्षित करने के लिए उसमें कुछ कलरफुल आइस क्यूब्स डालें। इसके लिए आप फूड कलर, रूआबजा आदि का इस्तेमाल कर सकती हैं।

खेल-खेल में पिलाएं दूध

माता-पिता या कोई भी घर का बड़ा बच्चों के साथ बैठकर खेल-खेल दूध पिलाएं। इससे वो मस्ती में दूध भी पी लें और उनकी एक्टिविटी भी हो जाएगी। साथ ही इससे उन्हें दूध के पौष्टिक तत्व भी मिल जाएंगे।

बच्चों में हेमाट्यूरिया
प्रकार, कारण, लक्षण व उपचार

बच्चे को अपनी बढ़ती उम्र में कभी छोटी, तो कभी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हीं में से एक है बच्चों में हेमाट्यूरिया। मॉमजंक्शन के इस लेख में हम आपको बच्चों में हेमाट्यूरिया के बारे में विस्तार से बताएंगे। साथ ही यहां हेमाट्यूरिया के प्रकार, कारण और लक्षण के साथ ही उपचार की जानकारी भी मिलेगी। बच्चों में हेमाट्यूरिया को समझने के लिए इस लेख को अंत तक पढ़ें।

सबसे पहले समझिए कि हेमाट्यूरिया क्या होता है।

बच्चों के पेशाब में खून नजर आने की स्थिति को हेमाट्यूरिया कहते हैं। इसकी मात्रा पेशाब में इतनी कम हो सकती है कि बिना माइक्रोस्कोप के नजर ही न आए या फिर खून की वजह से पेशाब का रंग लाल या गुलाबी दिख सकता है। साथ ही पेशाब करने के बाद खून के धब्बे भी दिखाई दे सकते हैं। हेमाट्यूरिया थोड़े समय के अंतराल में या लगातार हो सकता है। ऐसे में बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाकर इसका कारण जानना और उपचार शुरू करना जरूरी है।

क्या बच्चों के मूत्र में रक्त एक गंभीर समस्या है?

हां, बच्चों के पेशाब में खून आने की समस्या कुछ मामलों में गंभीर हो सकती है। इसे वक्त रहते बढ़ने से रोका जा सकता है। इसके लिए हेमाट्यूरिया के कारण जैसे इंफेक्शन और अन्य समस्या का उपचार करने के साथ ही बच्चे को हाइड्रेट रखना जरूरी है।

हेमाट्यूरिया के प्रकार

हेमाट्यूरिया के बाद हम हेमाट्यूरिया के प्रकार बता रहे हैं। एनसीबीआई की वेबसाइट पर प्रकाशित एक शोध में हेमाट्यूरिया दो प्रकार के माने गए हैं।

माइक्रोस्कोपिक हेमाट्यूरियाः इस प्रकार का हेमाट्यूरिया होने पर पेशाब में रक्त कोशिकाएं केवल माइक्रोस्कोप से देखने पर ही नजर आती हैं। इसी वजह से इस प्रकार के हेमाट्यूरिया के बारे में तबतक पता नहीं चलता है, जबतक कि बच्चों का मूत्र परीक्षण नहीं करवाया जाता। यह हेमाट्यूरिया अपर यूरीनरी ट्रेक के घाव जैसे ग्लोमेरुलस या ट्यूबलोइंटरस्टिटियम के कारण हो सकता है।

ग्रॉस हेमाट्यूरियाः जब बिना माइक्रोस्कोप की सहायता के भी पेशाब में लाल रक्त कोशिकाएं नजर आती हैं, तो उसे ग्रॉस हेमाट्यूरिया कहते हैं। इस हेमाट्यूरिया के प्रकार में खून की मात्रा पेशाब में इतनी होती है कि उसका रंग लाल, भूरा या गुलाबी दिखने लगता है। आम तौर पर यह हेमाट्यूरिया लोअर यूरीनरी ट्रेक जैसे मूत्राशय और मूत्रमार्ग में होने वाले घाव के कारण हो सकता है।

बच्चा हमेशा रहता है चिड़चिड़ा तो फॉलो करें ये टिप्स

कोरोना का असर अभी तक बच्चों की जिंदगियों में देखने को मिल रहा है। अभी तक स्कूल पूरी तरह से ना खुलने के कारण उन्हें ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ रही है। वहीं बच्चे लंबे समय तक घर पर बंद है। इसके कारण कई बच्चों को स्ट्रेस होने से उनके स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। असल में, उन्हें अपनी पर्सनल और स्कूल लाइफ में बैलेंस बनाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे इस मुश्किल दौर में बच्चे का खास ध्यान रखकर उनकी लाइफ में बदलाव लाएं। चलिए आज हम आपको कुछ टिप्स बताते हैं, जिसकी मदद से आप बच्चे की पर्सनल जिंदगी और स्कूल लाइफ के बीच बैलेंस बना सकती है...

एक्टिव रखें : बच्चे घर पर रहकर या ऑनलाइन क्लासिस लगाकर थका-थका महसूस करते हैं। मगर इसमें पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे बच्चे को एक्टिव रखने की पूरी कोशिश करें। इसके लिए आप घर पर ही उसे कोई छोटे-मोटे गेम्स खिला सकते हैं। ताकि आपका बच्चा एक्टिव रहे। एक्टिव रहने से स्ट्रेस हार्मोन कम होने में मदद मिलती है। ऐसे में आपका बच्चा खुश रहेगा। आप कोरोना गाइलाइन्स का पालन करते हुए कभी-कभाव उसे घर से बाहर भी लेकर जा सकते हैं।

बच्चे से बातचीत करें : अगर आपका बच्चा स्ट्रेस महसूस कर रहा हो तो उसके साथ समय गुजारें। उनके साथ बातें करें। उसे समझाएं कि इस तरह गुस्सा करने से उसकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। आप उसे खुश रखने के लिए उसका मनपसंद काम कर सकते हैं। इसके अलावा उसकी ऑनलाइन क्लास में उसकी मदद करें।

फैमिली गेम नाइट करें प्लान : बच्चे को एक्टिव व हैप्पी रखने के लिए आप कभी-कभार फैमिली गेम नाइट आयोजित कर सकते हैं। इसमें आप कुछ आसान सी फिजिकल एक्टिविटीज शामिल कर सकती है। इसके अलावा कुछ बच्चे की पसंद की डिशेज भी रख सकती है। इससे आपका बच्चा उस पल को अच्छे से एन्जॉय करेगा। साथ ही अपनी चिंता व एंजाइटी को भूल जाएगा।

बच्चे की डाइट का रखें ध्यान : शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने से भी बच्चे चिड़चिड़ा स्वभाव करने लगते हैं। इसलिए बच्चे की डेली डाइट में पोषक तत्वों व एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर चीजें शामिल करें। इससे आपके बच्चे की इम्यूनिटी बढ़ेगी। वे दिनभर एनर्जेटिक रहेगा। अगर आपके बच्चे को बाहर का खाना ज्यादा पसंद है तो आप उसे घर पर ही पिज्जा, सैंडविच, फ्रूट कस्टर्ड, शैक, स्मूदी आदि हेल्दी चीजें बनाकर खिला सकती है। ये सब चीजें आपका बच्चा खुशी-खुशी खाएगा। साथ ही इससे उसकी सेहत को कोई नुकसान भी नहीं झेलना पड़ेगा।

बच्चे का एक रूटीन सेट करें : आप अपने बच्चे का एक रूटीन सेट कर सकती है। इसमें आपको उसके जागने से लेकर सोने तक का सारा टाइम टेबल सेट करना होगा। इससे बच्चे को इस बात की समझ आएगी कि उसे कब जागना है, कब खाना है, कब खेलना व पढ़ना है। एक रूटीन सेट होने पर वह अपने सारे काम उसी मुताबिक करेगा। ऐसे में उसे एक खुशहाली और ट्रेंशन फ्री जिंदगी जीने में मदद मिलेगी।

बच्चों को शुरुआत से ही सिखाएं ये आदतें पढ़ाई में हमेशा रहेंगे अव्वल

हर माता-पिता अपने बच्चे को एक अच्छा व कामयाब इंसान बनना देखना चाहते हैं। इसकी शुरुआत स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने से ही होती है। इसके लिए कई पेरेंट्स बच्चों को ट्यूशन क्लास भी ज्वाइंन करवाते हैं जिससे उनका दिमाग तेज हो पाए। मगर आप चाहे तो बच्चे की डेली रूटीन में कुछ खास बदलाव करके उन्हें एक बेहतर विद्यार्थी बना सकते हैं। चलिए आज हम आपको इससे जुड़े कुछ खास टिप्स बताते हैं...

नियमित रुप से पढ़ना

बच्चा सही से पढ़ रहा है या नहीं इसके लिए पेरेंट्स जिम्मेदार होते हैं। इसलिए माता-पिता का फर्ज बनता है कि वे अपने बच्चे को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही बच्चे के पढ़ाई दौरान उनके साथ बैठें। इससे उन्हें पढ़ाई में मदद मिलेगी और रोजाना पढ़ने की आदत बनेगी।

पढ़ने का समय तय करें

बच्चों को कोई आदत डालने के लिए जरूरी है कि समय तय करें। इसके लिए आप बच्चे के पढ़ने का भी एक समय सेट करें। इससे उनकी एक रूटीन बन जाएगी। साथ ही आपको बार-बार उसे पढ़ने के लिए नहीं कहना पढ़ेगा।

किताबें व्यवस्थित रखना

कई पेरेंट्स बच्चे की किताबें व जरूरी सामान को खुद संभालते हैं। मगर ऐसा करने की जगह पर बच्चे को इस बात की आदत लगानी चाहिए। बच्चों को उसका स्कूल बैग खुद सेट करना सिखाएं। इससे वे अपनी चीजें

संभालना सिखेंगे साथ ही वे पढ़ने व स्कूल जाने के लिए प्रेरित होंगे।

खुद का टेस्ट लेना सिखाएं

खुद को तैयार करने के लिए स्वयं की परीक्षा लेना बेस्ट माना जाता है। ऐसे में अगर आपका बच्चा 7-8 साल है तो उसे खुद से पढ़ना व परीक्षा लेना सिखाएं। इससे उसे पता चलेगा कि उसे किस विषय में कितनी मेहनत करने की जरूरत है। इसके अलावा आप पढ़ने में उसकी मदद जरूर करें।

नॉलेज का इस्तेमाल करें

बच्चे को सिखाएं कि चीजों को समझ व उन्हें याद करना ही काफी नहीं होता है। उन्हें जरूरत पढ़ने पर अपनी नॉलेज का इस्तेमाल करना भी जरूरी है। बच्चे को दूसरों के आगे बात करना व बोलना सिखाएं। इससे बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ेगा साथ ही उसे अपनी कमियों के बारे में पता चलेगा।

भरपूर मात्रा में पानी पीना

ज्ञान के साथ सेहत का होना भी बेहद जरूरी है। इसलिए बच्चों को भरपूर पानी पीने की आदत डालें। इससे शरीर में मौजूद विषैले पदार्थ बाहर निकलने में मदद मिलती है। ऐसे में बीमारियों से बचाव रहता है। वहीं सेहत दुरुस्त होने से बच्चे का पढ़ाई में पूरा ध्यान लगेगा। एक्पर्ट्स के अनुसार, बच्चों को रोजाना 8-9 गिलास पानी का सेवन करना चाहिए। आप बच्चे की डेली डाइट में पानी वाले फल व सब्जियां, सूप, जूस आदि भी शामिल कर सकती है।

अच्छे दोस्तों की संगत में रहना

एक अच्छा इंसान बनने के लिए अच्छी आदतों का होना बेहद जरूरी है। इसलिए अपने बच्चों को हमेशा अच्छी संगत में रहने के लिए प्रेरित करें। बुरी संगत में आने से बच्चे पढ़ाई में पीछे होने के साथ जीवन में भी गलत आदतें सिख सकते हैं। वहीं अच्छे दोस्त पढ़ाई के लिए प्रेरित करने के साथ पढ़ने में साथ भी देते हैं। इसलिए आपका फर्ज बनता है कि आप बच्चे को सही दोस्त चुनने में मदद करें।

एक दिन

(कविता)

मैं तुम्हारे शब्दों की उँगली पकड़ कर
चला जा रहा था बच्चे की तरह
इधर-उधर देखता
हँसता, खिलखिलाता
अचानक एक दिन
पता चला
तुम्हारे शब्द
तुम्हारे थे ही नहीं
अब मेरे लिए निश्चिंत होना असंभव था
और बड़ों की तरह
व्यवहार करना जरूरी।।

- अखिलेश्वर पांडेय

कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ काम करने का काजल ने शेयर किया अनुभव

'रामायण' फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण और सनी देओल भगवान हनुमान के रोल में दिखेंगे। जहां फैंस इस बड़ी स्टारकास्ट को एक साथ देखने के लिए एक्साइटेड हैं, वहीं काजल ने खुलासा किया है कि फिल्म के पहले पार्ट में उनका रोल काफी छोटा है।

पहले पार्ट में लिमिटेड है काजल का रोल हाल ही में इंटरव्यू में काजल ने बताया कि पहले पार्ट में मंदोदरी का रोल ज्यादा नहीं दिखेगा। उन्होंने कहा कि कहानी का बड़ा हिस्सा लंका से पहले का है, इसलिए उनके किरदार को शुरुआती हिस्से में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं मिलेगा। काजल ने कहा, 'हमने अभी सिर्फ पार्ट 1 की शूटिंग की है और जाहिर है उसमें लंका का हिस्सा कम है, और मैं मंदोदरी हूं। इसलिए मेरा रोल बहुत लिमिटेड है। इसके बावजूद ये अनुभव बहुत शानदार रहा है। इतनी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना, जो एक वर्ल्ड फिल्म होने वाली है, बहुत खास एहसास है। मैं बहुत आभारी हूं कि मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं, जो हमारे दिल के बहुत करीब है।'

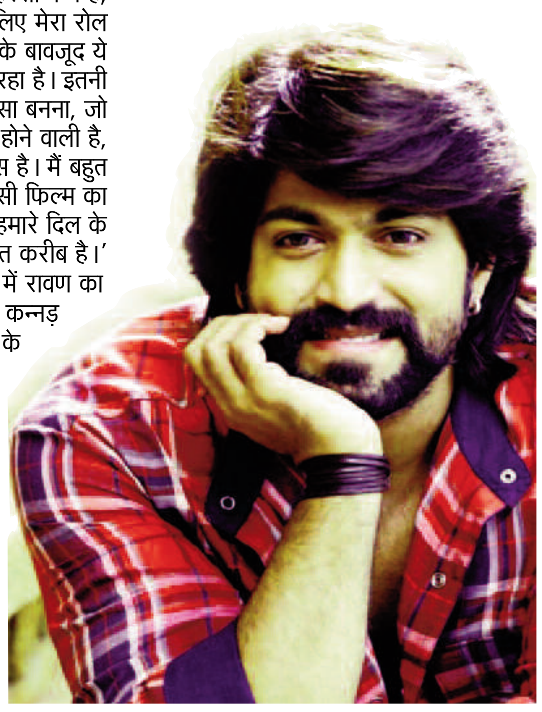

काजल ने इस फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे कन्नड़ सुपरस्टार यश के साथ काम करने का अनुभव भी शेयर किया। उन्होंने कहा कि वह पहले से ही उनके काम की फैन रही हैं और उनके साथ काम करना शानदार रहा। उन्होंने कहा, 'वो बहुत अच्छे एक्टर हैं। मैं हमेशा से उनके काम को पसंद करती आई हूं और इस प्रोजेक्ट में उनके साथ काम करना बहुत अच्छा अनुभव रहा। वो इस फिल्म को लेकर बहुत इन्वॉल्व हैं। वो बेहद प्रोफेशनल हैं और निश्चित तौर पर बहुत टैलेंटेड हैं।'

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' दो हिस्सों में रिलीज होगी। इसका पहला पार्ट दिवाली 2026 पर सिनेमाघरों में आएगा, जबकि दूसरा पार्ट दिवाली 2027 में रिलीज किया जाएगा। अब तक मेकर्स ने फिल्म की सिर्फ एक झलक दिखाई है, जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम के रूप में नजर आए। साथ ही रवि दुबे (लक्ष्मण), साई पल्लवी (सीता) और अयोध्या की भव्य दुनिया की झलक भी देखने को मिली।

मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी नहीं होगी 'हैवान'

सैफ अली खान और अक्षय कुमार जल्द ही फिल्म 'हैवान' में एक साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर सैफ ने बताया कि उनकी आने वाली फिल्म 'हैवान' उनकी 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी बिल्कुल नहीं है। एक खबर के अनुसार, सैफ ने बताया कि 'हैवान' में अक्षय कुमार एक खतरनाक विलेन के रोल में नजर आएंगे। सैफ उन्हें इस नए अवतार में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। सैफ ने अक्षय को अपने बड़े भाई जैसा बताया है। उनका कहना है कि दोनों की 30 साल पुरानी दोस्ती है, दोनों एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं और उनके बीच की केमिस्ट्री कमाल की है। भले ही फिल्म 'हैवान' की कहानी बहुत गंभीर है, लेकिन शूटिंग के दौरान अक्षय और सैफ कैमरे के पीछे खूब मजाक-मस्ती करते थे। उनकी इन शरारतों को देखकर निर्देशक प्रियदर्शन उन्हें अक्सर बच्चों की तरह डांटते भी थे। 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी पिछली फिल्मों में दोनों ने दर्शकों को खूब हंसाया था। लेकिन सैफ ने साफ किया है कि 'हैवान' कोई कॉमेडी फिल्म नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर कहानी पर आधारित है। आखिर में सैफ ने कहा कि अगर भविष्य में कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिली, तो वह अक्षय के साथ फिर से कोई कॉमेडी फिल्म जरूर करेंगे। लेकिन फिलहाल दर्शकों को 'हैवान' में इन दोनों का एक बिल्कुल अलग और रोमांचक अंदाज देखने को मिलेगा। 'हैवान' का निर्देशक प्रियदर्शन कर रहे हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है। 'हैवान' में अक्षय कुमार और सैफ अली खान साथ नजर आएंगे।

मैंने कभी भी निजी रिश्तों को अपने काम और कला के बीच नहीं आने दिया

अभिनेता और फिल्ममेकर कुणाल खेमू इन दिनों अपने नए रियलिटी शो 'अलायंस' को लेकर चर्चा में हैं। कुणाल ने हाल ही में उस सवाल का जवाब दिया, जो अक्सर उनसे पूछा जाता है। भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित परिवारों में से एक का हिस्सा बनने के बाद क्या उन्हें कभी किसी तरह का दबाव या उम्मीदों का बोझ महसूस हुआ? इस पर कुणाल ने कहा कि उन्होंने कभी भी निजी रिश्तों को अपने काम और कला के बीच नहीं आने दिया। बातचीत में सवाल का जवाब देते हुए कुणाल ने कहा, ''नहीं, मेरे लिए मेरी कला और मेरे भीतर का कलाकार सबसे ज्यादा मायने रखता है। यही मेरे लिए सबसे अहम है। सच कहूं तो मैंने कभी इस नजरिए से सोचा ही नहीं कि मैं शर्मिला टैगोर का दामाद हूं।'' अगर मैं यह कहूं कि मैं इस बारे में सोचता हूं या इससे बचने की कोशिश करता हूं, तो यह झूठ होगा। यह बात मेरे दिमाग में रहती ही नहीं है।'' अभिनेता ने आगे कहा, ''मेरी क्रिएटिव जर्नी हमेशा एक्टिंग और फिल्ममेकिंग के प्रति मेरे पैशन से प्रेरित रही है। मैंने कभी इस बात को महत्व नहीं दिया कि मैं किस परिवार का हिस्सा हूं। किसी कलाकार की असली पहचान उसके काम से बनती है, न कि उसके पारिवारिक रिश्तों से।'' बता दें कि कुणाल खेमू ने अभिनेत्री सोहा अली खान से 25 जनवरी 2015 को शादी की थी। सोहा अली खान, दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर और दिवंगत क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी की बेटी हैं।

जॉम्बी सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म है रणवीर सिंह की अगली फिल्म 'प्रलय'

'धुरंधर' की सफलता के बाद फैंस रणवीर सिंह की अगली बड़ी फिल्म 'प्रलय' के बारे में अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्ममेकर जय मेहता की जॉम्बी सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म है। अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू हो सकती है। साथ ही फिल्म का एक बड़ा हिस्सा ऑस्ट्रेलिया में शूट किया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'प्रलय' की शूटिंग सितंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर ने इस प्रोजेक्ट के लिए तैयारी शुरू कर दी है। एक सोर्स ने बताया, 'रणवीर 2026 के दूसरे हाफ में जय मेहता के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में होगी और उन्होंने तैयारी शुरू भी कर दी है। फिल्म के बड़े पैमाने और जॉनर को देखते हुए इसके लिए जबरदस्त फिजिकल और इमोशनल तैयारी की जरूरत है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन अभी ऑस्ट्रेलिया में चल रहा है, जहां जय मेहता और उनकी टीम उन टेक्नीशियन्स के साथ मिलकर काम कर रही है जो पहले इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स प्रोडक्शन शुरू होने से पहले फिल्म की विशाल पोस्ट-एपोकैलिप्टिक दुनिया बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 'प्रलय' काफी हद तक विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर करेगी और राइटिंग टीम स्क्रीनप्ले और फिल्म की बड़ी जॉम्बी दुनिया को बेहतर बनाने का काम जारी रखेगी।

महिला प्रधान एक्शन फिल्मों के लिए उम्मीद भरा दौर है

बीते दिन शुक्रवार को यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' रिलीज हुई, जिसमें आलिया भट्ट और शरवरी अहम भूमिकाओं में हैं। इसी के साथ हुमा कुरैशी अभिनीत 'बेबी डू डाई डू' ने भी दस्तक दी। दोनों फिल्मों के क्लैश पर हाल ही में हुमा कुरैशी ने चुप्पी तोड़ी।

फिल्म 'बेबी डू डाई डू' में हुमा कुरैशी ने एक मूक बधिर दिव्यांग का किरदार अदा किया है। इस भूमिका के लिए उनकी काफी तारीफ हो रही है। हाल ही में हुमा ने फिल्म पर बात की। हुमा ने कहा, 'मैं एक ऐसी महिला किलर का रोल कर रही हूं, जो सुन या बोल नहीं सकती। यह कोई कमी या कमजोरी नहीं है, बल्कि असल में उसकी ताकत है। आमतौर पर यह माना जाता है कि किलर हमेशा पुरुष ही होता है। महिला प्रधान एक्शन फिल्मों के लिए बढ़ते स्पेस के बारे में बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि दर्शकों की बदलती उम्मीदों और अलग-अलग क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की वजह से, मौजूदा समय महिलाओं के नेतृत्व वाली एक्शन फिल्मों के लिए एक उम्मीद भरा दौर है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम कहीं पीछे रहने वाले हैं। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। बातचीत के दौरान हुमा कुरैशी ने 'बेबी डू डाई डू' और 'अल्फा' के बॉक्स ऑफिस टकराव पर भी चुप्पी तोड़ी। हुमा ने दोनों महिला प्रधान फिल्मों के एक साथ आने का स्वागत किया। हुमा ने कहा, 'मैं 'अल्फा' को कॉम्पिटिशन के तौर पर नहीं देखती। मुझे लगता है कि हर तरह की फिल्में बनने और देखे जाने की गुंजाइश है। हमारी फिल्म इंडिपेंडेंटली बनी है। मैं यह भी नहीं देख रही कि उस वीकएंड और क्या रिलीज हो रहा है? बस अपने दर्शकों तक पहुंचना चाहती हूं। दूसरी ओर, मुझे यह बहुत अच्छा लगता है कि हम ऐसे दौर में हैं जहां बॉक्स ऑफिस पर दो महिला-प्रधान फिल्में टकरा रही हैं। हम उस मुकाम पर पहुंच चुके हैं, जहां यह असलियत है।

आज हर वो शख्स क्रिएटर है, जिसके पास फोन है

पिछले दिनों अपनी फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में नर्स की भूमिका में तारीफें बटोरने वाली कंगना इन दिनों एक बार फिर चर्चा में हैं रियलिटी शो 'लॉकअप' को लेकर। उनकी 'क्वीन 2' को लेकर भी खबरें हैं कि वो फिल्म पूरी हो चुकी है। अपनी भूमिकाओं में जान डाल देने वाली यह अभिनेत्री पॉलिटिशियन के रूप में भी धाकड़ है। हिमाचल की रहने वाली कंगना जब छोटी उम्र में घर वालों की खिलाफत करके दिल्ली आईं, तब तक उनके लिए अभिनेत्री बनने का रास्ता बहुत मुश्किल रहा। मगर पहले गैंगस्टर, फिर तनु वेड्स मनु और क्वीन ने उन्हें अभिनेत्री के रूप में स्थापित कर दिया। कई खट्टे-मीठे अनुभवों से गुजरी कंगना अपने जीवन की उपलब्धियों में कई लोगों के योगदान की बात करती हैं।

कंगना का मानना है कि अपने अकेले दम पर कोई भी इंसान कुछ हासिल नहीं कर सकता। वे कहती हैं, 'इंसान की जिंदगी में कई लोग होते हैं, जो किस्मत को संवारते हैं। माता, पिता, गुरु से शुरू होने वाला ये सिलसिला चलता जाता है। आज जो शब्दावली मैं बोल भी पा रही हूं, तो उसमें कई लोगों का योगदान है। जब मैं अभिनय के क्षेत्र में आई, उस वक्त अनुराग बसु मेरे करियर में अहम साबित हुए, जिन्होंने मुझे गैंगस्टर जैसी फिल्म दी और फिर विकास बहल जैसे फिल्मकार जिन्होंने क्वीन से मुझे सफलता दिलाई। पिछले कुछ समय से इंडस्ट्री पर स्लो डाउन के बादल मंडरा रहे हैं और कहा जा रहा है कि फिल्मों का बजट, स्टार्स की फीस जैसे फैक्टर्स में यदि सुधार नहीं हुआ, तो फिल्म उद्योग खतरे में पड़ जाएगा। इस पर कंगना कहती हैं, 'फिल्म इंडस्ट्री को उठना तो पड़ेगा ही। मुझे याद है, आज से दस साल पहले मैं और शेखर कपूर (फिल्मकार) किसी बात पर चर्चा कर रहे थे और उन्होंने मुझसे कहा, कंगना जिसके हाथ में कैमरा या मोबाइल होगा, वो एक फिल्म बनाएगा। उस वक्त मुझे लगा था कि हर कोई डायरेक्टर नहीं बन सकता। मुझे उनकी बात जंची नहीं थी। मगर आज देखिए, आज इंटरनेट पर लोग दो-दो मिनट की फिल्म बना रहे हैं। कोई ट्रेन में चढ़ा हुआ है, तो कोई दूर-दराज के गांव में बैठी कोई महिला दूध दुहना सिखा रही है, कोई खाना पकाना सिखा रहा है, तो कोई मेकअप टिप्स दे रहा है और आप सभी इस सिस्टम में पूरी तरह से एंगेज हो गए हैं। दूसरों की क्या कहूं, मेरे खुद के माता-पिता आज रील्स में इतना बिजी हैं। आज रिलेटेबल रोल्स खत्म होते जा रहे हैं। पुष्पा जैसा मजदूर आपने कब देखा था? शायद अमिताभ बच्चन जी के दौर में।'

जॉन सर सही मायनों में कूल हैं

कंगना की नई फिल्म को लेकर एक दिलचस्प बात ये है कि इसका शीर्षक जॉन अब्राहम के पास रजिस्टर था, मगर उन्होंने खुशी-खुशी इसे कंगना को दे दिया। इस पर कंगना कहती हैं, 'इंसान वहीं मांगता है, जहां उसे उम्मीद होती है। जॉन सर के साथ शूटआउट एट वडाला की थी। उनके बारे में जो कहा जाता है कि वे अपने काम से काम रखते हैं और सही मायनों में कूल गाय है। उनके साथ एक कमाल का कंफर्ट था। मैं इसे दोस्ती तो नहीं कहूंगी, क्योंकि दोस्ती की अलग-अलग परिभाषा होती है। जो मैंने उनका बर्ताव देखा, तो पाया कि वे अपने काम से काम रखते हैं, मगर ऐसा भी नहीं है कि दुनिया-जहान से ला-तालुक हैं। अप्रोचेबल हैं, रीचेबल हैं,, अगर हैं अपनी दुनिया में। मैंने जब भी उनके साथ काम, किया, मुझे बहुत मजा आया। हमारी इस फिल्म का नाम पहले नर्सेज ऑफ कामा था, मगर शीर्षक में वो बात नहीं आ पा रही थी। तब टाइटल आया, भारत भाग्य विधाता, मगर फिर पता चला कि ये शीर्षक तो जॉन सर के पास है। जाहिर है, वो निर्माता भी हैं, तो एक निर्माता कई सालों तक पैसे जमा कर करके अपने टाइटल को सुरक्षित रखता है। मुझे लगा मैं इस शीर्षक के लिए किसी तरह से उन्हें मना ही लूंगी, मगर उसकी नौबत नहीं आई। मेरे कहने भर से उन्होंने मुझे दे दिया। उनका दिल बहुत बड़ा है।'

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009